बिना नम्बरी एसयूवी से 81 किलो डोडा चूरा बरामद

पुलिस वाहन को टक्कर मार भाग निकले तस्कर, पुलिस ने चलाईं गोलियां

07-07-2020

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. लूनी थानान्तर्गत फींच गांव के पास रविवार को तीन एसयूवी में सवार मादक पदार्थ तस्कर सादे वस्त्रों में कमिश्नरेट के पश्चिमी जिले की जिला विशेष टीम (डीएसटी) की कार को तीन बार टक्कर मारने के बाद पिस्तौल लहराकर भाग निकले। पुलिस ने चार राउण्ड फायर कर रोकने का प्रयास किया, लेकिन तस्कर बिना नम्बर की एक एसयूवी छोड़ भागे। पुलिस ने एसयूवी में भरा 81 किलो डोडा चूरा जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार फींच गांव में मादक पदार्थ की बड़ी खेप आने की सूचना पर डीएसटी प्रभारी एसआई सरजिल मलिक के नेतृत्व में तड़के चार बजे दो कारों में तलाश शुरू की गई। इस दौरान पुलिस ने एक एसयूवी को रोकने का इशारा किया, लेकिन तस्कर पुलिस पर एसयूवी चढ़ाने का प्रयास कर तेज रफ्तार से वाहन भगा ले गया। पीछा करने पर तस्करों ने एक खेत के पास कार रोकने के बाद गाड़ी पीछे लेकर पुलिस की कार को टक्कर मार दी और गांव की गलियों से भागने लगे। दुबारा पीछा करने पर तस्करों ने फिर पुलिस वाहन को टक्कर मारी और भाग निकले।

तलाश के दौरान गांव के चौराहे पर गुजरात के सूरत नम्बर की एक अन्य एसयूवी को रुकने का इशारा किया गया तो चालक वाहन भगा ले गया। पुलिस ने तस्करों को रोकने के लिए दो हवाई फायर किए। इसी दौरान बिना नम्बर की एक और एसयूवी नजर आने पर पुलिस ने उसके टायर पर दो गोली चलाई, लेकिन तेज रफ्तार व अंधेरा के कारण निशाना चूक बरामद किया।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट, जानलेवा हमला, राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। एक तस्कर मूलतः डोली हाल बालोतरा निवासी दिनेश डारा की पहचान हुई है।

लूनी थाना पुलिस की गिरफ्त में डोडा पोस्त से भरे चार कट्टे व जब्त कार।

पंजीयन नम्बर नहीं, इंजन-चैसिस नम्बर घिसे

तस्करों के पास तीन एसयूवी थी। बिना नम्बर की एक एसयूवी पुलिस ने जब्त की। उसके इंजन व चैसिस नम्बर घिसे हुए थे। यह चोरी की होने का अंदेशा है। वहीं, एक अन्य एसयूवी पर बालोतरा के नम्बर लिखे थे। उसमें दिनेश डारा सवार था। तीसरी फॉरच्यूनर पर गुजरात में सूरत के नम्बर थे। इनके आधार पर तस्करों की पहचान की जा रही है।

जोधपुर में कोरोना छीन चुका 200 से अधिक जिंदगियां, कई संक्रमितों का चौबीस घंटे में ही टूट गया

25 लाख लेकर छोड़ा एनडीपीएस का आरोपी

23.09.2020

बारां @ पत्रिका . पुलिस महानिदेशक भूपेन्द्र सिंह ने एनडीपीएस के मामले में 25 लाख रुपए लेकर एक आरोपी को छोडऩे के आरोप में जिले के हरनावदाशाहजी थाना एसएचओ व दो कांस्टेबल को मंगलवार को निलम्बित कर दिया। इन तीनों 16 सीसीए के तहत नोटिस जारी कर इनके खिलाफ संयुक्त विभागीय जांच के आदेश दिए हैड्ड। निलम्बनकाल में इनका मुख्यालय जोधपुर पुलिस आयुक्तालय किया गया है। इस मामले में रकम लेकर छोड़े गए आरोपी प्रभुलाल तंवर निवासी महुवाखोह थाना अकलेरा जिला झालावाड़ की ओर से मुख्यमंत्री के नाम समेत आला अधिकारियों को शिकायत की गई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रभुलाल तंवर निवासी महुवाखोह थाना अकलेरा जिला झालावाड़ की ओर से मुख्यमंत्री के नाम शिकायत की गई थी। शिकायत में कहा गया था कि गत गत 7 मई को वह बापूलाल तंवर निवासी महुवाखोह के साथ कामखेड़ा गांव स्थित कामखेड़ा बालाजी मंदिर जा रहा था। बालाजी मंदिर के समीप ही हरनावदाशाहजी थाना प्रभारी रामस्वरूप मीणा, कांस्टेबल दिनेश व राकेश ने उन्हें पकड़ लिया।

प्रहरियों ने जेल में कैदी तक पहुंचाए थे चार मोबाइल, दो प्रहरी गिरफ्तार

कैदी के शरीर से चार मोबाइल निकलने का मामला

01.10.2020

सजा पूरी कर छूटे कैदी से मंगवाए थे चारों मोबाइल

रातानाडा थाना पुलिस की गिरफ्त में जेल में कैदी तक मोबाइल पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार जेल प्रहरी।

जोधपुर @ पत्रिका. रातानाडा थाना पुलिस ने जोधपुर सेन्ट्रल जेल में कैदी के शरीर से चार मोबाइल मिलने की गुत्थी सुलझाते हुए बुधवार को दो जेल प्रहरियों को गिरफ्तार किया। दोनों प्रहरियों ने जेल के अंदर कैदी तक चारों मोबाइल पहुंचाए थे। सहायक पुलिस आयुक्त (पूर्व) दरजाराम बोस के अनुसार बाड़मेर जिले में सदर थानान्तर्गत जूना पतरासर गांव निवासी देवाराम पुत्र भीखाराम भील के शरीर से चार मोबाइल मिलने के मामले में जेल प्रहरियों की भूमिका सामने आई। इस पर रोहट (पाली) थानान्तर्गत वायद गांव में बिश्नोइयों की ढाणियां निवासी कैलाश साहू (30) पुत्र हरिकिशन बिश्नोई और जालोर जिले में भीनमाल तहसील के पुनासा गांव में मालियों की नाडी निवासी अशोक कुमार (30) पुत्र सुखराम बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया।

बड़े लेन-देन का अंदेशा, लेकिन बताए 5 हजार

दोनों जेल प्रहरियों ने जेल में बंदियों के लिए चारों मोबाइल मंगवाए थे। दोनों से पूछताछ में बंदियों के नाम सामने आए हैं। जिनके बारे में तस्दीक की जा रही है। एनआइ एक्ट में छह माह की सजा काटने के बाद एक कैदी गत 19 सितम्बर को जेल से छूटा था। प्रहरी अशोक ने उसके मार्फत मोबाइल मंगवाए थे। फिर दोनों प्रहरी जेल में मोबाइल ले गए थे और कारखाने में कैदी देवाराम को दिए थे। उसे मुख्य जेल में चारों मोबाइल ले जाने थे, लेकिन जांच में पकड़े जाने के डर से उसने गुदा में चारों मोबाइल छुपा लिए थे। पुलिस को अंदेशा है कि जेल में मोबाइल ले जाने के बदले बड़ी राशि को लेन देन हुआ होगा। फिलहाल दोनों प्रहरियों ने पांच-पांच हजार रुपए के बदले मोबाइल ले जाने की जानकारी दी है।

कैदी से पूछताछ में हुआ खुलासा

थानाधिकारी रमेश शर्मा ने बताया कि नाबालिग से कुकर्म करने पर देवाराम भील दस साल की सजा काट रहा है। उसने गत 18 सितम्बर को जेल के कारखाने से मुख्य जेल में जाते समय गुदा में चार मोबाइल छुपाए थे। इससे 19 सितम्बर को तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले जेल डिस्पेंसरी और फिर मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन में उसके शरीर से दो पॉलिथीन थैली में बंधे चार मोबाइल बाहर निकले थे। अस्पताल से छुट्टी मिलने पर देवाराम को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर एक दिन का रिमाण्ड लिया गया। पूछताछ में उसने दोनों प्रहरियों के नाम बताए। दोनों प्रहरियों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया। फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

कोविड-19 के कारण नहीं समारोह नहीं, सूक्ष्म रोड पूजन कर आमजन को किया समर्पित

पत्रिका

तस्करी

जोधपुर का कांस्टेबल नीमच में 190 किलो डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार, निलम्बित

19.10.2020

जोधपुर @ **पत्रिका.** मध्यप्रदेश के नीमच पुलिस की नारकोटिक्स विंग ने कार में एक क्विंटल नब्बे किलो डोडा पोस्त के साथ जोधपुर ग्रामीण पुलिस के एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया। उसे निलम्बित कर जांच के आदेश दिए गए हैं।
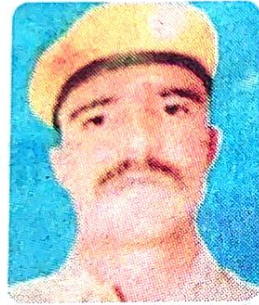
पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राहुल बारहठ के अनुसार मध्यप्रदेश की नारकोटिक्स विंग ने शनिवार को एक कार पकड़ी थी। जिसमें 190 किलो डोडा पोस्त जब्त किया गया। जोधपुर ग्रामीण पुलिस में पदस्थापित कांस्टेबल सुभाष बिश्नोई पुत्र सुखराम कार चला रहा था। जिसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। वह अकेला ही कार में सवार था। संभवतः जब्त डोडा पोस्त जोधपुर लाया जा रहा था। उसके खिलाफ पुलिस थाना नारकोटिक्स सैल इंदौर, नीमच में एफआइआर दर्ज की गई है।

तथ्यात्मक रिपोर्ट मिलते ही निलम्बित

एसपी बारहठ ने कांस्टेबल सुभाष के डोडा पोस्त के साथ पकड़े जाने का पता लगते ही संबंधित पुलिस से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। जिसके मिलते ही रविवार होने के बावजूद कांस्टेबल सुभाष पुत्र सुखराम बिश्नोई को निलम्बित कर दिया गया। साथ ही जांच के आदेश दिए गए हैं।

हाइवे मोबाइल में था पदस्थापित,

कांस्टेबल सुभाष गत कुछ दिनों से शेरगढ़ थाने के अधीन वाली सेखाला पुलिस चौकी के अधीन हाइवे मोबाइल बालेसर में तैनात था। वह 15 अक्टूबर से स्वेच्छापूर्वक ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहा था। वह वर्ष 2015 बैच का सिपाही है।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/3dESNkc

चाकबाजी का मामला

पत्रिका एक्सक्लूसिव : भ्रष्टाचार के आरोप, दोनों के फोन बंद, आवास पर ताला

पुलिस की नजरों से बचकर भागे-भागे फिर रहे दो 'दागी' आइपीएस अफसर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क 20·10·20
patrika.com

लखनऊ. भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों से जुड़ा शायद यह यूपी का पहला मामला है। भ्रष्टाचार के मामले में यूपी कैडर के दो आइपीएस अफसर अरविंद सेन और मणिलाल पाटीदार पर मुकदमा दर्ज हुआ है। अब यह दोनों पुलिस विभाग के लिए वांटेड हो गए हैं। यह दोनों आइपीएस अफसर फरार हैं। इनके फोन बंद हैं। सरकारी आवासों पर ताले लटक रहे हैं।

अरविंद सेन

पूर्व सांसद के पुत्र हैं

डीआईजी पद पर थे। भ्रष्टाचार के आरोप में अगस्त में निलंबित। लखनऊ में 13 जून को मुकदमा दर्ज हुआ था। सेन पूर्व सांसद स्व. मित्रसेन यादव के पुत्र व फैजाबाद निवासी हैं।

आरोप... पशुपालन विभाग में ठेका के नाम पर फर्जीवाड़ा। व्यापारी से 10 करोड़ हड़पे।

मणिलाल

महोबा एसपी थे

निलंबन से पहले महोबा के एसपी थे। 10 सितंबर को मुकदमा दर्ज हुआ। लखनऊ कोर्ट से वारंट जारी किया है। दिल्ली से लेकर राजस्थान तक दबिश दे रही हैं।

आरोप... वायरल वीडियो में घूस मांगते दिखे। कारोबारी की मौत के बाद केस दर्ज।

...मामला बरामद किया। की जांच कर रहा है।

आधे घंटे बाद बेहोशी की हालत में सड़क किनारे पटक गए

थानेदार पर सरपंच पति के अपहरण व हाथ-पैर तोड़ने का आरोप

20.10.2020

पारसोली थानाधिकारी ने किया इंकार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बेगूं. उपखण्ड के रायता सरपंच पति हेमराज धाकड़ का रविवार देर रात एक बजे जयसिंहपुरा से कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया व एक गाड़ी में बैठा ठुकराई चौराहे के समीप बेहोशी की हालत में सड़क किनारे डाल गए। घायल को रात दो बजे बेगूं चिकित्सालय लाए। यहां से उसे भीलवाड़ा रैफर कर दिया गया। परिजनों ने इस मामले में पारसोली थानाधिकारी पर अपहरण एवं मारपीट का आरोप लगा कर एसपी से गुहार लगाई है। हेमराज के पैर व हाथ में फ्रेक्चर आया है।

पीड़ित की पत्नी निर्मला धाकड़ ने बताया कि हेमराज रात को खेत पर जेसीबी से कार्य करा रहे थे। इसी दौरान एक कार आई और हेमराज को जबरन ले गए। कार में बैठे लोगों ने हेमराज को बुरी तरह पीटा और उसके दोनों हाथ एवं पैर तोड़ दिए। कुछ लोग हेमराज को पहचान कर बेगूं चिकित्सालय लाए। सरपंच निर्मला धाकड़ ने आरोप लगाते हुए बेगूं थाने में पारसोली थाना प्रभारी के विरुद्ध मामला दर्ज कराने के लिए कहा, इस पर बेगूं पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार

सरपंच निर्मला धाकड़ ने पुलिस अधीक्षक के सम्मुख उपस्थित होकर पारसोली थाना प्रभारी संजय गुर्जर, दुर्गेश एवं अन्य पुलिसकर्मी के विरुद्ध अपहरण एवं मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करने की मांग की।

मामले की जांच के लिए मैं स्वयं भीलवाड़ा जा रहा हूं। वहां जाकर पीड़ित के बयान लेकर कार्रवाई की जाएगी।

रतन सिंह, बेगूं थाना प्रभारी

रायता सरपंच पति के साथ मारपीट के मामले में मुझ पर लगाए गए आरोप निराधार है।

संजय गुर्जर, थाना प्रभारी पारसोली

जोधपुर सेन्ट्रल जेल 23.10.2020

सुविधा के बदले कैदी बंदियों से कर रहे वसूली

प्रहरियों की मिलीभगत से मोबाइल व अन्य आपत्तिजनक सामग्री करवा रहे उपलब्ध

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. जोधपुर सेन्ट्रल जेल में प्रहरी व कैदियों की मिलीभगत से ही बंदियों तक मोबाइल व अन्य निषेध सामग्री पहुंचाई जाती है। बदले में कैदी अवैध वसूली कर प्रहरियों को कमीशन दे रहे थे।

रातानाडा थाना पुलिस की रिमाण्ड पर चल रहे दो कैदियों से पूछताछ में यह सामने आया। थानाधिकारी रमेश शर्मा ने बताया कि गत 18 सितम्बर को कैदी देवाराम भील के शरीर से मथुरादास माथुर अस्पताल में चार मोबाइल निकाले गए थे। इस मामले में जेल में सजा काट रहे सिरोही जिले में जावाल निवासी शिवलाल प्रजापत व झालावाड़ में कुशलपुर निवासी बालचंद तंवर को गिरफ्तार कर रिमाण्ड लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि शिवलाल व बालचंद ने जेल के प्रहरी अशोक बिश्नोई व कैलाश साहू से मिलीभगत कर गत 17 सितम्बर को जेल में चार मोबाइल मंगाए थे। जो उद्योगशाला तक लाए गए थे, जहां से मुख्य जेल तक ले जाने के लिए देवाराम को मोबाइल दे दिए गए थे। जांच में मोबाइल पकड़ में न आए इसलिए देवाराम ने चारों मोबाइल खुद की गुदा में छुपा लिए थे। कैदी शिवलाल व बालचंद को यह मोबाइल जेल में बंदियों को देने थे। बदले में उन्हें रुपए मिलने वाले थे। मोबाइल लाने के लिए प्रहरियों को भी राशि मिलनी थी।

विस्तृत खबर यहां देखें
https://bit.ly/34hQn8j

रिश्वत से दागदार होती पुलिस

22 माह में 18 पुलिसकर्मी घूस के आरोपों से घिरे

जोधपुर संभाग में रिश्वत मांगने पर सात पुलिसकर्मियों पर एफआइआर दर्ज

जोधपुर @ पत्रिका. एक तरफ जहां अपराधिक गतिविधियां बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ इनको रोकने के लिए जिम्मेदार पुलिस दागदार हो रही है। जोधपुर संभाग में पिछले 22 महीनों में 18 पुलिस अधिकारी व जवान काली कमाई के लालच में आकर फंस हैं। ब्यूरो के उप महानिरीक्षक डॉ विष्णुकांत का कहना है कि रिश्वत लेने वालों की शिकायत मिलने व सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर छोड़ा नहीं जाएगा। वर्ष 2020 में अब तक 53 कर्मचारियों व पुलिसकर्मियों के खिलाफ ट्रैप कार्रवाई की जा चुकी है।

एक साल में 15 व दस माह में मात्र तीन

वर्ष 2019 में जोधपुर संभाग में पन्द्रह पुलिसकर्मी रिश्वत मांगने और लेने के मामले में एसीबी की जांच के दायरे में आए हैं। इनमें से आठ पुलिस अधिकारी व जवानों को गिरफ्तार किया गया। छह पुलिसकर्मियों ने रिश्वत की डिमाण्ड तो की, लेकिन एसीबी कार्रवाई की भनक लगने से वे या तो गायब हो गए अथवा रिश्वत लेने से मना कर दिया। हालांकि इनके खिलाफ रिश्वत मांगने की एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, वर्ष 2020 में एसीबी ने एक हेड कांस्टेबल व एक कांस्टेबल को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। श्रीगंगानगर में जवाहर नगर थाना प्रभारी राजेश कुमार सिहाग फरार है। वहीं, बाड़मेर के एक कांस्टेबल के खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। 28-10-20

वर्ष 2020 में रिश्वत मांगने पर कार्रवाई

जोधपुर रेंज

28 अधिकारी/कर्मचारी ट्रैप

बीकानेर रेंज

25 अधिकारी/कर्मचारी ट्रैप

विद्यालय को 2 कंप्यूटर सेट एवं एक थ्री इन वन प्रिंटर उपलब्ध कराया है। की उपस्थिति में यह उपकरण विद्यालय को सौंपे गए।

दस लाख रुपए रिश्वत लेने का मामला 29.10.20

थानाधिकारी के बाद एएसआइ भी फरार, कांस्टेबल रिमाण्ड पर

16 लाख दो हजार रुपए के बारे में कांस्टेबल से जांच करेगी एसीबी

जोधपुर @ पत्रिका. नशीली दवाइयों के मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाने के बाद मदद के नाम पर कानपुर के फार्मा व्यवसायी से जयपुर की होटल के कमरे में दस लाख रुपए लेने के आरोपी कांस्टेबल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बुधवार को एक दिन का रिमाण्ड लिया। उधर, रिश्वत में आरोपी श्रीगंगानगर में जवाहर नगर थानाधिकारी व निरीक्षक राजेश कुमार सिहाग के बाद एएसआइ सोहनलाल भी फरार हो गया।

ब्यूरो के उप महानिरीक्षक डॉ विष्णुकांत ने बताया कि प्रकरण में दस लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार होने वाले श्रीगंगानगर जिले में जवाहर नगर थाने के कांस्टेबल करौली निवासी नरेशचन्द मीणा को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र चौधरी ने जोधपुर की एसीबी मामलात की अदालत में पेश कर दस दिन का रिमाण्ड मांगा। कोर्ट ने कांस्टेबल नरेश को एक दिन के रिमाण्ड पर भेजने के आदेश दिए। अब उससे रिश्वत के दस लाख रुपए लेने से पहले कानपुर व दिल्ली में वसूले गए 16 लाख दो हजार रुपए के बारे में जांच की जा रही है।

जयपुर के बाद जोधपुर की कोर्ट में पेश

एसीबी ने आरोपी कांस्टेबल नरेशचन्द को मंगलवार शाम जयपुर की अदालत में पेश किया था, लेकिन चूंकि ट्रैप एसीबी जोधपुर ने की थी और एफआइआर जोधपुर की ओर से दर्ज हुई, इसलिए आरोपी को जोधपुर कोर्ट भेज दिया गया। ब्यूरो उसे लेकर बुधवार को जोधपुर पहुंची और एसीबी मामलात की कोर्ट में पेश किया, जहां सिर्फ एक दिन रिमाण्ड मिला। यह रिमाण्ड अवधि समाप्त होने पर कांस्टेबल नरेश को गुरुवार को फिर से जयपुर की कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एफआइआर क्वैश कराने आए थे, पहुंचे एसीबी के पास

फार्मा कारोबारी का नशीली दवाओं के मामले में भूमिका न होने के बावजूद जवाहर नगर थाना पुलिस गिरफ्तारी का डर दिखा रही थी। 18 सितम्बर को एएसआइ सोहनलाल व कांस्टेबल ने कानपुर में 15 लाख रुपए वसूले थे। 25 सितंबर को कांस्टेबल फिर कानपुर पहुंचकर 25 लाख रुपए मांगकर एक लाख रुपए और ले आया था। मामला चूंकि श्रीगंगानगर का है इसलिए हाईकोर्ट से एफआइआर क्वैश कराने के लिए व्यवसायी हरदीपसिंह जोधपुर आए थे, जहां से फिर वो ब्यूरो के पास पहुंचे थे और रिश्वत मांगने की शिकायत की थी।

बेरहमी 31-10-2020

आरक्षक ने डेढ़ साल की बच्ची को जलती सिगरेट से 25 बार दागा

बालोद@ पत्रिका. छत्तीसगढ़ में एक कांस्टेबल ने डेढ़ साल की बच्ची के चेहरे और शरीर को सिगरेट से 20 से 25 जगह दाग दिया। दुर्ग पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल अविनाश राय गुरुवार रात 9 बजे परिचित के घर पहुंचा। वहां उनकी बच्ची से खुद को पापा बोलने के लिए कहा। उसने नहीं बोला तो उसे सिगरेट से दागने लगा। बच्ची के चेहरे और शरीर में फफोले पड़ गए। बच्ची की मां ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्ची का प्राथमिक उपचार कराया। आरोपी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। शुक्रवार सुबह वहां से फरार हो गया। उसके खिलाफ धारा 294, 323, 324 के तहत कार्रवाई की गई है।

ागत स बन हजार 520 वन ...

आरोपी

ाली स्टाम्प मैरिज के न शोषण ोर्ट ने 20 ने अपने नयुक्त के नाया तो गा।

त

र में बबूल ौध जाएगी।

भिवाड़ी पुलिस में भ्रष्टाचार, 17 दिन में दूसरा एसएचओ सस्पेंड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 03.11.2020

अलवर/नीमराणा. भिवाड़ी पुलिस जिले में एसपी खुद भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को निपटाने में लगे हैं। भ्रष्टाचार की शिकायतों की गंभीरता से जांच के बाद भिवाड़ी एसपी 17 दिन में दो थानाधिकारियों को सस्पेंड कर चुके हैं। जो कि प्रदेशभर में पुलिस के लिए एक नजीर है। भिवाड़ी एसपी राममूर्ति जोशी ने भ्रष्टाचार की शिकायतों के चलते सोमवार को नीमराणा एसएचओ और चालक को सस्पेंड किया। इससे 17 दिन पहले शाहजहांपुर एसएचओ और हैडकांस्टेबल को सस्पेंड किया था।

भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि उन्हें एक आपराधिक मामले में नीमराणा थानाधिकारी हरदयालसिंह यादव की ओर से भ्रष्टाचार की गोपनीय शिकायत मिली थी। जिसकी नीमराणा डीएसपी लोकेश कुमार मीणा की ओर से जांच करवाई गई। जिसमें एसएचओ हरदयाल सिंह यादव व वाहन चालक हवासिंह प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए।

पीटा एक्ट के मामले की सूचना की थी लीक: सूत्रों ने बताया कि 28 अक्टूबर को हाइवे पर फतेहपुरा गांव के पास ओल्ड मुस्कान होटल पर कार्रवाई करते हुए वैश्यावृत्ति के अड्डे के पर्दाफाश किया था। जिसकी सूचना नीमराणा थानाधिकारी हरदयालसिंह यादव व चालक हवासिंह द्वारा लीक की थी।

एसएसपी कार्यालय पर दिया घटना को अंजाम

बेटी की तलाश में भटक रहे पिता ने किया आत्मदाह का प्रयास

11-11-20

पुलिस की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर उठाया आत्मघाती कदम

मेरठ @ पत्रिका. 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' और महिलाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान चलाने वाली भाजपा सरकार में बेटियों और उसके परिवार की क्या हालत हो रही है। इसकी बानगी मंगलवार को एसएसपी कार्यालय में देखने को मिली। जहां अपहृत बेटी की तलाश में भटक रहे पिता की जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो उसने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। एसएसपी कार्यालय पर तैनात पुलिसकर्मियों ने जब व्यक्ति को पेट्रोल डालते देखा तो उसे दौड़कर पकड़ लिया और पीड़ित को गाड़ी में बैठाकर ले गए। जानकारी के अनुसरा पीड़ित व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों सहित एसएसपी से मिलने आया था।

कंकराखेड़ा क्षेत्र से हुई थी लापता

उसकी पत्नी ने बताया कि गत माह उनकी बेटी कंकरखेड़ा क्षेत्र से लापता हो गई थी। महिला ने बेटी के अपहरण का आरोप क्षेत्र के ही एक युवक पर लगाया। महिला का आरोप है कि वह बेटी की बरामदगी के लिए थाने में भी गई। लेकिन वहां पर किसी ने सुनवाई नहीं की, उल्टा डांटकर भगा दिया। इसके बाद वो पति के साथ कई बार एसएसपी कार्यालय में आ चुकी है। लेकिन इसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। महिला का आरोप है कि थाना पुलिस की मिलीभगत के चलते उसकी बेटी नहीं मिल रही है। महिला ने अपनी बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर की।

पुलिस हिरासत में मौत : जुआ-सट्टे पर कार्रवाई के लिए गए थे पुलिसकर्मी

10-11-20

'चंदा नहीं दिया तो पुलिस ने गला दबाकर मारा', 5 निलंबित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बूंदी . पुलिस हिरासत में सोमवार को एक जने की मौत के बाद बूंदी में बवाल मच गया। करीब 4 घंटे तक परिजनों ने शव रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। न्यायिक अधिकारी ने पहुंचकर जांच शुरू की, तब परिजन माने। पुलिस के आला अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई और मुकदमा दर्ज करने का भरोसा दिया। बाद में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान चिकित्सालय परिसर पुलिस छावनी बना रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे रामनगर पुलिस चौकी के जवान सादावर्दी में रामनगर कंजर बस्ती पहुंचे, जहां उन्होंने 55 वर्षीय हरजी कंजर को पकड़ा। पुलिसकर्मी उसे ताश-पत्ती से जुआ खेलने का आरोप लगाते हुए हिरासत में लेने आए थे।

पढ़ें **चंदा** @ पेज 11

बूंदी . रामनगर कंजर बस्ती में हरजीलाल के साथ जोर जबरदस्ती करती पुलिस।

इनको किया निलंबित

पुलिस अधीक्षक शिवराज सिंह ने पांच जनों को निलंबित कर दिया। इनमें सब इंस्पेक्टर श्याम सुंदर यादव, हेड कांस्टेबल सत्यनारायण मीणा, कांस्टेबल प्रहलाद मीणा, हनुमान चौधरी व राजाराम चौधरी को प्रथमदृष्ट्या दोषी मानते हुए निलंबित किया गया।

तबीयत बिगड़ने से मौत

पुलिस जाब्ता रामनगर कंजर बस्ती में जुआ-सट्टे की कार्रवाई के लिए गया था। एक जना पकड़ में आया, उसकी तबीयत बिगड़ गई, इससे उसकी मौत हो गई। प्रकरण की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। **शिवराज मीना,** पुलिस अधीक्षक, बूंदी

इधर... बजरी पहुंचाने का ऑडियो वायरल, थानाधिकारी निलंबित

जालोर @ पत्रिका . सोशल मीडिया पर रविवार को एक ऑडियो वायरल होने पर एसपी श्यामसिंह ने सोमवार को जसवंतपुरा थाना प्रभारी साबिर मोहम्मद को निलंबित कर दिया। वायरल दो ऑडियों एक महिला व एक युवक के बीच बातचीत के हैं। वार्ता में सामने आ रहा है कि महिला के घर पर काम चल रहा है और उसके लिए बजरी की जरूरत है। ऑडियो में युवक स्वयं महिला को नियम विरुद्ध बजरी पहुंचाने की बात कह रहा हैं। जिसको लेकर चर्चा रही कि ये व्यक्ति जसवंतपुरा थानाधिकारी है। एसपी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है, लेकिन प्रथमदृष्ट्या थाना प्रभारी पर आरोप के बाद कार्रवाई की है।

20 दिन बाद हुआ खुलासा 12-11-20

इनामी बदमाश का खौफ, 5 लाख की फिरौती दे दी, पर पुलिस को नहीं बताया

मारपीट कर वसूली फिरौती की रकम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . मुहाना थाना इलाके में एक युवक का अपहरण करने के बाद उसके साथ मारपीट कर बदमाशों ने पांच लाख रुपए की फिरौती वसूल ली। पीड़ित में बदमाशों का डर इतना बैठ गया कि उसने वारदात के करीब 20 दिन तक पुलिस को नहीं बताया। इस्कॉन रोड पर हाल में बिल्डर पर फायरिंग के मामले में पुलिस की जांच में जब यह बात सामने आई तो पुलिस ने उसे विश्वास में लेकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस बदमाश और उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

थानधिकारी हीरालाल सैनी ने बताया कि एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि वह 20 दिन पूर्व घर से लाल कोठी जा रहा था तब एक बदमाश ने उसकी कार रुकवा ली और अंदर बैठ गया। तभी तीन बाइक पर अन्य बदमाश भी आ गए। बदमाशों ने कार में पीड़ित से मारपीट करते हुए पांच लाख रुपए फिरौती मांगी। फिरौती के रुपए देने के लिए पीड़ित ने हामी भर ली तो उसे रिंगरोड पर पटक कर चले गए। सैनी ने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया है कि भरतपुर निवासी विनोद पथैना, राहुल शर्मा, दरोगा खान व वीरेन्द्र सिंह ने पीड़ित के बच्चे के अपहरण की धमकी दी थी।

साथ ही सट्टे के काम में हिस्सेदारी का दबाव भी बनाया था। विनोद पथैना भुसावर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसने कुछ दिन पहले ही इस्कॉन रोड पर एक बिल्डर पर फायरिंग की थी। मुहाना थाने में उसके खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। वहीं यूपी पुलिस ने विनोद पर 50 हजार, भरतपुर ने पांच हजार और जयपुर कमिश्नरेट की ओर से हाल ही में दो हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। विनोद ने दो दिन पूर्व भरतपुर में भी रंगदारी वसूलने के लिए एक व्यापारी पर फायरिंग की थी।

पुलिस की गिरफ्त से दूर है बदमाश

करीब दस दिन बाद पीड़ित ने बदमाशों को फिरौती के रुपए दे दिए। पुलिस के अनुसार यह वारदात यूपी, भरतपुर और जयपुर कमिश्नर पुलिस की गिरफ्त से दूर चल रहे इनामी बदमाश ने अंजाम दी।

आरोपी पुलिसकर्मी का पुत्र

13.11.20

बीकानेर में जेसीबी से कुचल युवक की हत्या

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर . गंगाशहर थाना क्षेत्र में रुपयों के लेन-देन के विवाद में एक युवक की जेसीबी से कुचलकर हत्या कर दी गई। वारदात बुधवार देर रात अंजाम दी गई। वारदात बुधवार देर रात करीब पौने 12 बजे की है। पुलिस को पौने एक बजे सूचना मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके ठिकानों पर दबिश दी लेकिन वह हाथ नहीं लगा। उदयरामसर निवासी नितिन (28) पुत्र लालसिंह यादव की हत्या हुई है। हत्या की वजह रुपयों के लेन-देन बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि उदयरामसर निवासी लालसिंह ने रिपोर्ट दी कि उसका पुत्र नितिन (28) उदयरामसर निवासी सोनू उर्फ अश्विनी यादव से रुपए मांगता था। बुधवार को सोनू उदयरासर-सुरजासर मार्ग पर खान से जेसीबी से मुरड़ निकाल रहा था। तब उसका बेटा नितिन वहां पहुंचा।

नितिन यादव

करते थे साथ-साथ काम

सीआई दत्त ने बताया कि आरोपी सोनू खाजूवाला में पदस्थापित एएसआई कंवरसिंह का बेटा है। सोनू उदयरामसर में जबकि कंवरसिंह परिवार सहित खाजूवाला में रहता है। नितिन व सोनू दोनों साथ-साथ मिट्टी खुदाई व ट्रेक्टरों से ढुलाई करते थे। मृतक और आरोपी के बीच में रुपयों के लेन-देन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया।

इस दरमियान रुपयों के लेन-देन को लेकर उनमें विवाद हो गया। सोनू ने नितिन को जेसीबी के लोडर से सिर में टक्कर मार दी।

मौत के बाद रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव

छुट्टी नहीं मिलने से डिप्रेशन, थानेदार की हार्ट अटैक से मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

13-11-20

भरतपुर . बेटे के विवाह को लेकर अवकाश मिलने में हुए विलम्ब से अवसाद में आए जिले के बयाना सर्किल के उच्चैन थाना प्रभारी की गुरुवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें भरतपुर जिला अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच में कोरोना पॉजिटिव आने परपोस्टमार्टम नहीं करा शव सीधे उनके पैतृक गांव उनियारा जिला टोंक भेजा जाएगा।

जानकारी के अनुसार उच्चैन थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर होशियार सिंह पंवार (58) सुबह टहलने के लिए गए थे। उसके बाद आने पर उन्होंने सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की। तबीयत बिगडने पर स्टाफ उन्हें जिला अस्पताल भरतपुर लेकर आया, लेकिन उससे पहले ही रास्ते में मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर एएसपी (मुख्यालय) डॉ.मूलसिंह राणा, सीओ सतीश वर्मा समेत अन्य अधिकारी आरबीएम अस्पताल पहुंचे और जानकारी दी। मृतक के परिजन को सूचना दी।

शुगर-ब्लड प्रेशर की शिकायत

मृतक एसआई को शुगर और ब्लड प्रेशर की शिकायत बताई जा रही है। प्रारम्भिक तौर पर मृत्यु का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा था लेकिन सुबह 11.30 बाद आई जांच रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव बताया गया जिससे कोरोना संक्रमण से भी मौत की आशंका बनी हुई है।

बेचैनी व अनिद्रा के शिकार: कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक एएसपी डॉ. मूलसिंह राणा ने बताया कि उच्चैन थाना प्रभारी कुछ दिन से तबीयत खराब होने की शिकायत कर रहे थे। अवकाश का आवेदन स्वीकृत कर दिया था। उन्हें दीपावली के बाद जाने के लिए कहा था। इससे पहले गुर्जर आंदोलन के चलते इलाके में कानून व्यवस्था को लेकर उनकी ड्यूटी उच्चैन थाने पर ही थी।

प्रदेश में खाकी को दागदार करने वाली दो घटनाएं 19.8.2020

पकड़ी दो किलो अफीम, नौ लाख हवाला से लेकर छोड़ा आरोपी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. दस दिन पहले रोडवेज बस स्टैंड पर एक व्यक्ति से दो किलो अफीम पकड़ने और उसे छोड़ने की एवज में सुभाषनगर के थाना प्रभारी नवनीत व्यास समेत तीन पुलिसकर्मियों की ओर से 9 लाख रुपए लेने का मामला सामने आया है। यह राशि जोधपुर में ही एक व्यक्ति को हवाले से दी गई। छोड़े गए व्यक्ति ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अजमेर रेंज पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को शिकायत की है। शिकायत के बाद डीजीपी ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। शिकायत का पत्र सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जोधपुर के एक व्यक्ति ने डीजीपी को शिकायत की थी कि गत 8 अगस्त को वह चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा गया था। वहां से 2 किलो 100 ग्राम अफीम खरीदी। फिर 9 अगस्त को रोडवेज बस से निम्बाहेड़ा से भीलवाड़ा पहुंचा। यहां बस स्टैण्ड पर पहुंचते ही एक सिपाही बस में चढ़ा और तलाशी लेने लगा। उसके बैग की तलाशी में अफीम बरामद हुई। उसे बस से उतार कर कुछ दूरी पर एक निजी कमरे में बंद कर दिया गया। वह सिपाही थाने से पुलिसकर्मियों को बुलाकर लाया। उसका कहना है कि कमरे में थानाप्रभारी नवनीत व्यास व हरीश नामक पुलिसकर्मी पहुंचे।

- छोड़े गए व्यक्ति ने की डीजीपी और आइजी को शिकायत
- डीजीपी के आदेश पर विजिलेंस ने शुरू की जांच

बेल्ट खोलकर पीटा, शुरू हुई सौदेबाजी

शिकायत में आरोप लगाया कि कमरे में थानाप्रभारी ने पुलिसकर्मी के बेल्ट से उसे पीटा। फिर सौदेबाजी की। 9.20 लाख में सौदा तय हुआ। पुलिसकर्मी हरीश ने हवाले से पैसे मांगे। हरीश ने बाहर जाकर किसी व्यक्ति से जोधपुर बात की। पुलिसकर्मियों ने मण्डोर रोड धानमण्डी पर एक व्यक्ति को भेजा। वहां पकड़े गए व्यक्ति ने दोस्त के जरिए हवाले के 9.20 लाख रुपए उसे दिलवा दिए। शिकायतकर्ता को छोड़ दिया पर अफीम भी नहीं लौटाई।

व्यास का जयपुर हो चुका तबादला

व्यास का गत एक अगस्त को जयपुर के जेडीए थाने में ट्रांसफर हो गया था, लेकिन वे 14 अगस्त को रिलीव हुए। दो दिन पहले ही आनन-फानन में कार्यमुक्त होकर जयपुर चले गए।

लोकेशन-सीसीटीवी जांच के आधार

शिकायतकर्ता ने डीजीपी और आइजी को कहा कि उसकी मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज निकाल कर जांच की जा सकती है। उसे न्याय दिलाया जाए।

> सुभाषनगर थानाप्रभारी समेत कुछ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिली है। शिकायत पुलिस महानिदेशक को भी की है। डीजीपी ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यालय से विजिलेंस जांच कर रही है। जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी।
> **--हवा सिंह घुमरिया,** पुलिस महानिरीक्षक, अजमेर रेंज

रुपए लेने का आरोप

एसआई-एएसआई समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

चूरू @ पत्रिका. जिले के कोतवाली थाने के तीन पुलिसकर्मियों को एसपी परिस देशमुख ने सोमवार रात तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इन तीनों पुलिसकर्मियों पर एक मामले को रफा-दफा करने के एवज में 90 हजार रुपए लेने का आरोप था।

जानकारी के मुताबिक, तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ एसपी परिस देशमुख को शिकायत मिली थी कि पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया। इसके बाद गंभीर धाराओं का हवाला देकर इन्होंने तीनों को धमकाया और मामले को रफा-दफा करने के एवज में उनसे 90 हजार रुपए भी ले लिए। पुलिस की गिरफ्त से छूटने के बाद इनमें से एक व्यक्ति ने ही पुलिस अधीक्षक परिस देशमुख के सामने उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर कार्रवाई करते हुए एसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों को तुरत प्रभाव से निलंबित कर दिया और विस्तृत जांच सीओ सिटी राहुल यादव को सौंप दी। निलंबित होने वालों में सब इंस्पेक्टर रामप्रताप गोदारा, एएसआई सुमेर सिंह, कांस्टेबल (चालक) नन्दलाल शामिल हैं।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

सामूहिक आत्महत्या का

जाती है।   सुबह रेस्टोरेंट लौटा तो वाहन ...

सीसुब से भगौड़े के जरिए मंगाई थी अफीम, मृतक खुद के लिए भी लाए थे

जेल से मादक पदार्थ तस्करी का गिरोह चला रहा है हार्डकोर

2/12/20
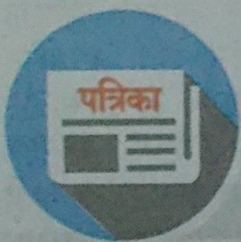
पत्रिका
क्राइम रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. हार्डकोर बदमाश मांगीलाल नोखड़ा जोधपुर सेन्ट्रल जेल से ही मादक पदार्थ तस्करी व अवैध वसूली के लिए गैंग चला रहा था। उसने मोबाइल से बात कर सीसुब के भगौड़े के जरिए मणिपुर से अफीम का 21 किलो दूध मंगाया था। दोनों कूरियर ने अफीम का दूध लूटकर ले जाने की जानकारी दी तो उसने भाई व अन्य गुर्गों को भेजकर उनकी हत्या करवा दी। कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस की पूछताछ में हार्डकोर ने यह खुलासे किए।

थानाधिकारी जुल्फिकार अली के अनुसार मूलतः नोखड़ा भाटियान हाल आरटीओ के पीछे विष्णु नगर में रहने वाले मांगीलाल पुत्र भागीरथराम बिश्नोई को पांच दिन की रिमाण्ड अवधि समाप्त होने पर मंगलवार को कोर्ट में पेश का रिमांड और लिया गया है।

नहीं मिला जला हुआ मोबाइल

पुलिस पूछताछ में मांगीलाल अफीम की खेप मंगाने और अफीम की सुपुर्दगी न मिलने पर भाई व अन्य गुर्गों को भेजकर दो लोगों की हत्या करवाना स्वीकार कर चुका है। उसने महेन्द्र जाट व भैराराम डूडी की हत्या होते ही जेल में मोबाइल तोड़कर जलाने की बात कबूल की थी, लेकिन तलाशी के दौरान पुलिस को जेल में जला हुआ मोबाइल नहीं मिला।

25 मामले, 6 साल से बंद

आरोपी मांगीलाल नोखड़ा पर विभिन्न थानों में हत्या, जानलेवा हमला, मादक पदार्थ व शराब तस्करी, अवैध वसूली आदि के 25 मामले दर्ज हैं। मध्यप्रदेश में पुलिस पर फायरिंग करने के बाद गोली मारकर उसे पकड़ा गया था। वह छह साल से जेल में बंद है।

भगौड़े ने गोवाहाटी भेजा था अफीम लाने

पुलिस का कहना है कि भगौड़े ओमप्रकाश फौजी ने अफीम के दूध की खेप लाने के लिए महेन्द्र जाट व भैराराम डूडी को ट्रक के साथ गोवाहाटी भेजा था। इन दोनों ने अफीम का दूध लेकर ट्रक में छिपा लिया। दोनों खुद के लिए भी अफीम का दूध लाए थे। जोधपुर पहुंचकर महेन्द्र ने कापरड़ा के पास अफीम लूट लिए जाने की सूचना दी थी।

पीडी खाते में ब्याज को

स्टिंग ऑपरेशन : पत्रकारों पर केस

07-12-20

राजकोट . राजकोट में स्टिंग ऑपरेशन करने वाले चार पत्रकारों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। चारों पर बिना इजाजत पुलिस स्टेशन में घुसकर पुलिस के काम में बाधा डालने का आरोप है।

राजस्थान पत्रिका

जोधपुर, मंगलवार, 08 दिसम्बर, 2020

आईडी पर अपने रजिस्टर्ड लेटरपैड पर प्रेषित करें।
jodhpur@patrika.com +91-9672999227

पति से भरण-पोषण के मामले में मदद का झांसा

महिला से बलात्कार का आरोप, एएसआइ निलम्बित

08.12.20

पत्रिका क्राइम रिपोर्ट

चालान बनाने जाने पर आया महिला से सम्पर्क में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. यातायात पुलिस के एक एएसआइ पर मदद के बहाने मित्रता करने व नशीला पदार्थ पिला बलात्कार करने का आरोप लगाते हुए एक महिला ने सूरसागर थाने में एफआइआर दर्ज करवाई। एएसआइ को निलम्बित भी कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार एक महिला की शिकायत यातायात में पदस्थापित एएसआइ ओमाराम के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोप है कि यातायात में पदस्थानापन्न के दौरान गत फरवरी में महिला का चालान बनाया गया था। तब एएसआइ का उससे सम्पर्क हुआ था। महिला का अपने पति से भरण-पोषण का मामला चल रहा है। इस मामले में भी एएसआइ ने मदद करने का विश्वास दिलाकर महिला को झांसे में लिया था। एएसआइ महिला के घर गया था, जहां उसके साथ बलात्कार किया। महिला का आरोप है कि एएसआइ ने नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश कर बलात्कार किया। फिर उसका देह शोषण करने लगा था। एएसआइ ने उससे शादी करने का झांसा भी दिया था। वह महिला को सुभाष नगर में अलग रखने लगा था, जहां भी उसके साथ बलात्कार करने का आरोप लगाया गया है।

चार वर्ष पूर्व भी पीड़िता की मां से की थी अनैतिक मांग

वर्ष 2016 में एएसआइ महिला थाना (पूर्व) में पदस्थापित था, जहां दहेज को लेकर प्रताड़ना के मामले में पीड़िता की मां से मोबाइल पर सम्पर्ककर मदद के नाम पर अस्मत मांगने का आरोप लगाया गया था। एएसआइ व महिला के बीच बातचीत के ऑडियो भी वायरल हुए थे।

बोलेरो रोकने के प्रयास में बोनट पर गिरा था एएसआइ

गत 30 जुलाई को जलजोग चौराहे के पास रोकने का इशारा करने के बावजूद चालक बोलेरो पिकअप को भगाने का प्रयास करने लगा था। वहां तैनात एएसआइ ओमाराम ने पिकअप के आगे खड़े होकर रोकने की कोशिश की थी। इस प्रयास में वह बोनट पर जा गिरा था। बावजूद इसके चालक कुछ दूर तक पिकअप भगा ले गया था। नीचे गिरने से एएसआइ घायल हो गया था।

निलम्बित किया गया है...

'यातायात में पदस्थापित एएसआइ के खिलाफ सूरसागर थाने में बलात्कार का मामला दर्ज होने पर निलम्बित कर दिया गया है। जांच की जा रही है।'

राजेश कुमार मीना, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय व यातायात) जोधपुर।

सुरक्षा के लिए आठ सौ से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के पास आया

जोधपुर व फलोदी में रात

पद पर किया था।

अश्लील मैसेज करने पर निलम्बित कांस्टेबल सहित दो गिरफ्तार

09.12.20

जोधपुर@पत्रिका. नागौरी गेट थाना पुलिस ने समाज के संगठन की महिला पदाधिकारी को व्हॉट्सऐप ग्रुप में अश्लील संदेश भेजने के मामले में निलम्बित कांस्टेबल व एक अन्य को मंगलवार को गिरफ्तार किया। पुलिस लाइन में पड़ोसी महिला से अश्लील हरकतें करने के मामले में कांस्टेबल निलम्बित है।

पुलिस लाइन निवासी निलम्बित कांस्टेबल कैलाश बाड़ोलिया (38) पुत्र किशोरीलाल और कागा रोड पर भील बस्ती निवासी कैलाश (54) पुत्र हीरालाल बंजारा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी कांस्टेबल पुलिस लाइन में तैनात है।

03.12.2020

जेल में मोबाइल रखने पर चार बंदी गिरफ्तार

जोधपुर.जोधपुर सेन्ट्रल जेल में तलाशी के दौरान चार मोबाइल जब्त होने के मामले में रातानाडा थाना पुलिस ने चार बंदियों को जेल से गिरफ्तार किया। थानाधिकारी रमेश शर्मा ने बताया कि गत 17 नवम्बर को जेल में पुलिस व जेल प्रशासन संयुक्त तलाशी लेकर चार जनों से मोबाइल, छह सिम व छह चार्जर जब्त किए गए थे। इस मामले में चित्तौड़गढ़ में कपासन थानान्तर्गत भट्टों का बामनिया गांव निवासी घनश्याम पुत्र सांभालाल, पाली में रानी थानान्तर्गत जवाली निवासी रमेश कुमार पुत्र पेमाराम जाट, मूलतः कटला बाजार हाल पावटा में लक्ष्मीनगर निवासी संदीप मेड़तिया पुत्र सज्जनराज उर्फ चांदमल जैन और मूलतः पालनपुर में टेकरा हाल चांदपोल निवासी सोनू कुमार लूवाणा पुत्र गोरधनास सिंधी को प्रोडक्शन वारंट पर जेल से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया।

सीकर: आरोपी के पैर में गोली मारकर पुलिस ने किया गिरफ्तार

विदाई के बाद दूल्हा-दुल्हन को मारी गोली, फिर पुलिस से मुठभेड़

सुबह 11 बजे तीन युवकों ने कार के आगे लगाई बाइक | **एक युवक ने कार में बैठे दूल्हा-दुल्हन पर किए फायर** | **दूल्हा-दुल्हन गंभीर हालत में, जयपुर अस्पताल में भर्ती**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीकर . नीमकाथाना . पाटन . शादी में विदाई की रस्म के बाद शनिवार सुबह दूल्हा-दुल्हन की गाड़ी पर रास्ते में तीन बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से दूल्हा-दुल्हन को गंभीर हालत में जयपुर भर्ती कराया गया है। वहीं शाम को दो बदमाशों और पुलिस में मुठभेड़ हुई। इस दौरान फायरिंग में एक गोली बदमाश इंद्राज गुर्जर के पैर में लगी। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने दो बदमाशों को हिरासत में लिया है। पुलिस प्रारंभिक तौर पर इसे प्रेम प्रसंग का मामला मान रही है।

आरोपी इंद्राज

पुलिस अधीक्षक डा.गगनदीप सिंगला ने बताया कि बुधराम सैनी पुत्र सुल्तान सैनी निवासी हेमराजपुरा पाटन ने मामला दर्ज कराया कि उनके छोटे भाई रमेश की दो पुत्री निशा की शादी बबलू सैनी व कोमल की शादी संजू के साथ 11 दिसम्बर की रात हुई। शादी के बाद बारात विदा हो गई। रायपुरा मोड़ और झीर की चौकी से आगे तन मावंडा के पास दोपहर करीब 11 बजे अचानक बाइक पर तीन युवक आए।

बाइक को कार के आगे लगा दिया। उनमें से एक युवक ने कार में बैठे दूल्हा-दुल्हन पर फायर किए। एक गोली दुल्हन कोमल की नाक पर लगी।

पढ़ें **विदाई** @ पेज 13
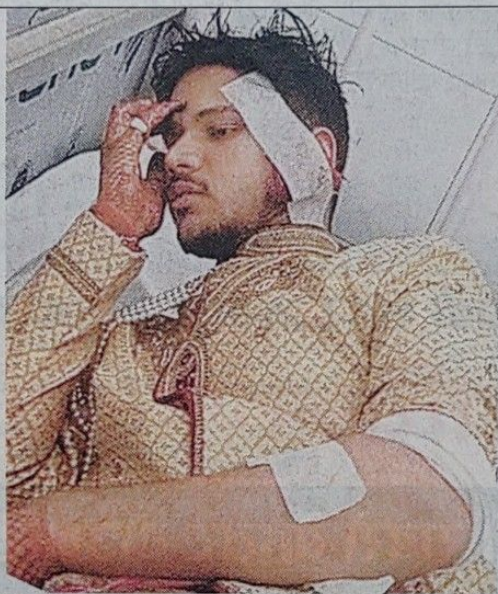
सीकर . घटना के बाद अस्पताल में भर्ती घायल दूल्हा और दूल्हन।

20 दिन पहले दी रिपोर्ट, पुलिस ने नहीं दिया ध्यान

बीस दिन पहले परिजनों ने पाटन पुलिस को बदमाशों के परेशान करने की रिपोर्ट दी थी। इसके बावजूद पाटन पुलिस ने लापरवाही बरती। परिजनों का आरोप है कि पुलिस तब कार्रवाई करती तो ये घटना नहीं होती।

मुठभेड़ में बाल-बाल बचे पाटन थानाधिकारी

पाटन पुलिस को लोकेशन के आधार पर पता लगा कि बदमाश बारांधूणी मंदिर में छिपे हैं। पुलिस वहां पहुंची। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने दो राउंड फायर किए। फायरिंग में पाटन थानाधिकारी नरेंद्र भडाना बाल-बाल बच गए। फायरिंग कर बदमाश भागने लगे। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इस बीच एक गोली बदमाश इंद्राज गुर्जर के पैर में लगी। पुलिस ने पीछा कर दो बदमाशों को दबोच लिया।

दुल्हन की डोली तक सुरक्षित नहीं: राजे

जयपुर. पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर राज्य की कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। राजे ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की ऐसी हालत देखकर मन विचलित हो उठता है, क्योंकि अब तो यहां दुल्हन की डोली तक सुरक्षित नहीं है। सीकर जिले के नीमकाथाना में विदाई के दौरान दूल्हा-दुल्हन पर फायरिंग का मामला बेहद निंदनीय है। राजस्थान सरकार तुरंत कार्रवाई करे।

नाव के परिणाम आज

आरोप लगाते हुए फिल्म निर्देशक प्रकाश झा और अभिनेता बॉबी देओल के ... को सनातन धर्म ... दिखाकर सनातन धर्म को बदनाम किया जा रहा है।

हार्डकोर ने जेल से हवाला के जरिए दिलाए थे 13 लाख रुपए

15-12-20

जोधपुर. जेल में बंद होने के बावजूद हार्डकोर व हिस्ट्रीशीटर मांगीलाल बिश्नोई न सिर्फ अवैध वसूली बल्कि मादक पदार्थ तस्करी भी कर रहा है। उसी ने पिछले महीने गोवाहाटी से मणिपुर की अफीम का 24 किलो दूध जोधपुर मंगाया था। उसने जेल में होने के बावजूद हवाला के जरिए तेरह लाख रुपए का अग्रिम भुगतान करवाया था। जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार व रिमाण्ड के दौरान कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस की पूछताछ में यह सामने आया। पुलिस के अनुसार प्रकरण में ओमप्रकाश बिश्नोई उर्फ फौजी, श्रवणराम जाट, हरिराम बिश्नोई, सुनील कांवा व सुरेश बिश्नोई को गिरफ्तार व जोधपुर जेल से सुरेश के भाई मांगीलाल नोखड़ा को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पूछताछ में मांगीलाल ने अफीम का 24 किलो दूध मंगाना स्वीकार किया। उसने तेरह लाख रुपए अग्रिम दिए थे। यह भुगतान उसने हवाला के जरिए कराया था। हार्डकोर के कहने पर हवाला का भुगतान किस व्यक्ति ने किया था इस बारे में वह बता नहीं सका। उसने उस व्यक्ति का नाम व नम्बर मोबाइल में होने और मोबाइल को जेल में तोड़कर जला देने की जानकारी दी थी। पुलिस उससे मोबाइल बरामद नहीं कर पाई है। थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि मांगीलाल ने 24 किलो अफीम मंगाई थी। बदले में तेरह लाख रुपए हवाला के जरिए अग्रिम दिए गए थे। शेष राशि अफीम की सुपुर्दगी मिलने पर दिए जाने थे।

गौरतलब है कि अफीम की खेप लेकर आने के बाद गायब करने के संदेह में गत 11 नवम्बर को महेन्द्र जाट व भैराराम जाट की हत्या कर दी गई थी।

तीन माह पहले भी हमले में वृद्धा के सिर में आए थे 22 टांके

लोहे के पाइप व सरियों से जानलेवा हमला, पिता-पुत्र सहित तीन घायल

पत्रिका क्राइम रिपोर्ट

सूरसागर थाना पुलिस ने साधारण मारपीट की धाराओं में दर्ज की एफआइआर

17·12·2020

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. पुलिस से बेखौफ दो युवकों ने सूरसागर थानान्तर्गत भूरटिया कॉलोनी में लोहे के पाइप व सरियों से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे पिता-पुत्र सहित तीन जने घायल हो गए। आरोपी तीन माह पूर्व भी वृद्धा के सिर पर हमला कर चुके हैं।

पुलिस ने एक बार फिर मारपीट की साधारण धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस व प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भूरटिया निवासी विकास पारीक ने सूरसागर थाने में पप्पूराम प्रजापत व जसवंत उर्फ जसराज भील के खिलाफ जानलेवा हमले की लिखित शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज किया। आरोप है कि मंगलवार दोपहर विकास अपने पिता को लेने मंदिर के पास गया था, जहां पहले से घात लगाए बैठे दोनों युवकों ने लोहे के पाइप व सरियों से विकास पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे खून बहने लगा और वह बेहोश होकर नीचे गिर गया। उसके पिता लालचंद व मित्र रामूराम मौके पर आए और बीच-बचाव किया। तब हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। रामूराम का सिर फट गया और लालचंद के हाथ में गंभीर चोट आई। हमलावर मौके से भाग गए। पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस कार्रवाई न होने से दोनों युवक बेखौफ हैं। वे मदद करने वाले अन्य परिजन को फोन कर मदद करने पर जानलेवा हमले की धमकियां दे रहे हैं।

तीन माह पहले भी हमला, ठोस कार्रवाई नहीं

गत तीस अगस्त की देर रात दोनों आरोपियों ने विकास की मां विमला देवी पर जानलेवा हमला किया था। इससे सिर फट गया था और 22 टांके लगाए गए थे। पुलिस ने सिर्फ मारपीट का मामला दर्ज कर चालान पेश किया था। ठोस कार्रवाई के अभाव में दोनों के हौंसले बढ़ गए और एक बार फिर हमला कर दिया।

डेगाना व जावर थानाधिकारी लाइन हाजिर

17-12-20

डेगाना/मनोहरथाना @ पत्रिका. नागौर जिले के डेगाना थाना प्रभारी राजपाल सिंह चौधरी को जिला पुलिस अधीक्षक श्वेता धनकड़ ने बुधवार को लाइन हाजिर कर दिया। उनके खिलाफ महिला कास्टेबल की शिकायत पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। उधर झालावाड़ पुलिस अधीक्षक किरण कंग सिद्धू ने जावर थानाधिकारी पुरषोत्तम मेहता को कार्य में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया।

सायरा थाना : दो दिन पहले पकड़कर लाए थे

थाने में आरोपी की तबीयत बिगड़ी, इलाज के दौरान मौत

17-12-2020

उदयपुर/गोगुंदा @ पत्रिका. सायरा थाने में दो दिन पहले पूछताछ के लिए लाए गए आरोपी की तबीयत बिगड़ गई। उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। इस पर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बवाल की आशंका पर पुलिस अलर्ट हो गई।

सायरा क्षेत्र के गोडारा हाल लाडेरा सादड़ी (पाली) के लालाराम (45) की बुधवार सुबह मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि नाबालिग के अपहरण के मामले में नामजद तीन लोगों में से एक लालाराम है। जांच के लिए पुलिस सादड़ी पहुंची। जहां संतुष्टिप्रद जवाब नहीं देने पर लालाराम व उसके भांजे कालूराम को थाने लाया गया। यहां मंगलवार को पूछताछ की गई। बुधवार सुबह लालाराम की तबीयत बिगड़ने पर सायरा के अस्पताल ले गए। जहां बीपी लॉ होना बताया। ड्रिप चढ़ाकर उपचार किया और उसे उदयपुर के लिए रैफर कर दिया। उदयपुर ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

डेकॉय ऑपरेशन 19.12.2020

वसूली पर एक कांस्टेबल निलम्बित, ईमानदारी पर दूसरा सिपाही सम्मानित

जोधपुर@पत्रिका. पुलिस स्टेशनों व अन्य कार्यस्थलों पर कार्यप्रणाली व कुशलता की जांच के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर गत दिनों चलाए गए डेकॉय ऑपरेशन में अवैध वसूली करने पर एक कांस्टेबल को निलम्बित कर दिया। वहीं, ईमानदारी दिखाने वाले एक अन्य कांस्टेबल को पुरस्कृत करने का निर्णय किया गया। वहीं, कार्रवाई के प्रति अनियमितता पाए जाने पर तीस पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए। पुलिस कमिश्नर जोस मोहन के आदेश पर गत दिनों कमिश्नरेट में इंटरसेप्टर, हाइवे मोबाइल, चेतक और सारे नाकों पर तैनात पुलिस व यातायात पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली व सतर्क्ता की जांच कराई गई। दस जगह डेकॉय यानि फर्जी परिवादी भेजे गए। इन डेकॉय ने सारण नगर नाका, फिदूसर चोपड़, 8 मील नाका, डीपीएस सर्किल, झालामण्ड सर्किल, गोरा होटल के पास, आखलिया चौराहा, जालोरी गेट, अरोड़ा सर्किल, जैसलमेर बाइपास (राजीव गांधी नगर थाना से चोखा गांव के बीच) दिन व रात में डेकॉय ऑपरेशन किया गया।

उच्चाधिकारियों के आदेश पर फर्जी पीड़ित व्यक्ति ने इन जगहों पर पुलिस की कार्यप्रणाली की जांच की। इस दौरान तीस पुलिसकर्मी अनियमितता बरतते पकड़े गए। मण्डोर नाका पर अवैध वसूली करने वाले कांस्टेबल जगदीश को निलम्बित कर दिया गया। वहीं, झालामण्ड सर्किल पर तैनात कांस्टेबल मनीष ने ईमानदारी का परिचय दिया। जिसके फलस्वरूप उसे पुरस्कृत किया जाएगा।

भविष्य में होंगे डेकॉय ऑपरेशन

आमजन को बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था देने व कार्यप्रणाली मुहैया करवाने के लिए डेकॉय ऑपरेशन कराया गया। भविष्य में भी डेकॉय भेजकर जांच की जाएगी।

नीमच जिले के जावद थाने का मामला

अफीम सहित पकड़े आरोपियों को छोड़ने के पन्द्रह लाख मांगे, एक सिपाही डिटेन

29.12.20

नीमच एसपी को सौंपा

चित्तौड़गढ़ @ पत्रिका. मध्यप्रदेश में नीमच जिले की जावद थाना पुलिस की ओर से दो किलो अफीम सहित पकड़े गए आरोपियों को छोड़ने के बदले पन्द्रह लाख रूपए मांगने के आरोप में चित्तौड़गढ़ जिला विशेष टीम ने एक सिपाही को डिटेन कर नीमच पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया। जबकि एक सिपाही मौके से फरार हो गया।जानकारी के अनुसार जावद थाना पुलिस ने दो दिन पहले नागौर जिले के खींवसर थानान्तर्गत वेरातल कलां निवासी पप्पूराम पुत्र जयराम जाट व आसूसिंह पुत्र रूपसिंह को दो किलो अफीम सहित गिरफ्तार किया था। इसके बाद जावद थाने से आसूसिंह के मोबाइल पर आरोपियों को परिजनों को फोन कर बताया गया कि इन्हें दो किलो अफीम सहित पकड़ा है। यदि छुड़वाना चाहते हो तो पन्द्रह लाख रूपए लेकर निम्बाहेड़ा पहुंच जाओ। इस सूचना के बाद पप्पू जाट का भाई नेनाराम अपने साथ नानकराज जाट व एक अन्य को लेकर चित्तौड़गढ़ पहुंचा और यहां पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव को पूरी बात बताई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिला विशेष टीम के प्रभारी शिवलाल मीणा मय टीम निम्बाहेड़ा पहुंचे, जहां नानकराम ने मोबाइल पर जावद थाना पुलिस से संपर्क किया। बाद में जावद थाने से सिपाही महेन्द्र व एक अन्य दोनों आरोपियों को लेकर निम्बाहेड़ा पहुंचे, जहां जिला विशेष टीम ने एक सिपाही महेन्द्र को डिटेन कर लिया। जबकि दूसरा सिपाही मौके से भाग छूटा। बाद में इस बारे में नीमच पुलिस अधीक्षक को जानकारी दी गई। आरोपियों व सिपाही को नीमच पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया।

अजहरुद्दीन की बेकाबू कार पलट कर ढाबे में जा घुसी

31.
12.
2020

सवाईमाधोपुर @ पत्रिका . सवाईमाधोपुर. पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की कार बुधवार दोपहर अनियंत्रित होकर एक ढाबे में जा घुसी। सूरवाल में फूल मोहम्मद चौराहे के पास हुए इस हादसे में वे बाल-बाल बच गए। कार में सवार दूसरे लोगों को भी चोट नहीं आई, लेकिन ढाबे का एक कर्मचारी घायल हो गया।

पुलिस ने अजहरुद्दीन और अन्य लोगों को रणथम्भौर रोड के पांच सितारा होटल पहुंचाया।

पढ़े **अजहरुद्दीन** @ पेज 06

नीमच जिले के जावद थाने का मामला

अफीम सहित पकड़े आरोपियों को छोड़ने के पन्द्रह लाख मांगे, एक सिपाही डिटेन

29-12-20

नीमच एसपी को सौंपा

चित्तौड़गढ़ @ पत्रिका. मध्यप्रदेश में नीमच जिले की जावद थाना पुलिस की ओर से दो किलो अफीम सहित पकड़े गए आरोपियों को छोड़ने के बदले पन्द्रह लाख रूपए मांगने के आरोप में चित्तौड़गढ़ जिला विशेष टीम ने एक सिपाही को डिटेन कर नीमच पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया। जबकि एक सिपाही मौके से फरार हो गया।जानकारी के अनुसार जावद थाना पुलिस ने दो दिन पहले नागौर जिले के खींवसर थानान्तर्गत वेरातल कलां निवासी पप्पूराम पुत्र जयराम जाट व आसूसिंह पुत्र रूपसिंह को दो किलो अफीम सहित गिरफ्तार किया था। इसके बाद जावद थाने से आसूसिंह के मोबाइल पर आरोपियों को परिजनों को फोन कर बताया गया कि इन्हें दो किलो अफीम सहित पकड़ा है। यदि छुड़वाना चाहते हो तो पन्द्रह लाख रूपए लेकर निम्बाहेड़ा पहुंच जाओ। इस सूचना के बाद पप्पू जाट का भाई नेनाराम अपने साथ नानकराज जाट व एक अन्य को लेकर चित्तौड़गढ़ पहुंचा और यहां पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव को पूरी बात बताई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिला विशेष टीम के प्रभारी शिवलाल मीणा मय टीम निम्बाहेड़ा पहुंचे, जहां नानकराम ने मोबाइल पर जावद थाना पुलिस से संपर्क किया। बाद में जावद थाने से सिपाही महेन्द्र व एक अन्य दोनों आरोपियों को लेकर निम्बाहेड़ा पहुंचे, जहां जिला विशेष टीम ने एक सिपाही महेन्द्र को डिटेन कर लिया। जबकि दूसरा सिपाही मौके से भाग छूटा। बाद में इस बारे में नीमच पुलिस अधीक्षक को जानकारी दी गई। आरोपियों व सिपाही को नीमच पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया।

03 राजस्थान पत्रिका
जोधपुर, गुरुवार, 07 जनवरी, 2021

लाखों की चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

चूरू के सुजानगढ़ में भी वारदात कबूली

जोधपुर. महामंदिर थाना पुलिस ने मदेरणा कॉलोनी स्थित मकान से लाखों के आभूषण व रुपए चुराने का पर्दाफाश कर बुधवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से बेशकीमती आभूषण बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (पूर्व) दरजाराम बोस ने बताया कि गत 15 नवम्बर की रात मदेरणा कॉलोनी निवासी विद्याधर जोशी के सूने मकान के ताले तोड़कर चोरों ने बेशकीमती आभूषण व रुपए चुरा

सिहाग के नेतृत्व में पुलिस ने वारदातस्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज व संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। वारदात स्वीकारने पर नागौरी गेट में कागा कागड़ी भील बस्ती निवासी

इस्माइल, मदेरणा कॉलोनी में दरगाह चौक निवासी शोएब अख्तर पुत्र मूसा अली और मदेरणा कॉलोनी में कलाकारों का मोहल्ला निवासी शोएब उर्फ पोया पुत्र मोहम्मद इकबाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने सुजानगढ़

स्थित मकान में भी चोरी की एक वारदात करना कबूल किया।

मकान से रुपए व कीमती सामान चोरी

जोधपुर. खाण्डा फलसा थानान्तर्गत गीता भवन रोड पर निजी अस्पताल के पास स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपए व कीमती सामान चुरा लिया। गीता भवन रोड पर विनायका अस्पताल के पास निवासी मोहन पुत्र धर्मराज कल्ला के मकान का ताला तोड़कर चोरों ने छह हजार रुपए, मोबाइल व अन्य कीमती सामान चुरा लिया।

बाड़मेर के आरजीटी थाने में एसीबी की कार्रवाई

आरोपी की मदद के बदले 15 हजार घूस लेते थानाधिकारी गिरफ्तार

जल्द जमानत व दूसरे मामले में आरोपी न बनाने के बदले मांगे थे रुपए

जोधपुर. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर ने बाड़मेर के रागेश्वरी गैस टर्मिनल (आरजीटी) थानाधिकारी महेन्द्र कुमार को शनिवार रात थाने में ही पन्द्रह हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने चोरी के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में भेजे आरोपी की मदद करने की एवज में तीस हजार रुपए मांगकर 15 हजार रुपए सत्यापन के दौरान ले लिए थे।

आरोपी आरजीटी थानाधिकारी महेन्द्र कुमार।

ब्यूरो के उप महानिरीक्षक डॉ विष्णुकांत ने बताया कि बाड़मेर में बेरी वाला तला व जोगाराम पुत्र रामाराम जाट की संयुक्त शिकायत के आधार पर आरजीटी थाने के प्रभारी व उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार पुत्र कानाराम को 15 हजार रुपए लेते थाने में ही रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। वर्दी की पेंट की दाहिनी जेब से रिश्वत राशि बरामद की गई। कार्रवाई से थाने में ही नहीं सिणधरी तक पुलिस में हड़कम्प मच गया। थानाधिकारी महेन्द्र पाली जिले में नाडोल का रहने वाला है और वर्ष 2015 बैच का एसआइ है।

जोधपुर. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर की गिरफ्त में बाड़मेर के आरजीटी थानाधिकारी महेन्द्र कुमार। पत्रिका

दरअसल, आरजीटी थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में होडू में सारणों का तला निवासी दमा पुत्र नारायणराम को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया था। इस मामले में मदद व जल्द जमानत में सहयोग, चोरी के दूसरे मामले में गिरफ्तार न करने, फुट व फिंगर प्रिंट को कोर्ट में पेश की जाने वाली पत्रावली में न लगाने और जल्द चालान पेश करने की एवज में आरोपी के परिजन से पुलिस ने तीस हजार रुपए मांगे थे। आरोपी के ससुर मोहनराम के भाई लिखमाराम व जोगाराम ने इसकी शिकायत एसीबी से की थी। 21 जनवरी को गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो थानाधिकारी ने 15 हजार रुपए ले लिए थे। शेष 15 हजार रुपए थानाधिकारी महेन्द्र कुमार सीरवी ने शनिवार रात थाने में ही लिए। तभी इशारा मिलते ही एसीबी जोधपुर (ग्रामीण) के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपालसिंह लखावत ने दबिश देकर थानाधिकारी महेन्द्र कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

तेल कम्पनी के कर्मचारी बन पहुंची एसीबी

एएसपी भोपालसिंह लखावत ने बताया कि आरजीटी थानाधिकारी महेन्द्र कुमार को रंगे हाथों पकड़ने के लिए सुबह से ही प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन दोपहर में महेन्द्र को कानून व्यवस्था की ड्यूटी में सिणधरी बुला लिया गया। वहां से वो शाम को थाने पहुंचा। इस दौरान उसे भनक न लगे इसलिए एसीबी की पूरी टीम तेल कम्पनी में कार्यरत कर्मचारियों की ड्रैस पहनकर घूमती रही। थानाधिकारी को पकड़ने के लिए भी कम्पनी की ड्रैस में दबिश दी गई थी।

घूसखोरी : खुद रेंज आइजी ने भी की थी डीजी से शिकायत, एसपी ने नहीं दिया ध्यान

16-07-2021

सीएम तक शिकायत, फिर भी एक इंच नहीं डिगे एसपी मनीष

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के घेरे में आए एसपी मनीष अग्रवाल ने घूसखोरी के लिए जिले में एक तरह से 'आतंक' मचा रखा था। मनीष के खिलाफ नामजद शिकायतें रेंज आइजी और डीजी से होते हुए मुख्यमंत्री तक पहुंचीं लेकिन मनीष का दुस्साहस एक इंच भी नहीं डिगा। वह घूसखोरी पर न सिर्फ कायम रहे बल्कि उनका लालच बढ़ता गया।
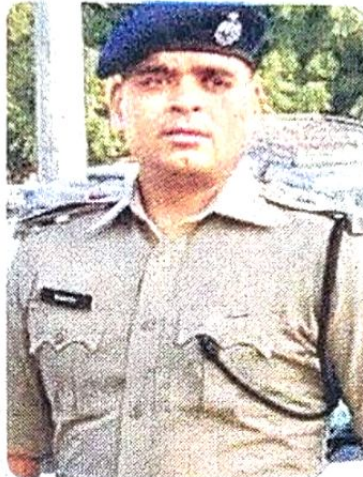
आइपीएस मनीष अग्रवाल

सीएम को दी शिकायत में कम्पनी ने यह कहा

सीएम को दी शिकायत में कम्पनी के प्रतिनिधि ने बताया था कि दस्तावेज पूरे होने के बावजूद पुलिस निर्माण कार्य में जुटे वाहनों को घंटों रोकती है। चालान भरती है। इसके बाद भी वाहन नहीं छोड़ती। वाहन रोकने पर थानों में सम्पर्क करने पर जवाब मिलता है, एसपी साहब से बात कर लो। कम्पनी ने शिकायत में कहा, सम्भवत: एसपी के अप्रत्यक्ष निर्देश हैं कि इतना परेशान करो, कम्पनी दबाव में आ जाए और उनसे मिले।

तीसरा एसडीएम कौन, जिसने घूस के लिए किया फोन?

एसीबी की टीम 2 दिन पहले जब एसडीएम पुष्कर मित्तल को गिरफ्तार कर रही थी, तब दौसा के एक अन्य एसडीएम ने कम्पनी के प्रतिनिधि को फोन किया था। वह पूर्व में हुई 'बातचीत' को आगे बढ़ाने के लिए कह रहा था। कम्पनी जो हाईवे बना रही है, वह इस एसडीएम के क्षेत्र से भी गुजर रहा है। एसीबी टीम तब एसडीएम पिंकी मीणा को पकड़ने की तैयारी में थी इसलिए तीसरे आरएएस अधिकारी की खिलाफ कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाई।

घूसखोरी से परेशान हुई हाईवे निर्माता कम्पनी: हाईवे निर्माता कम्पनी ने घूसखोरी से परेशान होकर पहले रेंज आइजी और पुलिस महानिदेशक से शिकायत की। पढ़ें **तीसरा** @ पेज 12

पत्रिका में प्रकाशित

दो एसडीएम गिरफ्तार, एसपी का दलाल भी धरा

एसपी ने मांगी 10 लाख रुपए की बंधी, दलाल ने 4 लाख में तय किया सौदा

आरएएस पिंकी मीणा और पुष्कर मित्तल निलंबित

कार्मिक विभाग ने दो दिन पहले गिरफ्तार आरएएस पिंकी मीणा और पुष्कर मित्तल को शुक्रवार को निलंबित कर दिया। दोनों अधिकारियों का मुख्यालय कार्मिक विभाग रहेगा। विभाग की ओर से जारी निलंबन आदेश में कहा है कि दोनों निलंबित अधिकारी कार्मिक विभाग में उपस्थिति दर्ज करेंगे और बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

निर्माण सामग्री करा देते थे बर्बाद: पुलिस ने जब-जब वाहन रोके, कम्पनी ने चालान भर दिया। ऐसे में घूसखोरी के लिए पुलिस ने दूसरा रास्ता अपनाया। कम्पनी को आर्थिक फटका लगाने के लिए पुलिस चालान के बाद भी डम्पर नहीं छोड़ती थी। डम्परों में बिटुमन ग्रीट मिक्स भरा होता था, जो तय समय बाद खराब हो जाता था। परेशान होकर कम्पनी ने आखिर उच्च स्तर पर शिकायत करना शुरू किया।

सर्राफा कारोबारी से 16 किलो सोना लूटा, पत्नी व बेटे की हत्या

जोधपुर के लुटेरे... भीलवाड़ा निवासी ज्वैलर... चेन्नई में लूट

एनकाउंटर में एक लुटेरा ढेर, दो गिरफ्तार, एक फरार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मईलाडुतुरै.भीलवाड़ा. चेन्नई के मईलाडुतुरै जिले स्थित सिरकाली में बुधवार सुबह राजस्थान के भीलवाड़ा मूल के गोल्ड कारोबारी की पत्नी और बेटे की लुटेरों ने घर में घुसकर हत्या कर दी। करीब 16 किलो सोने के जेवर लूट लिए। वारदात के बाद पुलिस एनकाउंटर में एक लुटेरा मारा गया, वहीं दो को लूट के माल सहित पकड़ लिया। चौथा आरोपी भाग निकला। लुटेरे भी राजस्थान के जोधपुर जिले के बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार भीलवाड़ा के फूलियाकलां निवासी गोल्ड कारोबारी धनराज की ज्वेलरी की दुकान घर के पास ही है। बुधवार सुबह करीब 6 बजे चार लुटेरे खुद को कारोबारी बताकर धनराज के घर में घुस गए। फिर धनराज को चाकू दिखाकर धमकाना शुरू कर दिया। इस दौरान बचाव में आई पत्नी आशा (45) व बेटे अखिल (28) की गला काट कर हत्या कर दी। हमले में धनराज व अखिल की पत्नी निखिला भी गंभीर रूप से घायल हो गए। लुटेरों ने धनराज को बांध कर चाबी छीन ली और दुकान खोलकर 16 किलो सोने के गहने व धनराज की कार लेकर फरार
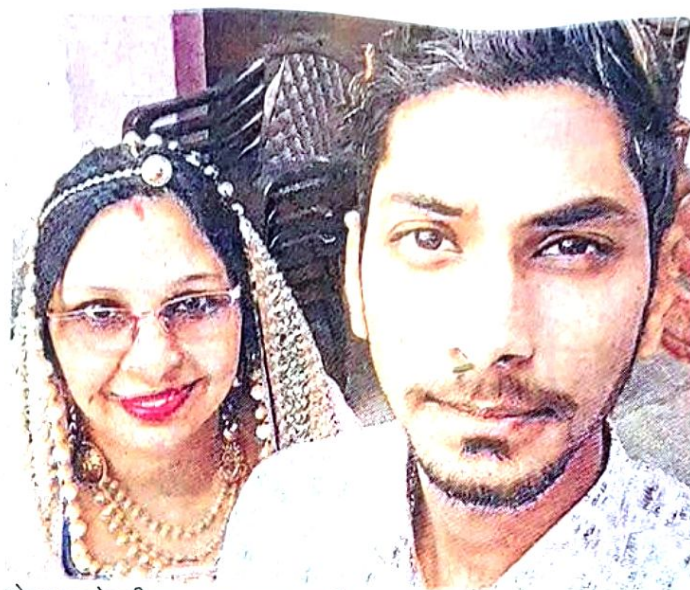
गोल्ड कारोबारी का मृतक पुत्र व पत्नी।

निकाल ले गए हार्ड डिस्क

जाने से पहले लुटेरे घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की हार्ड डिस्क भी निकाल ले गए। धनराज की चीख सुनकर पड़ोसी वहां पहुंचे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया एवं पुलिस को सूचित किया।

पुलिस को पता चला, हिंदीभाषी थे लुटेरे

पुलिस ने बताया कि लुटेरों ने धनराज से हिन्दी में बात की थी, जिससे पता चला वे हिन्दीभाषी थे। पड़ताल में पुलिस को एरुक्कूर में एक कार पार्क होने और खून से सने कपड़ों के साथ आरोपियों के घूमने की जानकारी मिली थी। इस आधार पर पुलिस वहां पहुंची। पुलिस ने तीन आरोपी महीपाल, आर. मनीष (23) और जे. रमेश प्रकाश (20) को

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

सदस्य करणाराम वहां से भाग गया। पुलिस ने उसने 16 किलो सोने के गहने और दो गन भी बरामद की।

भरतपुर

फिल्मी स्टाइल में घर में घुसा और युवती को गोली मारी

भरतपुर @ पत्रिका. मुखर्जीनगर कॉलोनी में मंगलवार सुबह एक युवक ने 19 साल की युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी युवक लड़की के घर के पास ही रहता था। हत्या करने के लिए युवक एक मकान से दूसरे पर जाने के लिए सीढ़ी रखकर फिल्मी स्टाइल में पहुंचा और मकान की छत पर पानी की टंकी देखने के लिए गई युवती को गोली मार दी और भाग निकला। वारदात के समय

शिक्षक माता-पिता स्कूल गए थे

पुलिस ने बताया कि मृतका के पिता शक्ति सिंह ने युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि वह और उसकी पत्नी 26 जनवरी को सुबह 7 बजे ककड़ा स्थित सरकारी स्कूल के लिए निकल गए। बड़ी पुत्री कनिष्का ने फोन किया किया छोटी बहन अंकिता

एसीबी की कार्रवाई 05-07-2021

सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

भरतपुर @ पत्रिका. जुरहरा पुलिस थाने पर गुरुवार शाम दौसा की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने हैड कांस्टेबल सोहनलाल को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। थाने पर हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मी ने जनवरी में थाने पर दर्ज एक चोरी मामले में कार्रवाई करने की एवज में 8 हजार रुपए की मांग की थी। एसीबी ने आरोपी पुलिसकर्मी को मौके पर 7 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा है। रात तक थाने पर कार्रवाई जारी थी।

एसीबी के निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि गांव पथवारी निवासी कैलाश यादव ने शिकायत दी थी। इसमें बताया कि जुरहरा थाने पर तैनात हैड कांस्टेबल सोहनलाल दर्ज कराई चोरी मामले की रिपोर्ट में कार्रवाई करने के लिए 8 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर शिकायत का सत्यापन कराया गया। शिकायत सही मिलने पर एसीबी टीम ने परिवादी को शाम को थाने पर भेजा। हैड कांस्टेबल सोहनलाल के रिश्वत लेते ही एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया। रिश्वत राशि 7 हजार रुपए हैड कांस्टेबल से बरामद कर ली। कार्रवाई के समय थाने पर थाना प्रभारी राजवीर सिंह नहीं थे, वह कार्य से एसपी कार्यालय भरतपुर गए हुए थे।

थानाधिकारी, एएसआई व कांस्टेबल निलंबित, मारपीट कर लिए रुपए

फरियादी को आरोपी बना पुलिस ने पैसे एंठे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

झालावाड़. मनोहरथाना क्षेत्र के चंदीपुर गांव में चोरी के मामले में फरियादी को ही आरोपी बताकर मारपीट कर 1.60 लाख रुपए लेने के आरोप में जावर थानाधिकारी, एएसआइ व कांस्टेबल को निलम्बित कर दिया है।

चंदीपुर में दो माह पूर्व 5 किलो चांदी व 200 ग्राम सोने के जेवर चोरी हुए थे। भंवरलाल लोधा ने 7 दिसम्बर 20 को इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उस समय थानाधिकारी पुरुषोत्तम मेहता द्वारा फरियादी के बाड़े से ही जेवर पड़े होने की सूचना पर कुछ चांदी जब्त की थी, जिसे थाने में लाकर रख लिया गया था। इसके बाद कार्य में लापरवाही मानते हुए थानाधिकारी पुरुषोत्तम मेहता को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

पुत्र के साथ की पूरी रात मारपीट

नए थानाधिकारी धर्माराम ने फरियादी के पुत्र को थाने में बुलाकर पूरी रात मारपीट की। दूसरे दिन फरियादी के पुत्र को छोड़ने की एवज में 6 लाख की मांग की गई। वहीं 1 घंटे में 2 लाख रुपए देने की सहमति हुई। इस पर भंवरलाल ने इधर-उधर से पैसे उधार लाकर पुलिस को 1 लाख 65 हजार रुपए दिए और फरियादी से चोरी के मामले में कार्रवाई नहीं चाहने की लिखवा कर उसका वीडियो बनवाया गया और बाड़े में से मिली एक किलो 600 ग्राम चांदी फरियादी को सौंप कर रिपोर्ट पर एफआर लगा दी गई।

रुपए चोरी होने की रिपोर्ट ही नहीं लिखी

फरियादी भंवरलाल ने बताया कि उसने जेवर सहित 4 लाख 50 हजार की चोरी का मामला दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस ने रुपए चोरी की रिपोर्ट नहीं लिखी। बाद में उसके पुत्र को ही चोरी का आरोपी बताकर मारपीट की और उसे छोड़ने की एवज में एक लाख 65 हजार रुपए थानाधिकारी धर्माराम, गोवर्धन व मनोज ने लिए। चोरी की रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं करने की बात लिखवा झूठा वीडियो बनाया। फरियादी के पुत्र दिनेश ने बताया कि 19 जनवरी को थाने बुलाकर थानाधिकारी सहित पुलिस वालों ने पेड़ पर बांध कर जानवरों की तरह पट्टे, डंडों से मारपीट की।

चंदीपुर गांव में चोरी के मामले में फरियादी से एक लाख 60 हजार रुपए लेने व मामले में एफआर लगाने के आरोप में थानाधिकारी धर्माराम, एएसआई गोरधन व कांस्टेबल मनोज को निलम्बित कर दिया गया है। इसमें जांच की जा रही है।

डॉ. किरण कंग सिद्धू,
पुलिस अधीक्षक, झालावाड़

खेत-खलिहान

कांस्टेबल ने मांगे 20 हजार रुपए

गाड़ी छुड़ानी है तो 20 हजार देने पड़ेंगे, नहीं तो फंसा दूंगा

वीडियो वायरल के बाद निलम्बित

कोटा @ पत्रिका. कांस्टेबल ने अवैध वसूली के लिए पुलिस का रौब दिखाया और रुपए नहीं देने पर मादक पदार्थ (स्मैक) तस्करी के केस में फंसाने की धमकी दे डाली। कांस्टेबल पांचाराम का शनिवार को एक बाइक छोड़ने पर 20 हजार रुपए मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद शहर पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से कांस्टेबल को निलम्बित कर दिया।

पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल पांचाराम वीडियो में धमकी देता नजर आ रहा है। वीडियो में बाइक वाला युवक बार-बार बाइक छोड़ने का आग्रह करता है। वह तो एक ही बात कह रहा है कि बाइक छोड़ने के लिए 20 हजार रुपए लेंगे, इसमें एक रुपया भी कम नहीं होगा। वीडियो में कांस्टेबल कह रहा है कि हम चार हैं...। एक हेड का नाम लेता है फिर कहता है सीआई सा'ब को भी सब पता है। सीआई को भी मैनेज करना है। पांचाराम पुलिस लाइन में तैनात था, उसकी किसी भी थाने में ड्यूटी नहीं लगाई गई थी।
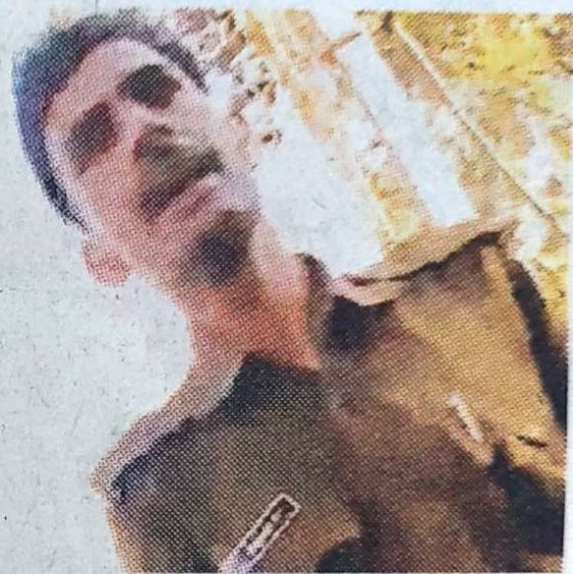
चालक को धमकाता कांस्टेबल

कांस्टेबल पांचाराम पुलिस लाइन में तैनात था। उसकी न थाने में ड्यूटी लगाई और न ट्रैफिक में। वह कैसे गाड़ी पकड़कर लाया है, इसकी जांच करवा रहे हैं। कांस्टेबल को निलम्बित कर दिया है। साथ ही मुकदमा भी दर्ज करवाया है।

- विकास पाठक, पुलिस अधीक्षक

महिला दिवस से पहले सामने आया शर्मनाक कृत्य

फरियाद लेकर थाने पहुंची पीड़िता, थानेदार ने 3 दिन तक किया रेप

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. अपनी पीड़ा लेकर खेरली थाने पहुंची महिला से थानेदार ने 3 दिन तक बलात्कार किया। पीड़िता ने रविवार को थाने में बलात्कार की रिपोर्ट दी तो पुलिस विभाग में हड़कम्प मच गया। रेंज आइजी हवा सिंह घुमरिया और पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम खुद थाने पहुंचे और शिकायत की तस्दीक होने पर थानेदार भरत सिंह को गिरफ्तार किया। रेप की सूचना के बाद भी सक्रियता नहीं दिखाने वाले एचएम हैड कांस्टेबल प्रकाश को निलम्बित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम के अनुसार 26 वर्षीय पीड़िता ने थाने में परिवाद दिया था कि उसका पति उसे तलाक देना चाहता है जबकि वह उससे तलाक नहीं लेना चाहती। उसके पति को पाबंद किया जाए। यह शिकायत थाना प्रभारी को दी गई थी। पड़ताल के लिए मामला थाने के द्वितीय अधिकारी उप निरीक्षक भरत सिंह को दिया गया। कार्रवाई के लिए भरत सिंह ने महिला को थाने बुलाया और उसके साथ 2, 3 व 4 मार्च को बलात्कार किया।

फरियाद यह थी: पति मुझसे तलाक लेना चाहता है मगर मैं नहीं चाहती, आप पाबंद कराइए

कृत्य यह किया: थानेदार ने कार्रवाई के नाम पर बुलाया और थाने के क्वार्टर में किया बलात्कार

हड़कम्प यों मचा: आइजी और एसपी खुद थाने पहुंचे, आरोपी थानेदार को गिरफ्तार किया

आरोपी थानेदार भरत सिंह।

पुलिस पर 4 दिन में यह दूसरा दाग

पिछली 3 मार्च को अरावली विहार थाने के एएसआई रामजीत सिंह गुर्जर के खिलाफ एक महिला ने शादी का झांसा देकर ढाई साल तक देह शोषण करने और गर्भपात कराने का मामला दर्ज कराया था। मामले में आरोपी एएसआई रामजीत को लाइन हाजिर तो कर दिया गया लेकिन उसकी गिरफ्तारी अब तक नहीं हो पाई है।

थानेदार ने यह कृत्य थाने के क्वार्टर में किया। इसे लेकर महिला ने रविवार दोपहर पुलिस थाने में शिकायत दी। सूचना मिलते ही रेंज आइजी घुमरिया, एसपी तेजस्विनी थाने पर पहुंचे। पुलिस ने पीड़ित महिला की रिपोर्ट पर तुरंत बलात्कार का मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने शिकायत को प्राथमिक दृष्टि से सही पाया तो थानेदार को तत्काल गिरफ्तार करने के आदेश दिए। गिरफ्तार भरत मूलतः दौसा निवासी है। देर रात तक घुमरिया और तेजस्विनी थाने पर मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा

2 घंटे का पेपर, 60% प्रश्न

अजमेर @ पत्रिका. राज्य के विश्वविद्यालयों को सत्र 2020-21 की सालाना परीक्षाओं में पेपर 3 के बजाय 2 घंटे का रखना होगा। पेपर में आनुपातिक रूप से 60% प्रश्न हल करने का विकल्प देना होगा। उच्च शिक्षा विभाग ने कोरोना के मद्देनजर परीक्षा कार्यक्रम तय कर विवि को पत्र भेजा है। विभाग से जुड़े 15 सरकारी विवि में सत्र 2020-21 की वार्षिक परीक्षाएं होनी हैं।

बीए, बीएससी और बी-कॉम तृतीय वर्ष की परीक्षाओं के नतीजे 31 जुलाई तक जारी करने होंगे। सेमेस्टर कोर्स की परीक्षाओं का फैसला विवि स्तर पर हो सकेगा। प्रायोगिक परीक्षाएं 15 अप्रेल से होंगी। स्वयंपाठी डिग्री-डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं भी इसी दिन शुरू करनी होंगी। नियमित छात्रों की परीक्षाएं 15 मई से शुरू होंगी। बीए, बी-कॉम, बीएससी अंतिम वर्ष की वार्षिक परीक्षाएं अन्य परीक्षाओं से पहले करानी होंगी। पीजी प्रीवियस परीक्षाएं अन्य कक्षा की परीक्षा के बाद होंगी।

खेरली थाने में बलात्कार प्रकरण

10-03-2021

थानेदार ने फोन पर की थीं अश्लील बातें, सुनकर दंग रह गए अधिकारी

उच्चाधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए किया था गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. बलात्कार के आरोपी थानेदार ने फोन पर भी पीड़िता से अश्लील बातें की थीं, जिसकी रेकॉर्डिंग सुनकर पुलिस अधिकारी दंग रह गए। इसके बाद उच्चाधिकारियों ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए बलात्कार के आरोपी थानेदार को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता की ओर से पेश की गई रेकॉर्डिंग को पुलिस ने साक्ष्य के रूप में फाइल पर लिया है।

बलात्कार के आरोपी सब इंस्पेक्टर भरतसिंह जादौन ने पीड़िता के मोबाइल पर फोन किया और उससे काफी देर तक अश्लील बातें कीं और अवैध सम्बन्ध बनाने को लेकर बातचीत की और दबाव भी बनाया। थानेदार फोन पर पीड़िता से यह सब बातें कर रहा था तथा महिला के फोन पर कॉन्फ्रेंस कॉल पर चुप रहकर उसके धर्म के भाई ने थानेदार की बातचीत की पूरी रेकॉर्डिंग कर ली। रविवार को पीड़िता ने थानेदार भरतसिंह के खिलाफ खेरली थाना परिसर स्थित सरकारी आवास में बुलाकर तीन दिन तक लगातार बलात्कार करने की शिकायत दी।

रिपोर्ट के साथ पीड़िता ने थानेदार की रेकॉर्डिंग भी पेश की। जिसे सुनने के बाद पुलिस अधिकारी हैरान रह गए। उन्होंने पीड़िता की रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बलात्कार का मामला दर्ज किया और आरोपी थानेदार भरतसिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पीड़िता की ओर से बलात्कार के आरोपी थानेदार की बातचीत की रेकॉर्डिंग पेश की गई थी। जिसे फाइल पर लेकर अनुसंधान किया जा रहा है।
- तेजस्विनी गौतम, जिला पुलिस अधीक्षक, अलवर।

कई पुलिसकर्मियों पर भी गिर सकती है गाज

मामले में थाने के कई और पुलिसकर्मियों पर भी गाज गिर सकती है। पीड़िता ने आरोपी थानेदार के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दी तो पुलिसकर्मी थानेदार भरतसिंह का बचाव करते हुए मामले को दबाने में लगे रहे तथा पीड़िता की ओर से दी गई रिपोर्ट में काट-छाट करने का प्रयास किया। थाने के अन्य पुलिसकर्मियों की संलिप्तता के बारे में जांच की जा रही है। संलिप्तता सामने आने पर कई अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में लक्ष्मणगढ़ सीओ अशोक चौहान को एपीओ, खेरली एसएचओ हनुमान सहाय, बलात्कार के आरोपी सब इंस्पेक्टर भरतसिंह और हैडकांस्टेबल प्रकाश को निलम्बित किया जा चुका है।

उधर, हाथ नहीं आ रहा यौन शोषण का आरोपी एएसआइ

अलवर @ पत्रिका. यौन शोषण मामले में आरोपी एएसआई को पहले पुलिस ने छूट दे दी और अब उसे गिरफ्तार करने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं। आरोपी एएसआई की तलाश में पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं, जो कि कई ठिकानों पर दबिश दे रही हैं, लेकिन आरोपी एएसआई पुलिस के हाथ नहीं आ रहा है।

अरावली विहार थाने का एएसआई रामजीत सिंह गुर्जर शादी का झांसा देकर एक महिला का करीब ढाई साल तक यौन शोषण करता रहा। गर्भवती होने पर दवा देकर उसका गर्भपात करा दिया। इस सम्बन्ध में 38 वर्षीय पीड़िता ने 2 मार्च को शहर के एक पुलिस थाने में एफआइआर दर्ज कराई। इस मामले में शुरुआत में पुलिस की ढिलाई रही। पुलिस ने आरोपी एएसआई रामजीत गुर्जर को गिरफ्तार करने के बजाए लाइन हाजिर कर इतिश्री कर ली। पीड़िता के 164 के बयान और आरोपी एएसआई के जुर्म को प्रमाणित मानने में तीन-चार दिन निकाल दिए। आरोपी एएसआई ने पुलिस लाइन में आमद नहीं कराई और पुलिस की इस ढिलाई का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।

गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित

अलवर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि यौन शोषण के मामले में आरोपी एएसआई रामजीत गुर्जर का जुर्म प्रमाणित मानते हुए उसे निलम्बित कर दिया गया है। उसकी तलाश के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपी एएसआई को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एंटीलिया मामला : जेल में बंद हैं कुछ आतंकी

तिहाड़ में मिला मोबाइल, आतंकी तहसीन अख्तर से होगी पूछताछ

नई दिल्ली @ पत्रिका. मुंबई में विस्फोटक से भरी एसयूवी के मामले में तिहाड़ जेल से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को शक है कि इस मोबाइल का इस्तेमाल टेलीग्राम चैनल के संचालन के लिए हुआ, जिससे आतंकी संगठन जैश उल हिंद ने संदेश भेजकर एसयूवी पार्क करने की जिम्मेदारी ली थी।

वाझे का तबादला

एसयूवी के मालिक मनसुख हिरेन की संदिग्ध मौत पर विवादों से घिरे मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वाझे का तबादला सिटी पुलिस की नागरिक सुविधा केंद्र में किया गया है।

जानकारी के मुताबिक स्पेशल सेल तिहाड़ में बंद इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी तहसीन अख्तर को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। जेल में कुछ और आतंकवादी बंद हैं। जानकारी के मुताबिक स्पेशल सेल के इनपुट के आधार पर तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने जेल की उस बैरक से कुछ फोन बरामद किए।

पढ़ें **तिहाड़** @ पेज 09

अवैध खनन का दंश: माफिया के निशाने पर पुलिस, आगे आने से कतरा रहे अन्य विभाग

दो साल में 66 पुलिसकर्मी घायल, 5 कर्मचारियों की मौत

बजरी का अवैध परिवहन मामला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

धौलपुर. बजरी का अवैध परिवहन रोकने को प्रदेश के लिए प्रत्येक जिले में बनी पांच विभागों की संयुक्त टास्क फोर्स तरह-तरह की औपचारिकताओं के दावे तो कर रही है। लेकिन अभी फोर्स किसी भी जिले में किसी बड़े बजरी माफिया का नाम उजागर नहीं कर सकी है।

कार्रवाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो बजरी माफिया के हमलों का सामना पुलिस को ही करना पड़ा है। संयुक्त टॉस्क फोर्स पर बीते दो वर्ष में 169 बार बजरी माफिया के हमलों के मामले दर्ज किए गए हैं। इन हमलों में करीब सवा सौ सरकारी कार्मिक फोर्स के विभागों के घायल हुए हैं, जबकि पांच जनों की मौत भी चुकी है। हमलों के दौरान प्रदेश में 66 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि राजस्व विभाग के 9, खनन विभाग के सात, वन विभाग के 13 एवं अन्य विभागों के 14 कार्मिक घायल होना सामने आया है। वहीं अजमेर में चार व दौसा में एक सरकारी विभाग के कार्मिकों की मौत हो चुकी है।

टास्क फोर्स में 5 विभाग, सबकी जिम्मेदारी तय

वन विभाग: जिले में चल रहे बजरी परिवहन के स्थानों को चिन्हित करने और बजरी का जब्तीकरण की कार्रवाई।

राजस्व विभाग: तय करता है कि जिस स्थान पर बजरी का खनन हो रहा रहा है, वह वन क्षेत्र भूमि है या खनन विभाग की लीज से संचालित स्थान है।

वन विभाग: स्थान तय होने के बाद आगे की कार्रवाई वन विभाग के अधिकारियों के निर्देश में होती है।

परिवहन विभाग: विभाग का कार्य जब्त की गई बजरी के नष्टीकरण के लिए परिवहन की व्यवस्था कराना है।

खनन विभाग: जहां बजरी की निकासी हो रही है, उन स्थानों की लीज के बारे में जानकारी देना है।

पुलिस: पुलिस का कार्य वन, खनन, राजस्व व परिवहन विभाग की बजरी संबंधित कार्रवाई के लिए पुलिस जाप्ते की व्यवस्था कराना होता है।

बीकानेर: दौड़ रहीं जिप्सम की गाड़ियां

बीकानेर. जिले में खनन माफिया सीमावर्ती इलाकों में भी अवैध खनन करने से बाज नहीं आ रहे। खनिज विभाग की टीम की ओर से हाल ही में की गई कार्रवाई में इस बात का खुलासा हुआ है। टीम में शामिल अधिकारियों ने सीमावर्ती इलाके में अवैध जिप्सम का परिवहन करने के आरोप में एक जेसीबी मशीन और सात वाहन जब्त किए हैं। एक मार्च से 12 मार्च के बीच की गई कार्रवाई में विभाग को लाखों रुपए का जुर्माना प्राप्त हुआ है। इसमें खनिज सिलिका सैंड में 70,52,00 रुपए के जुर्माने की वसूली हुई। अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ विभाग की लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

आबकारी विभाग की नई पॉलिसी: 600 करोड़ की 673 दुकानों पर 24 सौ करोड़ की बोली

की
...जनक,
... जारी

राजस्थान पत्रिक...

...में ...रेट **77%** संक्रमित केस केरल, महाराष्ट्र व पंजाब के | **57** वें दिन 15.19 लाख लाभार्थियों को दी गई टीके की डोज

2.43 करोड़ लोगों को **पहली खुराक** दी गई है | **54.30** लाख दूस...

दुस्साहस: बलात्कार पीड़िता से रिश्वत में मांगी इज्जत, एसीबी ने किया गिरफ्तार

डीसीपी दफ्तर में महिला की इज्जत लूटते एसीपी को रंगे हाथ दबोचा

- पीड़िता से वसूल चुका है 50 हजार रुपए
- महिला अपराध शाखा का प्रभारी था एसीपी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . पुलिस उपायुक्त (पूर्व) कार्यालय की महिला अपराध शाखा के प्रभारी एसीपी (सहायक पुलिस आयुक्त) कैलाश बोहरा ने बलात्कार के एक मामले में कार्रवाई के नाम पर पीड़िता की ही इज्जत मांग ली।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कैलाश बोहरा को रविवार को उस समय गिरफ्तार किया जब उसने अपने ही कार्यालय में पीड़िता को बुला कर उसकी इज्जत लूटने की कोशिश की। पुलिस अधिकारी ने यह दुस्साहस जिले के उपायुक्त कक्ष के ठीक नीचे स्थित अपने कार्यालय में किया। एसीपी को दबोचते ही एसीबी ने उसके हाथ धुलाए तो पानी में गुलाबी रंग आ गया। एसीबी डीजी बीएल सोनी ने बताया कि बलात्कार पीड़िता ने 6 मार्च को ब्यूरो मुख्यालय पर शिकायत दी थी। जिले के एक थाने में दर्ज मामले में आरोपी की गिरफ्तार के बदले कैलाश बोहरा पीड़िता की इज्जत मांग रहा है। वह पचास हजार रुपए पूर्व में ले चुका है। इस शिकायत पर एडीजी दिनेश एमएन के निर्देश पर सत्यापन किया गया। दिनेश एमएन ने बताया कि दो से अधिक बार सत्यापन होने के बाद एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई की प्लानिंग की।

एसीपी बोहरा पीड़िता को रोज कार्यालय बुला रहा था। ग्यारह मार्च को भी एसीबी कार्रवाई की तैयारी में थी। इसके बाद शनिवार को भी तैयारी थी, लेकिन दोनों दिन कार्यालय में अन्य कर्मचारियों के आने पर खुद बोहरा ने महिला को चले जाने के लिए कह दिया।

पढ़ें **डीसीपी** @ पेज 07

कपड़े और हाथ धुलाए तो निकला गुलाबी रंग

एसीबी ने आरोपी कैलाश बोहरा को दबोचते ही उसके कपड़े उतरवा लिए। बोहरा के कपड़े व हाथ पानी में धुलाए तो रंग गुलाबी हो गया। इसके बाद आरोपी बोहरा को दूसरे कपड़े पहनाए गए।

एसीबी को देख बीपी लो, बोहरा बेहोश, कुछ देर बाद आया होश

एसीबी टीम ने घेरा तो कैलाश बोहरा बेहोश हो गया। एसीबी ने डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर ने जांच कर बताया कि आरोपी का बीपी लो हो गया था। जबकि बताते हैं कि आरोपी हाई बीपी की दवा लेता है। कुछ देर बाद आरोपी को होश आया। एसीबी आरोपी बोहरा के घर सर्च करने में जुटी है। उधर, डीसीपी कार्यालय में अचानक एसीबी का धावा देख आस-पास के दुकानदार दुकानें बंद कर भाग गए।

पीड़िता की बहादुरी को सलाम

सरकार ने महिलाओं को जल्द न्याय दिलाने के लिए महिला यूनिटों का गठन किया। यूनिट गठन के बाद भी कई माह से महिलाओं से संबंधित प्रकरण लंबित हैं। इस घटना से साफ है कि इनकी निगरानी व्यवस्था में सुधार आवश्यक है। यह भी गौर करने वाली बात है कि अवकाश के दिन किसी पीड़िता को कार्यालय में क्यों बुलाया गया।

युवती को छुट्टी के दिन बुलाया

बोहरा ने रविवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे पीड़िता को फोन कर जल्दी से कार्यालय में बुलाया। सत्यापन में सामने आया था कि वह महिला को अक्सर स्पर्श करता है। ऐसे में ट्रैप के दौरान नोटों पर लगाया जाने वाला केमिकल महिला के कपड़ों पर लगाया गया। एसीबी टीम उपायुक्त कार्यालय के बाहर तैनात हो गई। आरोपी दोपहर 12 बजे कार्यालय पहुंचा। कुछ देर बाद युवती भी वहां पहुंच गई। कार्यालय में बोहरा अकेला था। उसने युवती को कमरे में पहुंचते ही दरवाजा बिना लॉक किए बंद कर लिया। उसने युवती को स्पर्श किया। तभी युवती से संकेत मिलते ही एसीबी टीम वहां पहुंच गई। युवती ने गेट खोला तो बोहरा आपत्तिजनक स्थिति में मिला।

महिला सुनवाई शाखा का था प्रभारी

थानागाजी में 2019 में गैंग रेप की घटना के बाद सरकार ने महिलाओं की त्वरित सुनवाई के लिए हर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विशेष दल गठित किया है। इस सीआइयू-सीएडब्ल्यू (स्पेशल इन्वेस्टीगेशन यूनिट ऑफ क्राइम अगेंस्ट वूमन) शाखा का प्रभारी उप अधीक्षक स्तर का अधिकारी लगाया गया। *उपायुक्त पूर्व की शाखा का पहला प्रभारी कैलाश बोहरा ही था।*

'निर्वस्त्र' होती पुलिस

ऐसा लगने लगा है कि राजस्थान में पुलिस को बहू-बेटियों के साथ बलात्कार करने की तनख्वाह मिलती है। पुलिसकर्मियों में होड़ सी लगी हुई है कि कौन कितनी 'बहादुरी' से महिलाओं की इज्जत लूटता है। जो स्वयं यह पाप नहीं कर पा रहे, वे बलात्कारियों को बढ़ावा देकर पाप कमाने में लगे हुए हैं। हैरत की बात यह है कि सरकार ने भी ऐसे अपराधी पुलिसकर्मियों को पूरी छूट दे रखी है। सरकार में इतना नैतिक साहस ही नहीं है कि वह बलात्कारी पुलिसकर्मियों की ओर नजर भी टेढ़ी कर ले। ऐसे ज्यादातर अपराधी पुलिसकर्मी थानों की बोलियां लगा कर पदों पर आते हैं।

भुवनेश जैन

अभी दो सप्ताह पहले की बात है पति को पाबंद कराने अलवर जिले के खेरली थाने पहुंची महिला के साथ ही उप निरीक्षक ने बलात्कार कर डाला। एक बार नहीं- तीन दिन तक। शायद यह घटना सामने आती ही नहीं, यदि अलवर में तैनात पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम कड़ा रुख नहीं अपनाती। कल टोंक जिले के एक गांव में जो घटना सामने आई, वह तो और भी लोमहर्षक है। पहले बाहुबलियों ने एक नाबालिग का बलात्कार किया। इतना ही नहीं जब बेटी को ढूंढते हुए मां-बाप पहुंचे तो दबंगों ने सरेआम मां-बेटी को निर्वस्त्र कर दिया। मामले की रिपोर्ट होने के बावजूद डरपोक पुलिस बिल में छुप कर बैठी रही। जब निर्वस्त्र करने का वीडियो वायरल हुआ, तब जाकर पुलिस 'निर्वस्त्र' हुई और हलचल शुरू की। ये तो पिछले एक महीने के मामले हैं। राजस्थान पुलिस के इतिहास पर नजर डालें तो हमारे राज्य में अबलाओं पर अत्याचार करने वाले पुलिसकर्मी भरे पड़े हैं। सरकार और पुलिस के उच्च प्रशासन को इस कलंक से कतई फर्क नहीं पड़ता। ऐसे ही कुछ मामलों की बानगी...

■ अलवर के एक थाने के एएसआई रामजीत सिंह गुर्जर के खिलाफ इसी 3 मार्च को एक युवती ने बलात्कार का मामला दर्ज करवाया। प्रकरण सामने आने पर एएसआई को लाइन हाजिर तो किया लेकिन गिरफ्तार नहीं। इस बीच एएसआई अग्रिम जमानत ले आया।

■ वर्ष 2020 में सीकर की युवती ने कोटा में तैनात कांस्टेबल के खिलाफ मालवीय नगर थाने में शिकायत भेजी, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। तत्कालीन थानाधिकारी के खिलाफ कोर्ट से मामला दर्ज करवाया गया।

■ वर्ष 2020 में जयपुर में एक महिला इंस्पेक्टर ने शिप्रापथ थाने में आरपीएस अधिकारी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवाया, जांच 'लंबित'।

■ वर्ष 2019 में जयपुर के वैशाली नगर थाने में बलात्कार का मामला दर्ज कराने वाली पीड़िता ने पुलिस प्रताड़ना से परेशान हो थाना परिसर में ही आत्मदाह कर लिया था। बाद में पुलिस मुख्यालय ने जांच के बाद बलात्कार के आरोपी युवक को गिरफ्तार किया, हालांकि महिला को प्रताड़ित करने वाले पुलिस वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पढ़ें **'निर्वस्त्र'** @ पेज 11

चन्द्रास्त: अल सुबह 5.03 बजे

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद म

बेहतर पुलिसिंग को जनसहयोग जरूरी : लाठर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

डीजीपी से खास बातचीत

महिलाओं पर अत्याचारों से जुड़े मामलों पर कर रहे त्वरित कार्रवाई

जयपुर . राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार और पुलिस पर हमले जैसी घटनाओं से पुलिस की कार्यशैली भी कठघरे में है। ऐसा क्यों हो रहा है? क्या पुलिस और जनता के बीच दूरी बढ़ रही है? इसी को लेकर पत्रिका ने पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर से सीधी बातचीत की।

पढ़ें **बेहतर** @ पेज 14
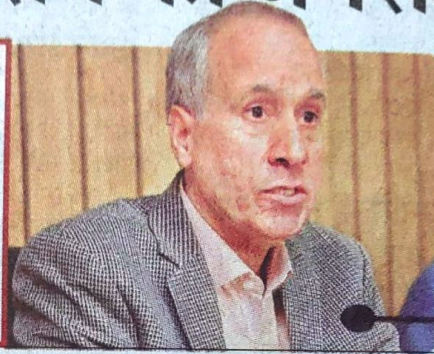
Q आमजन में विश्वास व अपराधियों में भय...ध्येय वाक्य कमजोर हुआ है?

हार्डकोर अपराधियों पर राजस्थान पुलिस हमेशा हावी रही है। आज कोई भी कुख्यात अपराधी ऐसा नहीं है, जो सलाखों के पीछे न हो। इस काम में जनता की मदद और अपेक्षित है। पुलिस को समय पर सूचना मिले, यह आवश्यक है।

महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार...

Q महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं?

हां, पिछले दिनों में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस त्वरित कार्रवाई भी कर रही है। थाने से लेकर मुख्यालय तक बेहतर मॉनिटरिंग होती है। तय समय में मामले को अदालत तक पहुंचाया जा रहा है। इसीलिए तो झुंझुनूं वाले मामले में आरोपी को कम समय में सजा मिली।

Q महिला अत्याचारों पर लगाम की पुलिस के पास कोई कार्ययोजना है?

महिला अत्याचार के एक साल में करीब पांच-छह हजार मामले दर्ज हो रहे हैं। वर्षवार देखें तो पुराना कोई भी मामला लम्बित नहीं है। न्याय दिलाने के लिए ऐसे मामलों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

Q मदद मांगने वाले लोग ही पुलिस पर हमला कर रहे हैं, क्या कारण है?

पुलिस और जनता के बीच दूरी कभी नहीं हो सकती। कोरोना काल में पुलिस ही जन सहयोग में सबसे आगे रही है।

पढ़ें **महिलाओं** @ पेज 14

जांच अधिकारी फिर गैरहाजिर

52 बार पेशियों पर गवाही देने नहीं आए सीआई विश्नोई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. मादक पदार्थ अधिनियम के एक पांच वर्ष पुराने मामले में अनुसंधान अधिकारी हनुमानाराम विश्नोई (हाल सीआई श्रीगंगानगर) 52 बार बतौर गवाह बुलाने के बावजूद अदालत में हाजिर नहीं हो रहे हैं। यहां तक कि अजमेर व श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक के जरिए भी विश्नोई की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने पुनः गिरफ्तारी वारंट जारी कर डीजीपी को पत्र लिखा है। पीसांगन इलाके में 15 जुलाई 2016 को पुलिस ने कार से 134.275 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया था। प्रकरण में हनुमान राम विश्नोई को अनुसंधान अधिकारी बनाया गया था।

भीलवाड़ा में फायरिंग से दो कांस्टेबल की हत्या प्रकरण

नौ बदमाशों के लिए 32 पुलिसकर्मियों की टीम गठित

पत्रिका क्राइम रिपोर्ट

हत्या करने वालों की पहचान, लेकिन पांच दिन बाद भी पुलिस खाली हाथ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भीलवाड़ा जिले में फायरिंग में दो कांस्टेबल की हत्या करने के मामले में पांच दिन बाद भी पुलिस खाली है। इन्हें पकड़ना राजस्थान पुलिस के लिए चुनौती बनता जा रहा है। इनकी धरपकड़ के लिए आठ जिलों की पुलिस और एटीएस-एसओजी के 32 पुलिस अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई है।

पुलिस के अनुसार बदमाशों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस-एसओजी) अशोक राठौड़ गुरुवार को जोधपुर पहुंचे और आठ जिलों की पुलिस व एटीएस-एसओजी के अधिकारियों के साथ विशेष बैठक ली। जिसमें नामजद व अन्य संदिग्धों को पकड़ने के लिए पुलिस अधिकारियों की स्पेशल टास्क फोर्स गठित कर हर वांछित के लिए अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई।

एएसपी प्रभारी, चार अन्य अधिकारी भी शामिल

हत्या के आरोपियों को पकड़ने के एएसपी (एसओजी -एटीएस) जोधपुर कमल सिंह तंवर को प्रभारी बनाया गया है। इनके साथ भीलवाड़ा पुलिस के एक उपाधीक्षक, जोधपुर पुलिस के एक निरीक्षक व दो अन्य निरीक्षकों को सुपरविजन का जिम्मा सौंपा गया है।

आरोपी का नाम	पकड़ने का जिम्मा
सुनील डूडी	4 पुलिस अधिकारी
नेतराम	3 पुलिस अधिकारी
रामनिवास	3 अधिकारी
प्रकाश	4 अधिकारी
रामदेव	4 अधिकारी
राजू फौजी	6 पुलिस अधिकारी
पाबू	6 पुलिस अधिकारी
रमेश	3 पुलिस अधिकारी
यशवंत	4 पुलिस अधिकारी

आठ जिलों की पुलिस की ताकत झोंकी

वांछित बदमाशों को पकड़ने के लिए जोधपुर, बाड़मेर, पाली, भीलवाड़ा, जैसलमेर, नागौर, बाड़मेर, जालोर व उदयपुर के पुलिस अधिकारियों को लगाया गया है। वहीं साइबर व तकनीकी एक्सपर्ट की टीम को अलग से जिम्मेदारी दी गई है।

भीलवाड़ा

दो पुलिसकर्मियों की हत्या का मामला

पुलिसकर्मी तय करते थे तस्करों का रूट

ओमप्रकाश शर्मा
patrika.com

जयपुर . भीलवाड़ा में दो पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। एक तरफ मादक पदार्थ तस्करों से पुलिसकर्मी लोहा ले रहे थे, वहीं दूसरी ओर उन्हीं के कुछ साथी अपराधियों से मिले हुए थे। साठगांठ ऐसी थी कि पुलिसकर्मी ही तस्करों का रूट तय कर रहे थे।

भेदियों की पहचान... जल्द गिरफ्तारी

वे न केवल पुलिस के मूवमेंट की जानकारी तस्करों को दे रहे थे, बल्कि पुलिस से बचाव का रास्ता भी सुझा रहे थे। दो जवानों की मौत के लिए जिम्मेदार तस्करों की तलाश के दौरान पुलिस पड़ताल में यह तथ्य सामने आया है। पढ़ें **पुलिसकर्मी** @ पेज 09

जांच में चौंकाने वाले तथ्य उजागर

मादक पदार्थ तस्करों का सामना करते समय भीलवाड़ा के रायला में कांस्टेबल पवन कुमार व कोटड़ी में औंकार रायका की मौत हो गई थी। तस्करों ने ए-के 47 जैसे हथियारों से पुलिस पर गोलियां बरसाई थी। घटना के बाद खुद पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने अपराधियों को पकड़ने के लिए जिला पुलिस के साथ अन्य जिला पुलिस व एटीएस को भी सक्रिय किया। पड़ताल में सामने आया कि तस्कर जोधपुर क्षेत्र के थे। मामले में पुलिस गहराई में गई तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए। तस्करों से कुछ पुलिसकर्मी सम्पर्क में थे। पढ़ें **जांच** @ पेज 09

लापरवाही

अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसके भागने की पूरी घटना कैद

चालानी गार्ड सोते रहे, हत्या का आरोपी अस्पताल से फरार

तड़के करीब 4 बजे शौचालय के पीछे से भाग निकला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

खेतड़ी . हत्या के मामले में विचाराधीन बंदी रविवार तड़के चार बजकर 3 मिनट पर राजकीय अजीत अस्पताल के गार्ड से फरार हो गया।

बंदी छगनलाल बावरिया जब फरार हुआ तब उसकी सुरक्षा में लगे दो चालानी गार्ड गहरी नींद में सो रहे थे। छगनलाल के खिलाफ सिंघाना थाने में हत्या, धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं। वह 13 नवम्बर 2020 से खेतड़ी जेल में विचाराधीन बंदी है।

तबीयत खराब होने पर उसे शनिवार को चालानी गार्ड के साथ अस्पताल भेजा गया था। वहां उसे भर्ती किया गया। सुबह मौका पाकर फरार हो गया। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसके भागने की पूरी घटना कैद हुई है। किस प्रकार बंदी अपने स्थान से उठा तथा शौचालय के पीछे से कूद कर फरार हुआ।

झुंझुनूं . सो रहे पुलिसकर्मियों को देख पास से फरार हो रहा आरोपी।

विभागीय जांच शुरू

उपअधीक्षक विजय कुमार ने बताया कि बंदी के भागने के मामले में चालानी गार्ड के सिपाहियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। जांच पूर्ण होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बरती लापरवाही

थाने में चालानी गार्ड के हैड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में लिखा कि 17 अप्रेल को जेल में बंदी छगनलाल बावरिया को हैड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, हनुमान, सुमेर, राजपाल व दिलीप राजकीय अजीत अस्पताल, खेतड़ी लेकर गए। जहां बंदी को भर्ती किया गया। रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक ड्यूटी राजपाल व सुमेर की थी। 18 अप्रेल को सुबह 4.40 बजे कांस्टेबल सुमेर ने सूचना दी कि बंदी छगनलाल बावरिया पैर से हथकड़ी निकाल कर फरार हो गया। सूचना पर बंदी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया

पत्रिका जोधपुर 07

भीलवाड़ा में तस्करों का पीछा करने के दौरान फायरिंग में दो कांस्टेबल की हत्या प्रकरण, एटीएस-एसओजी व पुलिस ने फलोदी के पास खारा गांव में कांस्टेबल के भाई के मकान से पकड़ा

कांस्टेबल को पकड़ा तो दो सिपाहियों की हत्या का मुख्य आरोपी आया गिरफ्त में

पुलिस पर कई राउण्ड फायर, जवाबी फायरिंग में हाथ जख्मी

जोधपुर @ पत्रिका. भीलवाड़ा में मादक पदार्थ तस्करों की फायरिंग में दो कांस्टेबल की हत्या का मुख्य आरोपी जोधपुर के फलोदी तहसील में खारा गांव स्थित कांस्टेबल के भाई के मकान में छुपा हुआ था। पुलिस ने कांस्टेबल को पकड़ा और गिरफ्तारी का डर दिखाया तो उसने मुख्य आरोपी के बारे में पुख्ता सूचना दी। तब राज्य की एटीएस-एसओजी व पुलिस ने रविवार तड़के तीन बजे खारा गांव में कांस्टेबल के भाई के मकान में दबिश देकर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी व पुलिस में क्रॉस फायरिंग भी हुई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गत दस अप्रेल की रात भीलवाड़ा में पुलिस ने तस्करों के चार वाहनों को पकड़ने के लिए नाकाबंदी की थी, लेकिन तस्कर अलग-अलग जगहों पर फायरिंग कर भाग गए थे। जिससे कांस्टेबल ऊंकार रायका व पवन कुमार की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में नौ युवकों को नामजद कर राज्य की एसओजी-एटीएस और आठ जिलों की पुलिस तलाश में जुटी थी। इस बीच, जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के निरीक्षक अमित सिहाग को सुनील डूडी के खारा में छुपे होने की सूचना मिली। एटीएस-एसओजी अजमेर के निरीक्षक भूराराम खिलेरी के नेतृत्व में भीलवाड़ा पुलिस में निरीक्षक राजेन्द्र गोदारा, गजराज चौधरी, पाली पुलिस में सुरेश चौधरी, नागौर पुलिस के एसआइ अशोक बिस्सु व जैसलमेर पुलिस के एसआइ सुनील ताडा ने तड़के तीन बजे खारा गांव के मकान में दबिश दी। पुलिस को देख बिलाड़ा के समीप मतवालों की ढाणी निवासी सुनील डूडी पुत्र ओपाराम बिश्नोई भागने लगा। उसने टॉर्च जलाई और पुलिस पर दस से 12 राउण्ड फायर भी किए। गनीमत रही कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने जवाबी फायरिंग कर सुनील डूडी बिश्नोई को पकड़ लिया। उसकी अंगुलियों में चोट आई है। वह मादक पदार्थ का बड़ा तस्कर है। उसे पूछताछ के लिए कुड़ी भगतासनी थाने ले जाया गया, जहां से गिरफ्तार कर भीलवाड़ा पुलिस उसे भीलवाड़ा ले गई। पुलिस ने एक कांस्टेबल सहित पांच-छह अन्य युवकों को भी हिरासत में लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

एक पिस्तौल व अनेक जिंदा कारतूस जब्त

पुलिस ने सुनील डूडी से एक पिस्तौल व कई जिंदा कारतूस और खाली कारतूस जब्त किए। पुलिस पर फायरिंग के बारे में रायला थानाधिकारी की ओर से फलोदी थाने में जानलेवा हमला, राजकार्य में बाधा डालने व आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कराया गया।

कांस्टेबल के भाई ने दे रखी थी पनाह

आरोपियों के सम्पर्कवाले लोगों से जांच के बाद खारा निवासी देचू थाने के एक सिपाही की भूमिका संदिग्ध नजर आई। जोधपुर पुलिस की सूचना पर एसओजी-एटीएस ने कांस्टेबल को हिरासत में लिया, लेकिन उसने कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस ने गिरफ्तारी का डर दिखाया तो कांस्टेबल टूट गया। उसने खारा में भाई के मकान में छुपे होने की पुख्ता सूचना दे दी। कांस्टेबल व आरोपी सुनील डूडी मादक पदार्थ तस्करी में साझेदार बताए जाते हैं। कांस्टेबल हिरासत में है।

पूर्व सैन्यकर्मी सहित आठ अभी भी फरार

प्रकरण में नेतराम, रामनिवास, प्रकाश, रामदेव, धवा गांव निवासी राजू डारा फौजी, बाड़मेर निवासी पाबू गोरछिया, रमेश भाणिया व यशवंत बंटी भी आरोपी है। जो अभी तक पकड़ में नहीं आ सके हैं। राजू फौजी भी मुख्य आरोपी बताया जाता है। जो सेना में रह चुका है। इनकी धरपकड़ के लिए सुनील डूडी से पूछताछ की जा रही है।

से पूछताछ की गई थी। तब सुनील डूडी की भूमिका सामने आई थी। साथ ही अन्य आरोपियों की पहचान हो पाई थी।

फायरिंग कर भाग गए थे। जिसमें पुलिस में सुरेश चौधरी,

दो कांस्टेबल के हत्याकाण्ड में तस्करों व पुलिस की सांठ-गांठ!

भीलवाड़ा व जोधपुर पुलिस के कई कांस्टेबल संदेह के दायरे में

जोधपुर @ पत्रिका. भीलवाड़ा जिले में गत दिनों नाकाबंदी के दौरान फायरिंग में पुलिस के दो सिपाहियों की हत्या के पीछे मादक पदार्थ तस्कर ही नहीं बल्कि पुलिसकर्मी भी शामिल रहे थे। पुलिस व एसओजी की जांच में भीलवाड़ा और जोधपुर ग्रामीण पुलिस के कई सिपाहियों की भूमिका सामने आई है। तीन सिपाही हिरासत में बताए जाते हैं।

80 हजार मोबाइल, 40 हजार उपकरण व 750 कैमरे खंगाले

दो सिपाहियों की हत्या कर फरार तस्कर दो एसयूवी व दो बोलेरो पिकअप में सवार थे। वे मध्यप्रदेश में कदवासा, बेगूं, बिगोद, नंदराय, कोटड़ी, रायला, माण्डलगढ़, लाडपुरा, शंभूगढ़, बदनोर, भीम व ब्यावर होकर भागे थे। घटनास्थल व आस पास के मोबाइल टॉवर से डाटा लिए गए थे। 80 हजार से अधिक मोबाइल नम्बर, 40 हजार से अधिक मोबाइल उपकरण व 750 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए थे। भीलवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर व मध्यप्रदेश के दो सौ से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की गई थी। तब सुनील डूडी की भूमिका सामने आई थी। साथ ही अन्य आरोपियों की पहचान हो पाई थी।

भीलवाड़ा पुलिस में हैं जोधपुर के युवक

हत्याकाण्ड में आरोपियों की धरपकड़ व जांच में भीलवाड़ा पुलिस के कई सिपाहियों की तस्करों से सांठ-गांठ के सुराग मिले हैं। इनमें से एक सिपाही जोधपुर जिले में फींच व दूसरा भोजासर का रहने वाला है। दोनों भीलवाड़ा पुलिस के दो थानों में पदस्थापित बताए जाते हैं। वहीं, देचू थाने में पदस्थापित एक कांस्टेबल की सूचना पर ही मुख्य सूत्रधार सुनील डूडी पकड़ा गया है। तीनों सिपाही पुलिस हिरासत में हैं। कुछ और सिपाही भी एसओजी-एटीएस व पुलिस के रडार पर हैं।

एसओजी-एटीएस व आठ जिलों की पुलिस

हत्यारों को पकड़ने के लिए पुलिस के साथ एसओजी-एटीएस ने ताकत लगा रखी है। आइजी अजमेर एस सेंगथिर और एसपी भीलवाड़ा विकास शर्मा के निर्देशन में पुलिस प्रयास में जुटी। तस्करों के जोधपुर व आस-पास के होने का पता लगा तो एडीजी (एसओजी-एटीएस) अशोक राठौड़ जोधपुर पहुंचे थे और आठ जिलों के पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर प्रत्येक आरोपी को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीम गठित की थी।

नोखा जेल ब्रेक मामला : कुम्भकर्णी नींद में सोए रहा स्टाफ

साथियों ने थाली बजाई और हल्ला किया, फिर भी नहीं जागे प्रहरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नोखा (बीकानेर). केन्द्रीय उपकारागार से पांच बंदियों के फरार होने के मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उस रात जब पांच बंदी जेलब्रेक कर फरार हो रहे थे, तब उनके साथ बैरक में बंद अन्य बंदियों ने थाली बजाकर जेल प्रहरियों को जगाने का प्रयास किया था। एक घंटे तक हो-हल्ला कर जेल प्रशासन को अलर्ट करने की कोशिश की, लेकिन किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। बाद में एक बंदी ने प्रहरी को जगाकर सूचना दी, तब जेल प्रशासन हरकत में आया। तब तक देर हो चुकी थी और बंदी फरार होकर काफी दूर जा चुके थे।

सूत्रों के अनुसार फरार हुए पांच बंदियों की बैरक में मौजूद अन्य बंदियों से पूछताछ की गई है। उनसे मिली जानकारी की तस्दीक पुलिस और जेल प्रशासन दोनों कर रहे हैं। बैरक में मौजूद अन्य बंदियों ने पहले जोर-जोर से थाली बजाई, हो-हल्ला किया, लेकिन प्रहरी नहीं जागे। तब दो बंदियों ने टूटे बैरक के छेद से बाहर निकलकर जगाने का प्रयास किया, लेकिन वे छेद से बाहर नहीं निकल सके। इससे उनके शरीर पर खरोंच भी आई। बाद में तीसरे बंदी ने बैरक से बाहर निकलकर प्रहरी को जगाया और पांच बंदियों के भागने की सूचना दी।

यह है मामला

नोखा उप कारागार से मंगलवार रात करीब ढाई बजे पांच बंदी जेल की बैरक की खिड़की तोड़कर बाहर निकले और बाद में कम्बल से रस्सी बनाकर जेल की दीवार फांदकर भाग गए। जेल महानिदेशक राजीव दासोत बीकानेर आए। जेल महानिदेशक ने मामले में जेल प्रशासन की लापरवाही मानते हुए डिप्टी जेलर सुरेश कुमार, मुख्य प्रहरी कानाराम, प्रहरी गोमाराम को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

चोटिल बंदियों का कराया मेडिकल

जेल से बंदियों के भागने की सूचना देने के लिए टूटे हुए बैरक के छेद से बाहर निकलने के प्रयास में बंदी ओमप्रकाश चौधरी, राहुल बिश्नोई और सुरेश जाट चोटिल हो गया। शुक्रवार को पुलिस ने तीनों बंदियों का नोखा के बागड़ी अस्पताल में मेडिकल करवाया।

तीन बंदी गिरफ्तार

उधर, पुलिस ने पांच बंदियों में से तीन बंदियों को पकड़ लिया है। दो बंदियों सलीम खान एवं सुरेश कुमार को पंजाब व एक बंदी अनिल पंड़ित को जसरासर थाना क्षेत्र के कुचौर गांव में दबोचा। फरारी के 63 घंटे बाद बंदी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। हनुमानगढ़ व बीकानेर पुलिस के संयुक्त प्रयासों से यह सफलता मिली है। पुलिस अन्य बंदियों की तलाश कर रही है।

एक कांस्टेबल ने कुख्यात को भागने में मदद की, दूसरे ने तस्करी का माल छिपाया

दो जवानों को मार भागे तस्करों के मददगार गिरफ्तार

आरोपी कांस्टेबल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

जयपुर . पुलिस की वर्दी में छिपे भेदियों की पहचान उजागर करते हुए भीलवाड़ा पुलिस ने जिले के दो जवानों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने रायला व कोटड़ी में दो कांस्टेबलों की हत्या कर फरार हुए सुनील डूडी व राजू फौजी गैंग की मदद की थी।

एक ने डूडी को पुलिस नाकाबंदी की जानकारी दी, दूसरे ने उसके मादक पदार्थ को ठिकाने लगाया था। पड़ताल में खुलासा हुआ कि दोनों कांस्टेबल न केवल तस्करों को सुरक्षित रूट बताते थे बल्कि मोटी रकम लेकर उन्हें जिले से सुरक्षित निकालने की जिम्मेदारी लेते थे। इस खेल में जिले के और पुलिसकर्मी भी लम्बे समय से सक्रिय थे, जिनकी पुलिस पहचान उजागर करने में जुटी है।

पढ़ें **दो** @ पेज 08

पत्रिका सबसे पहले

भीलवाड़ा

पुलिसकर्मी तय करते थे तस्करों का रूट

जांच में चौंकाने वाले तथ्य उजागर

कांस्टेबल ने छिपाया 776 किलो डोडा पोस्त

कांस्टेबल की हत्या कर फरार हुए सुनील व राजू फौजी गैंग के पास 776 किलो डोडा पोस्त थी। गिरोह चाहता था कि मादक पदार्थ पुलिस के हाथ नहीं लगे। इसमें कांस्टेबल सुनीलराम बिश्नोई ने उनकी मदद की। उसने 776 किलो डोडा शाहपुरा में ही ठिकाने लगवाया। डूडी को गिरफ्तार कर पुलिस ने यह खेप बरामद भी कर ली।

जेल में बंदी से मारपीट, रुपए न देने पर प्रताड़ना का आरोप

जोधपुर/बिलाड़ा@पत्रिका. जिले की पिचियाक जेल में जेल अधिकारी व सुरक्षाकर्मियों पर एक बंदी से मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। बंदी के परिजन की शिकायत पर उपखण्ड मजिस्ट्रेट के आदेश पर सोमवार को बंदी की बिलाड़ा स्थित राजकीय चिकित्सालय में मेडिकल जांच कराई गई।

जोधपुर निवासी ओमप्रकाश मेवाड़ा ने बिलाड़ा में एसडीएम भवानी सिंह चारण के समक्ष परिवाद पेश कर पिचियाक जेल में बंद अपने साले सुरेश पुत्र धनराज मेवाड़ा से जेल प्रशासन पर मारपीट करने का आरोप लगाया। आरोप लगाया गया कि सुरेश मेवाड़ा को कुछ दिन पूर्व ही पोकरण जेल से पिचियाक जेल में स्थानान्तरित किया गया। जेलर व सुरक्षाकर्मियों ने सुविधा शुल्क के नाम पर रुपए मांगे।

ऐसा न करने पर उसके साथ मारपीट की गई। इसका पता लगने पर परिजन तीन बार मिलने के लिए जेल पहुंचे तो बंदी से मिलने नहीं दिया गया। परिजन ने शिकायत करने को कहा तो जेल प्रशासन ने वीडियो कॉल कराया। तब आंख, मुंह व शरीर के अन्य भाग पर चोट के निशान दिखाई दिए। इस पर परिजन बिलाड़ा पहुंचे और एसडीएम के समक्ष शिकायत पेश की।

एसडीएम ने जेल प्रशासन को बंदी की मेडिकल जांच कराने के आदेश दिए। पुलिस सुरक्षा में शाम को बंदी को बिलाड़ा के राजकीय अस्पताल ले जाकर जांच कराई।

परमबीर व प्रदीप पर वसूली का आरोप
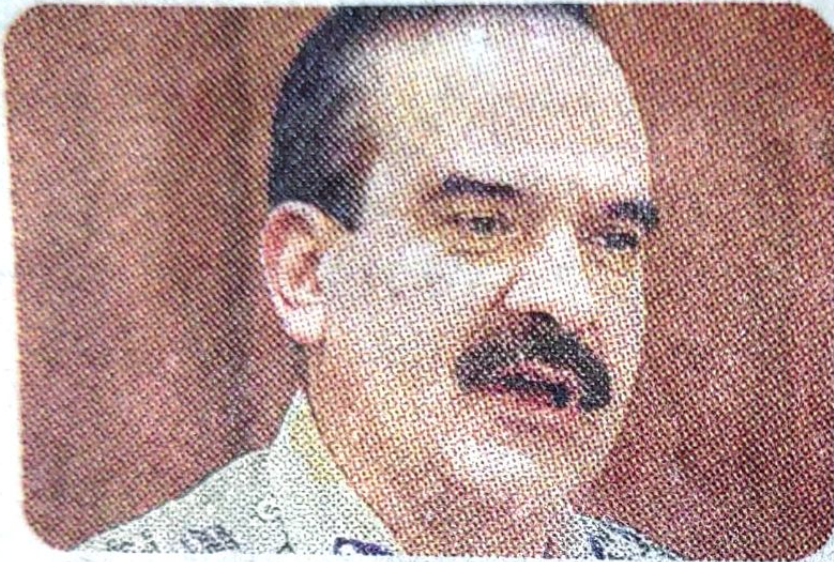
मुंबई@पत्रिका. पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पुलिस के जरिए वसूली का आरोप लगाने वाले वरिष्ठ आइपीएस परमबीर सिंह की मुश्किलें नहीं थम रही हैं। अब क्रिकेट बुकी सानू जालान सहित तीन अन्य लोगों ने उन पर जबरन वसूली का आरोप लगाया है। उन्होंने डीजीपी संजय पांडे के पास अलग-अलग शिकायत दी है।

ट्रैप कार्रवाई कराई तो युवती व मित्र के फोटो चुराकर वायरल किए

जोधपुर@पत्रिका. युवक के मोबाइल से महिला मित्र के साथ वाली फोटो चुराने के बाद उसमें छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया में वायरल कर दी गई। इसका पता लगने पर युवती ने जालोर पुलिस के एक कांस्टेबल सहित दो जनों के खिलाफ शास्त्रीनगर थाने में मामला दर्ज कराया। थानाधिकारी पंकजराज माथुर ने बताया कि एक युवती ने दो युवकों के खिलाफ उसकी व उसके मित्र की फोटो चुराने के बाद उसमें फेरबदल व छेड़छाड़ कर सोशल मीडियो में वायरल करने का आरोप लगाकर मामला दर्ज कराया है। जांच की जा रही है।

भीलवाड़ा : पांच पुलिसकर्मियों सहित अब तक 11 की गिरफ्तारी

11-05-21

सिपाहियों की जान लेने वाले तस्करों से साठ-गांठ, तीन सिपाही गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा/ जोधपुर. कोटड़ी और रायला थाने के दो जवानों की हत्या करने वाले मादक पदार्थ तस्करों से साठगांठ रखने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को तीन और सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस पहले भीलवाड़ा जिले के दो सिपाहियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने बताया कि 10 अप्रेल की रात में मध्यप्रदेश से मादक पदार्थ तस्करी कर भाग रहे तस्करों ने नाकाबंदी के दौरान कोटड़ी थाने के सिपाही ओंकार रायका और रायला थाने के सिपाही पवन चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने जोधपुर जिले के सरगना सुनील डूडी समेत आठ जनों को गिरफ्तार किया था। सरगना सुनील से हुई पूछताछ के बाद बीगोद थाने के सिपाही छीतर बेरा (जोधपुर) निवासी ओमप्रकाश विश्नोई, माण्डलगढ़ थाने के लाडपुरा चौकी पर तैनात बसाई थाना कोटपूतली (जयपुर ग्रामीण) निवासी अमरसिंह जाट तथा जोधपुर के फलौदी निवासी दिनेश कुमार विश्नोई को गिरफ्तार किया।

ओमप्रकाश और अमरसिंह

सरगना डूडी से की मुलाकात, भाई के घर खरा गांव में छिपाया

एसपी शर्मा ने बताया कि 10 अप्रेल की रात में फायरिंग कर दो जवानों की हत्या के बाद भागे सरगना सुनील डूडी से सिपाही दिनेश कुमार ने मुलाकात की थी। वारदात की जानकारी के बाद भी सिपाही दिनेश ने अपने भाई सुरेश मांजू के साथ अपने गांव खारा में छिपाया था। यहीं पर सरगना डूडी ने बाद में फरारी काटी। सिपाही दिनेश को कोटड़ी थाने में दर्ज फायरिंग कर जान लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया।

वारदात से पहले सिपाही ने तस्करों को खाना खिलाया

पूछताछ में सामने आया कि बीगोद थाने में तैनात ओमप्रकाश ने वारदात से पहले 10 अप्रेल की शाम को डूडी और उसके साथियों को बीगोद थाना क्षेत्र में ही एक होटल पर खाना खिलवाया था। उसके बाद डूडी और उसके साथी मादक पदार्थ खरीदने रवाना हुए।

मोटी रकम लेते, नाकाबंदी की जानकारी देते

आरोपी पुलिसकर्मियों से हुई पूछताछ में सामने आया कि सिपाही ओमप्रकाश और दिनेश कुमार जोधपुर जिले के होने से तस्करों को जानते थे, जबकि सिपाही अमरसिंह की तस्करों से बाद में मुलाकात हुई। तीनों ही तस्करों की मादक पदार्थ से भरी गाड़ी पार करवाने की एवज में मोटी रकम लेते थे।

अलीगढ़ थाना प्रभारी फरार

13 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा हैड कांस्टेबल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

टोंक. दहेज प्रताड़ना के दर्ज मामले में आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में 13 हजार रुपए की रिश्वत लेते अलीगढ़ थाने के हैड कांस्टेबल को एसीबी ने शनिवार शाम रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मामले की भनक लगते ही अलीगढ़ थाना प्रभारी गोविंद सिंह फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपी अलीगढ़ थाने का हैड कांस्टेबल मीठालाल है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्रकुमार शर्मा ने बताया कि परिवादी चेतन बैरवा है। आरोपी चेतन बैरवा के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज था। हैड कांस्टेबल ने मामले में उसकी गिरफ्तारी नहीं करने की एवज में गत 20 मई को 25 हजार रुपए की मांग की। इस पर परिवादी ने उसी दिन 5 हजार रुपए हैड कांस्टेबल को दे दिए। वहीं 5 हजार रुपए शुक्रवार को तथा 13 हजार अब देने थे। जैसे ही परिवादी ने थाने में हैड कांस्टेबल को रुपए दिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सवाईमाधोपुर की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।
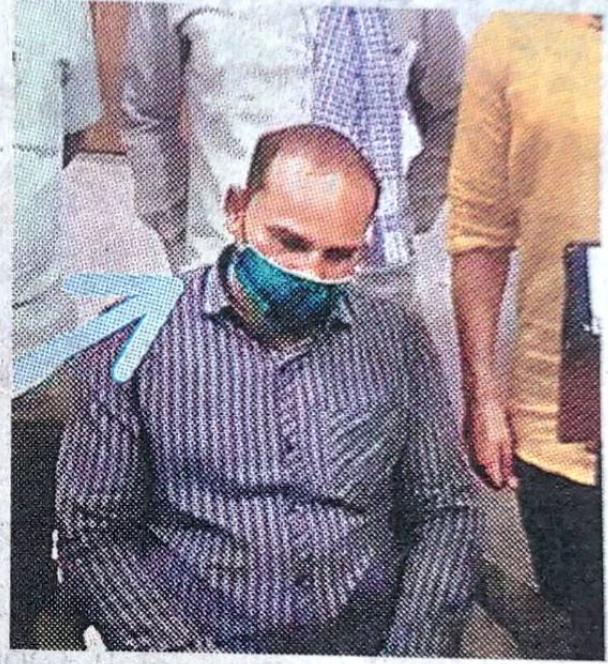
थाना प्रभारी हटाया

कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश ने अलीगढ़ थाना प्रभारी पद पर गोपालसिंह राणावत को लगाया है। गोपाल सिंह पुलिस लाइन में थे। उन्हें अलीगढ़ थाना प्रभारी लगाया है। इसी प्रकार पुलिस लाइन से रामकृष्ण को देवली थाने में लगाया है।

पुलिस पर फिर दाग : थानाधिकारी व तीन कांस्टेबल निलम्बित

3.40 लाख लेकर आरोपी को छोड़ा फिर अफीम भी हड़प ली

एडीसीपी के समक्ष पेश नहीं हुए, अब सहायक पुलिस आयुक्त को सौंपी जांच

03.05.2021

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जोधपुर. कुड़ी भगतासनी थाने के तीन कांस्टेबलों ने अफीम का दो किलो दूध पकड़ने के बाद कार्रवाई करने का डर दिखा 3.40 लाख रुपए वसूल लिए और अफीम का दूध हड़पकर आरोपी को छोड़ दिया। उच्चाधिकारियों तक शिकायत पहुंची तो तीनों सिपाहियों के साथ-साथ थानाधिकारी जुल्फिकार अली को भी बुधवार को निलम्बित कर दिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार 10-12 दिन पूर्व तीन कांस्टेबल ने खेजड़ली के एक व्यक्ति से अफीम का 25 ग्राम दूध मंगाया था। मादक पदार्थ पसंद आने पर सिपाहियों ने दो किलो दूध और मंगवा लिया। वह व्यक्ति जैसे ही लेकर आया तो तीनों सिपाहियों ने उसे पकड़कर कार में बिठा लिया था। फिर एनडीपीएस एक्ट में फंसाने की धमकी देने लगे। उसने परिचितों से 3.40 लाख रुपए मंगाकर सिपोहियों को दे दिए। सिपाहियों ने न सिर्फ रुपए वसूले बल्कि अफीम का दूध भी रखकर उसे छोड़ दिया था।

शांतिलाल

सरदार सिंह

ज्ञानचंद मीणा

पोल खुली तो राजीनामा करने दौड़े

जिससे रुपए वसूले गए थे वह जेसीबी चलाता है। साथ ही अफीम की कुछ मात्रा सप्लाई करता है। 3.40 लाख रुपए व दो-तीन लाख रुपए का अफीम वसूलने की बात बाहर आने लगी। पोल खुलने व कार्रवाई के डर से कांस्टेबल सामने वाले पक्ष से राजीनामा का प्रयास करने लगे। मध्यस्थता करने वाले ने सात लाख रुपए की मांग की। सहायक पुलिस आयुक्त (महिला अत्याचार निवारण सैल) लाबूराम को जांच सौंपी गई है। वहीं, मामले में संदिग्ध भूमिका के चलते पुलिस कमिश्नर जोस मोहन ने थानाधिकारी व निरीक्षक अली को निलम्बित कर जांच के आदेश दिए।

तस्कर से लेन-देन की शिकायत पर जांच के बाद तीन सिपाहियों को निलम्बित किया गया। स्टाफ पर मॉनिटरिंग न होने और अधिकारियों को सूचना न देने पर थानाधिकारी की लापरवाही मानी गई है। डेकॉय ऑपरेशन में भी एक पुलिसकर्मी ने वसूली की थी। ऐसे में उन्हें भी निलम्बित कर नए एसएचओ को लगाया गया।' **-जोस मोहन,** पुलिस कमिश्नर जोधपुर।

पेश नहीं, सिपाहियों ने फोन बंद किए

डीसीपी आलोक श्रीवास्तव का कहना है कि अफीम का दूध मंगाने की सूचना व रुपए वसूलने की सूचना पर जांच के बाद तीन सिपाहियों को निलम्बित किया गया। एसीपी जांच कर रहे हैं। जो सात दिन में रिपोर्ट देंगे। एडीसीपी हरफूलसिंह ने पक्ष जानने के लिए मंगलवार को तीनों सिपाहियों को बुलाया था, लेकिन उन्होंने मोबाइल बंद कर दिया था और पेश भी नहीं हुए थे।

प्रदेश में कई हो चुके गिरफ्तार

■ **भीलवाड़ा:** मादक पदार्थ तस्करों ने फायरिंग कर दो सिपाहियों की हत्या कर दी थी। इसके बाद तस्करों से मिलीभगत में चार सिपाहियों के नाम आए, जो जोधपुर, पाली में पदस्थ थे। इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

■ **पाली/नागौर.** नागौर पुलिस ने दो दिन पहले कार में सवार चार जनों से स्मैक व नकदी बरामद की थी। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक आरोपी पाली जिले के पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल रविन्द्र है। उसे पाली पुलिस अधीक्षक ने निलम्बित कर दिया।

■ **चित्तौड़गढ़:** जिले के रायला और कोटड़ी थाना क्षेत्र में फायरिंग करके दो जवानों की जान लेने के आरोप में पकड़े गए मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने बेंगू के सिपाही राकेश जाट को गिरफ्तार कर लिया। वह अभी रिमांड पर चल रहा है।

इजरायल: अध्ययन के लिए बनाया था आयोग

फाइजर वैक्सीन से दिल में सूजन की आशंका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 03.05.2021

यरुशलम. इजरायल ने फाइजर वैक्सीन व मायोकार्डिटिस (दिल की मांसपेशियों में सूजन) के मामलों में संभावित लिंक ढूंढने का दावा किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि दिसंबर 2020 और मई 2021 के बीच 50 लाख से ज्यादा लोगों को टीका लगाया गया। इनमें से 275 में मायोकार्डिटिस के लक्षण सामने आए हैं। अध्ययन के लिए आयोग गठित किया था। शोध के अनुसार 16 से 30 वर्ष के लोगों में मायोकार्डिटिस होने व दूसरी डोज लगवाने के बीच एक संबंध है। यह प्रभाव 16 से 19 वर्ष के आयुवर्ग के बीच ज्यादा देखा गया। हालांकि, फाइजर ने कोई लिंक होने के दावे को खारिज किया है।

भारत में फाइजर और मॉडर्ना का रास्ता साफ

नई दिल्ली. मॉडर्ना व फाइजर के टीके का भारत में आने का रास्ता आसान हो गया है। दवा नियामक संस्था डीसीजीआइ अध्यक्ष वीजी सोमानी ने बताया, इन वैक्सीन को भारत में ब्रिजिंग टेस्ट और बैच परीक्षण की जरूरत नहीं होगी। बता दें कि डीसीजीआइ ने उन विदेशी कंपनियों को भारत में इस्तेमाल दी है जो कि प्रमुख देशों व डब्ल्यूएचओ से स्वीकृति प्राप्त हैं।

एनडीपीएस एक्ट में फंसाने की धमकी देकर 3.50 लाख रुपए व दो किलो अफीम ऐंठने का मामला

अफीम का दूध कहां गया? जांच के बाद हो सकती है एफआइआर

फॉलोअप

3.40 लाख लेकर आरोपी को छोड़ा फिर अफीम भी हड़प ली

राजस्थान पत्रिका

प्रकाशित खबर

चार-पांच दिन में जांच पूरी होने की उम्मीद, सात लाख में राजीनामा, पांच लाख लौटाए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. अफीम का दो किलो दूध मंगाने के बाद एनडीपीएस एक्ट में फंसाने की धमकी देकर 3.50 लाख रुपए और अफीम का दूध हड़पने के मामले में यह तो स्पष्ट हो चुका है कि मादक पदार्थ का आदान प्रदान हुआ था। फिर भी पुलिस ने अभी तक अपने ही सिपाहियों व दूसरे पक्ष के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में एफआइआर दर्ज नहीं की है। न ही यह पता लग पाया है कि अफीम का दो किलो दूध कहां गया। तीनों सिपाहियों ने खुर्द-बुर्द कर दिया या कहीं छुपाया गया है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आलोक श्रीवास्तव का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। जो तीन-चार दिन में पूरी होने की उम्मीद है। उसके बाद एफआइआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

लाइन हाजिर होने के बावजूद थाने में ही जमे

कानूनी कार्रवाई की बजाय तस्कर से मिलीभगत कर रुपए व अफीम ऐंठने के मामले में कांस्टेबल शांतिलाल, सरदार सिंह व ज्ञानचंद और मॉनिटरिंग में लापरवाही मानते हुए थानाधिकारी जुल्फिकार अली को निलम्बित किया गया। सरदारसिंह का पुलिस लाइन में तबादला हो चुका था, लेकिन फिर भी वह थाने में ही जमा रहा। वहीं, थाने में ऐसे कई और पुलिसकर्मी हैं जिनका स्थानान्तरण लाइन में हो चुका है, लेकिन वे मौखिक आदेश पर थाने में ड्यूटी कर रहे हैं। कांस्टेबल शांतिलाल तो थानाधिकारी की विशेष टीम में शामिल था।

पुलिस के अन्य अधिकारी अनजान बने

सिपाहियों की हिमाकत के बारे में थाने के एक-दो सिपाहियों को पता लग गया था। उन्होंने जिले के एक अन्य अधिकारी को सूचना दी थी। जो अनजान बने रहे, उच्चाधिकारी तक को अवगत नहीं कराया।

5 लाख लौटाए, बिचौलियों के लिए दो लाख की मांग

तस्करों से सांठ-गांठ व अवैध वसूली की पोल खुलने पर तीनों सिपाहियों ने तस्कर से राजीनामे के प्रयास शुरू कर दिए थे। कुछ ग्रामीणों ने मध्यस्थता की। 3.50 लाख रुपए व अफीम के चार लाख रुपए मांगे गए। दो-तीन लाख रुपए दो-तीन बिचौलियों के लिए भी मांगे गए थे। सूत्रों की मानें तो पुलिस जांच होने पर पक्ष में बयान देने की हामी भरी गई थी। ऐसे में पत्रकार सात लाख रुपए लौटाने को तैयार हो गए थे। इसमें से पांच लाख रुपए लौटा दिए गए थे।

निलम्बित थानाधिकारी व कांस्टेबल पर 4.50 लाख रुपए वसूलने का आरोप

दोहरे हत्याकाण्ड में एक आरोपी को बचाने के लिए भाई से मांगे थे पांच लाख रुपए

जोधपुर@पत्रिका. कुड़ी भगतासनी थाने के निलम्बित थानाधिकारी व निरीक्षक जुल्फिकार अली व कांस्टेबल शांतिप्रकाश पर भ्रष्टाचार की एक और शिकायत सामने आई है। दोहरे हत्याकाण्ड में आरोपी के भाई ने पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत देकर दो माह पहले 4.50 लाख रुपए ऐंठने का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की।

जाटी भाण्डू निवासी भवानी सिंह पुत्र रतनलाल चौधरी ने बताया कि पिछले साल अपहरण के बाद कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में दो युवकों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गत 29 मार्च को उसके भा
अनिल को पुलिस ने आऊसे पकड़
था। उसके पास 2.50 लाख रुपए भ
थे। जो पुलिस ने कब्जे में ले लिए
थे। कांस्टेबल शांतिप्रकाश ने उसे
फोन कर थानाधिकारी से मिलने
बुलाया। वह 30 मार्च को थाने
पहुंचा तो कांस्टेबल ने थानाधिकारी
से मिलाया था। भवानी का आरोप
कि भाई को छोड़ने की एवज में शा
तक पांच लाख रुपए मांगे गए थे
इसके लिए कांस्टेबल ने इंटरने
नम्बर से व्हॉट्सऐप कॉल कर दबा
डाला था। आखिर में उसने 31 मा
सुबह थाने के सामने बोलेरो कैम
सवार कांस्टेबल को दो लाख रु
दिए थे। भाई से मिले 2.50 ला
रुपए भी पुलिस ने हड़प लिए
रुपए देने के बावजूद उसके भाई
गिरफ्तार कर लिया गया था।
शिकायत पर पुलिस कमिश्नर
जांच का आश्वासन दिया।

चोरी की बाइक व लोडिंग टैक्सी बरामद

श्रमिक की मोटरसाइकिल चुराने के चार आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर@पत्रिका. चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना

ठकें की है। पढ़ें घीराँवाल @ पेज 10

तवज्जो मिली है।

आज के अंक के साथ

शराब तस्करी : एसीबी के रडार पर थे एसपी हिम्मत अभिलाष, केस दर्ज

हैड कांस्टेबल बोला : एसपी से मैं बात कर लूंगा तू तो डेढ़ लाख रुपए दे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

05-06-21

जयपुर . सिरोही एसपी हिम्मत अभिलाष टांक दो माह से एसीबी के रडार पर थे। एसपी के नाम से काम कराने का 'ठेका' लेने वाले हैड कांस्टेबल तेजाराम को एसीबी ने अप्रेल माह से सर्विलांस पर ले रखा था। उसने बातचीत में कई लोगों के एसपी से काम कराने का जिम्मा लिया है। साथ ही कांस्टेबल देवेन्द्र से डेढ़ लाख रुपए देने के लिए कह रहा है। इस आधार पर एसीबी ने शुक्रवार को एफआइआर दर्ज कर ली है। इसकी जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ललित शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई है। शिकायत पहले कांस्टेबल देवेन्द्र ने ही की थी।

हिम्मत

पढ़ें **हैड** @ पेज 10

सत्यापन में रिश्वत मांगने के साक्ष्य मिले हैं। इस आधार पर हैड कांस्टेबल व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अन्य की जांच जारी है। **बी.एल.सोनी,** डीजी एसीबी

राजस्थान पत्रिका

पुलिस अफसर ही करा रहा था शराब की तस्करी!

01 जून को प्रकाशित

रिटायर्ड थानेदार को रुपए देने को कहा

एसीबी ने शिकायत की तस्दीक भी की। तस्दीक के समय तेजाराम ने रुपए जिले से ही सेवानिवृत्त एक थानेदार को देने के लिए कहा। देवेन्द्र इसके लिए तैयार नहीं हुआ। वह एसपी से मिलना चाह रहा था। तेजाराम ने कहा पहले रुपए थानेदार को दे दो फिर देखते हैं। यह भी सामने आया कि जिले के कई पुलिसकर्मी अपने काम को लेकर हैड कांस्टेबल से मिलते थे। हैड कांस्टेबल तेजाराम चार्जशीट फाइल कराने, तबादले व दर्ज मामले में एफआर लगाने के लिए एसपी की ओर से जिम्मेदारी लेता था। एसीबी सेवानिवृत्त एएसआइ की भी पड़ताल कर रही है।

डीजीपी ईमानदार, अवैध शराब की जड़ें पुलिस मुख्यालय में

विधायक संयम लोढ़ा का विवादित बयान

सिरोही . शराब तस्करी में पुलिस की मिलीभगत को लेकर विधायक संयम लोढ़ा का विवादित बयान आया है। उन्होंने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदार पुलिस महानिदेशक गम्भीरता दिखाते हुए दो-दो आला अधिकारियों से जांच करवा रहे हैं, लेकिन अवैध शराब की जड़ें पुलिस मुख्यालय में हैं। सीमावर्ती थानों में दो-ढाई दशक के उनके सार्वजनिक जीवन के कार्यकाल में जितने भी थानाधिकारी लगे हैं वे पुलिस मुख्यालय के किसी न किसी अधिकारी की सिफारिश पर लगे हैं।

पढ़ें **डीजीपी** @ पेज 10

सालभर में चार-चार एसएचओ बदलने पर उठाया सवाल

मंडार थाने में सालभर में चार-चार थानाधिकारी बदल दिए गए। सीमा पर स्थित थाने में सालभर में चार-चार एसएचओ आखिर किसने बदले और किसके कहने पर बदले। सिरोही में शराब क्या हवाई जहाज से आई। पूरा रूट है नागौर से पाली होकर आए या जोधपुर होकर आए। यह स्थानीय मुद्दा नहीं है। कई राज्यों से जुड़ा है।

फेरबदल | देर रात पन्द्रह आइपीएस के तबादले, 6 जिलों के एसपी बदले

शराब तस्करों से मिलीभगत के आरोपों से घिरे हिम्मत अभिलाष को हटाया

नागौर एसपी श्वेता धनखड़ को जयपुर डीसीपी ट्रैफिक, प्रहलाद सिंह किशनियां जयपुर में डीसीपी ईस्ट

बहाली के बाद पंकज चौधरी को भी मिली पोस्टिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. शराब तस्करों से गठजोड़ के आरोप लगने के छह दिन बाद सरकार ने आखिरकार सोमवार रात सिरोही पुलिस अधीक्षक को हटा दिया। हिम्मत अभिलाष टाक को जिले से हटाकर पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र किशनगढ़ लगाया है। देर रात जारी सूची में इन सहित पन्द्रह आइपीएस के तबादले किए गए हैं। तबादला सूची में छह जिलों के पुलिस अधीक्षक और जयपुर में दो तथा जोधपुर में एक डीसीपी बदले गए।

तबादला सूची में नागौर एसपी श्वेता धनखड़ को भी हटा दिया, जिन पर जनप्रतिनिधियों ने मिलीभगत के आरोप लगाए थे। उन्हें जयपुर में डीसीपी ट्रैफिक के पद दिया है। जयपुर शहर में दूसरा बदलाव में डीसीपी पूर्व के पद पर प्रहलाद सिंह किशनियां को लगाया है। पूर्व में यहां तैनात अभिजीत सिंह को नागौर का जिम्मा दिया है। भारतीय पुलिस सेवा में बहाली के बाद पंकज चौधरी को पहली पोस्टिंग एसडीआरएफ में कमांडेंट के रूप में मिली।

हिम्मत अभिलाष टाक विवादों में 1 जून को आए। इसके एक दिन पहले आबकारी विभाग ने जिले में अवैध शराब तस्करी का बड़ा मामला पकड़ा। इसमें सामने आया कि तस्करों की गतिविधियों की जिला पुलिस को जानकारी थी। इसके बाद जिले के ही एक निलिम्बत कांस्टेबल ने खुले में आरोप लगाए। इस बीच एसीबी ने भी शुक्रवार को हैड कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसपर आरोप है कि वह एसपी के नाम से रिश्वत मांग रहा था।

प्रहलाद सिंह

हिम्मत अभिलाष

श्वेता धनखड़

इन्हें बदला

- श्वेता धनखड़ उपायुक्त यातायात जयपुर
- प्रहलाद सिंह किशनियां डीसीपी पूर्व जयपुर
- धर्मेन्द्र सिंह सिरोही
- राजेश सिंह सवाई माधोपुर
- राजेन्द्र प्रसाद गोयल चित्तौड़गढ़
- सुधीर चौधरी राजसमंद
- आदर्श सिधू प्रतापगढ़
- अभिजीत सिंह नागौर
- भुवन भूषण यादव डीसीपी पूर्व जोधपुर
- पंकज कुमार चौधरी एसडीआरएफ
- दीपक भार्गव एसओजी
- हिम्मत अभिलाष टाक पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र किशनगढ़
- चुनाराम जाट सीआइडी जयपुर
- हर्ष वर्धन अग्रवाल सीआइडी जयपुर
- राजऋषि राज वर्मा परिसहाय राज्यपाल

बांसवाड़ा के पाटन थाने में एसीबी की कार्रवाई

पहले थानेदार के लिए ली घूस फिर 5 हजार के चक्कर में सिपाही ट्रैप

युवती के अपहरण के मामले को रफा-दफा करने की एवज में मांगी रिश्वत, थानाधिकारी फरार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बांसवाड़ा. जिले के पाटन थाने के कांस्टेबल लालशंकर कटारा को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सोमवार को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। युवती के अपहरण के मामले को रफा-दफा करने की एवज में यह राशि कांस्टेबल ने थानाधिकारी के लिए ली थी, जो ट्रैप की भनक पर फरार हो गया। उसकी तलाश जारी है।

ब्यूरो के एएसपी माधोसिंह ने बताया कि 4 जून को वड़ला की रेल गांव के भीमा पुत्र नरसिंग मसार और उसके बेटे जीवणा ने उन पर दर्ज आपराधिक मामला निबटाने की एवज में 35 हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाते कांस्टेबल लालशंकर कटारा और थाना अधिकारी सुभाष परमार के खिलाफ शिकायत की थी। दस हजार रुपए पहले दे चुके होना बताने पर उसी दिन सत्यापन करवाया गया, तो कांस्टेबल ने थानाधिकारी के लिए दस हजार और ले लिए। इससे पुष्टि हुई, वहीं संवाद में आगे कांस्टेबल ने बाकी राशि में रियायत कर पांच हजार रुपए और देने पर सिफारिश कर केस खत्म कराने का भरोसा दिलाया। इस पर ब्यूरो ने ट्रैप की प्लानिंग की। सोमवार को ट्रेप कार्रवाई के दौरान यह राशि भी कांस्टेबल ने ही ली। उसकी धरपकड़ होने की भनक पर थानाधिकारी परमार फरार हो गया। शाम तक ब्यूरो की टीम परमार की तलाश में भी जुटी रही।

75 हजार रुपए रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

पहले ले चुका था सवा दो लाख रुपए

उदयपुर@पत्रिका. शहर से सटे सिसारमा पटवार मंडल के पटवारी को 75 हजार रुपए रिश्वत लेते सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उसने कृषि भूखंड पर हो रहे मकान निर्माण को बिना आपत्ति होने देने के बदले रिश्वत मांगी थी। आरोपी पटवारी सवा दो लाख रुपए पहले ही ले चुका था।

उदयपुर एसीबी स्पेशल यूनिट के एएसपी उमेश ओझा ने बताया कि पटवारी कालवाड़ रोड जयपुर हाल ओटीसी स्कीम अम्बामाता निवासी सौरभ गर्ग को गिरफ्तार किया गया। शिकायतकर्ता का कृषि भूखंड पर मकान निर्माणाधीन है। पटवारी ने काम रुकवाकर कार्रवाई करने के लिए डराया-धमकाया। निर्माण कार्य फिर शुरू करवाने के बदले उच्चाधिकारियों के नाम पर 2 लाख रुपए की मांग की। यह राशि 26 से 28 मई के बीच ले ली। इसके बाद भी एक लाख रुपए की मांग करता रहा। इसकी शिकायत होने पर 5 जून को एसीबी ने सत्यापन किया। पटवारी ने उस दौरान 25 हजार ले लिए। इसके अलावा 75 हजार रुपए रिश्वत लेते सोमवार को रंगे हाथों गिरफ्तार हो गया। एएसपी ओझा के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक हरिश्चंद्रसिंह, हेड कांस्टेबल रमेशचंद्र, आदि टीम में शामिल थे।

दूदू सीओ का कारनामा

बजरी परिवहन को लेकर कांस्टेबल ने मिलाया सीओ से, फिर सौदा तय

एक फेरे के 3 हजार, 2 माह में लिए 11 लाख रुपए

10.06.21

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . दूदू सीओ विजय सेहरा अवैध बजरी परिवहन के लिए प्रति डम्पर तीन हजार रुपए वसूल रहा था। दो दिन पहले दूदू में गिरफ्तार डम्पर मालिक ने यह खुलासा किया है। एक ही व्यक्ति ने दो माह में ग्यारह लाख रुपए देने की बात कबूल की है।

डम्पर मालिक की गिरफ्तारी के बाद से सीओ के लिए दलाली करने वाला होटल मालिक फरार है। पुलिस उसे तलाश रही है। वसूली के इस खेल में सीओ के अलावा और कौन-कौन शामिल है, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर 11 जून तक रिमांड पर लिया है।

पढ़ें **एक** @ पेज 05

फागी से खुला राज

पुलिस ने 27 मई को डम्पर चालक बजरंग को गिरफ्तार किया था। उससे सीओ के नाम पर रामेश्वर नामक व्यक्ति बंधी लेता था। बजरंग ने पूछताछ में ही महेन्द्र का नाम बताया था। उसके बाद एसपी शंकरदत्त शर्मा ने सीओ विजय सेहरा के साथ फागी थानाधिकारी हरि नारायण व माधोराजपुरा चौकी प्रभारी को फील्ड से हटाकर अपने कार्यालय में हाजिरी देने के आदेश दिए थे।

6 अप्रेल से 26 मई तक दिए 11 लाख

दलाल से बात होने पर छह अप्रेल से महेन्द्र ने डम्पर चलाने शुरू कर दिए। उसने खुद के साथ औरों के डम्पर भी पास कराए। यह सिलसिला 26 मई तक चला। पड़ताल में हिसाब की डायरी मिली है, जिसमें करीब ग्यारह लाख रुपए का लेन-देन दर्ज है। पुलिस अब फरार राजेन्द्र को तलाश रही है। उससे पूछताछ के बाद सीओ विजय सेहरा से पूछताछ हो सकती है। पुलिस ने महेन्द्र को मंगलवार को अदातल में पेश कर यही कहा कि उच्चाधिकारी की भूमिका की पड़ताल के लिए रिमांड चाहिए। उधर, एडीजी (सतर्कता) बीजू जॉर्ज जोसफ ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शालिनी राज को विभागीय जांच सौंपी है। शालिनी ने दूदू थाने पहुंच कर पुलिस जांच की जानकारी ली।

...र ▪ अहमदाबाद ▪ इंदौर ▪ उज्जैन ▪ उदयपुर ▪ कोटा ▪ कोलकाता ▪ खंडवा ▪ गंगापुरसिटी ▪ ग्वालियर ▪ चेन्नई ▪ छिंदवाड़ा ▪ जगदलपुर ▪ जबलपुर ▪ जयपुर ▪ जोधपुर ▪ दिल्ली ▪ नागौर ▪ पाली ▪ बाड़मेर ▪ बांसवाड़ा ▪ बिलासपुर ▪ बीकानेर ▪ बेंगलूरु ▪ भिलाई

ड्रग तस्करी नेटवर्क : एक ट्रिप के हर थाने को मिल रहे 5000 रुपए

तस्करों का रूट, पुलिस का सैल्यूट

मारवाड़ से पंजाब तक तस्करों का जाल, राजस्थान में खपत के साथ पंजाब पहुंचा रहे नशा

पत्रिका डे-स्पेशल मंडे मेगा स्टोरी

ओमप्रकाश शर्मा
patrika.com

14.06.2021

जयपुर . राजस्थान में नशे का कारोबार पुलिस की मिलीभगत से फल-फूल रहा है। एक तरफ तो मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, दूसरी तरफ जिलों में पुलिस ही तस्करों के रूट तय कर रही है। भीलवाड़ा में तस्करों की फायरिंग में 2 जवानों की मौत के बाद हुई जांच में यह खुलासा हुआ है। इसमें सीमावर्ती व नजदीकी जिलों के 13 थाने संदेह के घेरे में आए हैं। अक्सर तस्करों के वाहन इसी रूट से निकल रहे थे।

मादक पदार्थ तस्करी का रूट सीमावर्ती जिलों से शुरू होता है। प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा ग्रामीण क्षेत्र में अफीम की खेती हो रही है। यहां अफीम को अवैध रूप से परिष्कृत कर ब्राउन शुगर और स्मैक बनाने का काम भी होता है। यहां से मादक पदार्थ 2 हिस्सों में जाता है। इसमें एक हिस्सा मारवाड़ क्षेत्र में पहुंच रहा है, दूसरा मारवाड़ या अन्य क्षेत्रों से होता हुआ पंजाब जा रहा है।

रूट बदला तो हो गई मुठभेड़

गत माह भीलवाड़ा से निकल रहे मादक पदार्थ तस्करों को रोका तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसमें एक कांस्टेबल की मौत हो गई। इसी गिरोह ने दूसरी जगह फायरिंग कर दूसरे कांस्टेबल की हत्या कर दी थी। पड़ताल में सामने आया कि गिरोह ने नया रूट पकड़ा था, जिससे उनकी मिलीभगत का खेल नहीं चल सका। सुनील डूडी और कुख्यात राजू फौजी उर्फ राडू डारा गिरोह मिलकर 5 वाहनों में मादक पदार्थ ले जा रहे थे। सुनील डूडी के पकड़े जाने पर मिलीभगत का खेल उजागर हुआ। अभी डारा फरार है।

नशे की राह

खेप तैयार होती है बेगूं, सिंगोली, छोटी सादड़ी व आसपास के क्षेत्र में। कुछ क्षेत्र एमपी में हैं, जहां यह काम धड़ल्ले से हो रहा है।

यहां से गुजरते हैं वाहन

मुख्य मार्ग: सलावटिया से बस्सी, चित्तौड़गढ़, मंगलवाड़, उदयपुर, गोगुंदा, पिंडवाड़ा, सिरोही, पाली से जोधपुर होते हुए अन्य क्षेत्र में।

वैकल्पिक मार्ग: कोटा क्षेत्र से जयपुर, अजमेर, बर, पाली से जोधपुर, नजदीकी जिलों तक।

छोटे वाहनों का यह रूट

1. **बिगोद,** कोटड़ी, शाहपुरा, विजय नगर तिराहा, ब्यावर व अन्दरूनी रास्तों से मारवाड़ क्षेत्र में।
2. **निम्बाहेड़ा,** चित्तौड़गढ़, कपासन, मावली, चारभुजा, बेसुरी से पाली होते हुए।

डीजी ने माना, अपराधियों की घुसपैठ पुलिस तंत्र तक

मिलीभगत का खेल उजागर होने के बाद पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने सभी रेंज महानिरीक्षकों से वर्दी में छिपे ब्लैक शिप्स की रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने लिखा है, लगातार सामने आ रही घटनाओं से लगता है संगठित अपराध का गठित होना पुलिसकर्मी व व्यवस्था से जुड़े व्यक्तियों की जानकारी या मौन स्वीकृति तथा सक्रिय भागीदारी के बिना सम्भव नहीं। भीलवाड़ा में मादक पदार्थ व पाली में तेल चोरी मामले की घटना में भयावह प्रमाण मिले हैं। गोपनीय जानकारियों से स्पष्ट हो गया है कि अपराधियों की घुसपैठ पुलिस तंत्र के भीतर तक है। पुलिस महानिदेशक ने यहां तक कहा कि हम

जब तक सफल नहीं हो सकते, तब तक कि वर्दी में छिपे अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करेंगे। उन्होंने कहा है कि ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाए तथा पुलिसकर्मियों के सुपरवाइजरी अधिकारी के उत्तरदायित्व का निर्धारण भी करें। कार्रवाई रिपोर्ट 30 जून तक मांगी गई है।

43 क्विंटल डोडा जाणी के इशारे पर जा रहा था जोधपुर

चित्तौड़गढ़ से जोधपुर जाते समय पकड़े 43 किलो क्विंटल डोडा चूरा मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें जोधपुर के सफेदपोश भागीरथ जाणी का नाम सामने आया है। उसी ने खेप जोधपुर में सप्लाई के लिए मंगाई थी। हालांकि उससे पहले ही सीआइडी ने उसे चित्तौड़ के मंगलवाड़ में पकड़ लिया। पड़ताल में भागीरथ का नाम सामने आया तो उसे दर्ज मामले में नामजद किया गया है। वर्षों पहले उसके खिलाफ देचु (119/2008), मांगलियावास (169/14) व शम्भुपुरा थाने (144/2011) में मादक पदार्थ, जानलेवा हमला और अवैध हथियार के मामले दर्ज हुए थे। वर्ष 2011 में शम्भुपुरा थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी मामले में लंबे समय न्यायिक हिरासत में भी रहा।

पढ़ें 43 @ पेज 08

एक गाड़ी पर 2.5 लाख तक की बचत

तस्कर खेप जल्द पहुंचाने के लिए हाईस्पीड वाहनों का उपयोग करते हैं। ट्रक जैसे बड़े वाहनों के बजाय छोटे वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। इनमें 14 क्विंटल तक डोडा ले जा रहे हैं। एक वाहन गंतव्य तक पहुंचाने में ये दो से तीन लाख रुपए कमा रहे हैं। अक्सर चोरी के वाहन उपयोग में लेते हैं। खुद का वाहन भी हो तो पहचान छिपाने के लिए उसके चेचिस व रजिस्ट्रेशन नम्बर बदल देते हैं।

कांस्टेबल ने फौजी को कराया था फरार

राजू फौजी।

जवानों पर फायरिंग करने वाला कुख्यात राजू फौजी उर्फ डारा को कांस्टेबल ने ही फरार कराया था। डारा पर 11 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। सीआरपीएफ का पूर्व जवान डारा पहली बार वर्ष 2017 में चर्चा में आया, जब बाड़मेर में टोल प्लाजा पर फायरिंग की थी। फरारी में ही वह चित्तौड़ से मारवाड़ तक तस्करी कर रहा है। भीलवाड़ा की घटना के बाद इसे जोधपुर रेंज के टॉप 10 अपराधियों में शामिल किया गया।

जोधपुर तक थानों में मिलीभगत उजागर

मादक पदार्थ तस्करों से 13 थानों में मिलीभगत का रूट उजागर हुआ है। यह केवल 2 गिरोह की पड़ताल में सामने आया है। ऐसे कई गिरोह क्षेत्र में सक्रिय हैं। पड़ताल में सामने आया कि हर थाने में एक ट्रिप के 5000 रुपए देते थे। बंधी के लिए लाइजनिंग खास सिपाही करते हैं, जिन्हें गिरोह अलग से भुगतान करते हैं। अब आला अधिकारी यह जानकारी जुटा रहे हैं कि इनमें थानाधिकारियों की कितनी भूमिका है। पड़ताल में यह भी सामने आया कि एस्कॉर्ट करने वाले ही थानों से सेटिंग करते हैं। वे पहले किसी पुलिसकर्मी को पकड़ते, उसके जरिए एक से दूसरे थाने में मिलीभगत की चेन बढ़ाते हैं।

यहां हैं 13 थाने: भीलवाड़ा घटना की पड़ताल में 13 थानों का नेटवर्क उजागर हुआ। ये थाने चित्तौड़ से जोधपुर के बीच हैं, जिनकी रिपोर्ट पीएच की को भेज दी गई है।

थाने की बैरिक में अफीम की मनुहार!

थाने की बैरिक में कथित अफीम की मनुहार करने का वायरल वीडियो।

कथित हिस्ट्रीशीटर के साथ एएसआइ व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद, वीडियो वायरल

17-07-21

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर के एक पुलिस स्टेशन की बैरिक में पुलिसकर्मियों व कथित हिस्ट्रीशीटर में अफीम की मनुहार की गई। इस संबंध में बुधवार को वीडियो वायरल हुआ है। जिसके बारे में पुलिस अधिकारी भी तस्दीक कर रहे हैं। दरअसल, सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ। जो पुलिस स्टेशन डांगियावास की बैरिक का बताया जाता है। इस वीडियो में चारपाई पर एक एएसआइ के साथ एक कथित हिस्ट्रीशीटर नजर आ रहा है। कुछ दूरी पर एक एएसआइ और एक सिपाही भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो कॉल के मार्फत किसी सरपंच से बात करते हुए एएसआइ प्लास्टिक की थैली निकालते हुए हिस्ट्रीशीटर के समक्ष मनुहार कर रहे हैं। जो संभवतः अफीम है। यह वीडियो डेढ़-दो महीने पहले का बताया जाता है। जो सोशल मीडिया पर अब वायरल हुआ है। यह वीडियो वायरल होते हुए पुलिस अधिकारियों तक भी पहुंचा। सहायक पुलिस आयुक्त (मण्डोर) राजेन्द्र दिवाकर का कहना है कि ऐसा वीडियो कुछ देर पहले मिला है। जिसकी तस्दीक की जा रही है। वीडियो में पानी की बोतल दिखाई दे रही है।

जरूरी है... सोशल डिस्टेंसिंग

जेल से छूटते ही सूने मकानों की रैकी करते युवक गिरफ्तार

चोरी करने के औजार व धारदार चाकू जब्त

जोधपुर @ पत्रिका. देवनगर थाना पुलिस ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में सेक्टर-6 के पास सूने मकानों की रैकी करने के संदेह में घूम रहे एक युवक को बुधवार को गिरफ्तार किया। उससे चोरी करने में प्रयुक्त होने वाले औजार व धारदार चाकू जब्त किया गया। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि सेक्टर छह में एक युवक के संदिग्ध हालात में घूमने की सूचना मिली। हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल सुरेश कुमार व पिंटूसिंह मौके पर पहुंचे और बलदेव नगर गली-12 निवासी राहुल उर्फ खटूड़ी पुत्र नैनाराम भील को हिरासत में लिया। उसके पास ताले तोड़ने में प्रयुक्त होने वाले औजार व धारदार चाकू मिला। आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी शातिर बदमाश है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट व चोरी-नकबजनी के छह मामले दर्ज हो चुके हैं। मण्डोर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में 28 मार्च को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया था। वह 13 जून को जमानत पर छूटा था।

हैड कांस्टेबल पांच हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भीलवाड़ा/ राजसमंद @ पत्रिका. एसीबी ने राजसमंद जिले की कुंआथल पुलिस चौकी के हैड कांस्टेबल टाटगढ़ (अजमेर) निवासी औंकारसिंह रावत को गुरुवार दोपहर पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। मारपीट के मामले में दिए परिवाद पर कार्रवाई करने और फार्म हाउस पर दीवार के लिए रेत का ट्रैक्टर नहीं पकड़ने की एवज में रिश्वत मांगी गई थी। ब्यूरो की पुलिस निरीक्षक दीपिका राठौड़ ने बताया कि 27 मई 2021 को दिवेर थाना क्षेत्र के कुंआथल निवासी हीरालाल गुर्जर ने हैड कांस्टेबल के खिलाफ शिकायत दी थी।

तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते दो बाबू दबोचे

श्रीगंगानगर @ पत्रिका. संविदा पर लैब टेक्नीशियन को जिला मुख्यालय के आसपास पोस्टिंग दिलवाने के एवज में सीएमएचओ ऑफिस के दो बाबू (लिपिक) को तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। सीएमएचओ ऑफिस में बाबू संदीप जाखड़ और पंकज वर्मा को टीम ने पकड़ा। रावला निवासी जसपाल सिंह ने सीएमएचओ ऑफिस आकर बाबू संदीप जाखड़ से जिला मुख्यालय या आसपास के स्वास्थ्य केन्द्र में पोस्टिंग करवाने का आग्रह किया था। इस पर जाखड़ ने सीएमएचओ के नाम से तीस हजार रुपए रिश्वत मांगी।

थाने में हैड कांस्टेबल ने ली दस हजार की रिश्वत

मलसीसर (झुंझुनूं) @ पत्रिका. एसीबी ने झुंझुनूं जिले के मलसीसर थाने में तैनात हैड कांस्टेबल महेन्द्र कुमार मीणा को मारपीट के क्रॉस मामले में एक पक्ष को फायदा पहुंचाने की एवज में 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत की राशि उसने सुबह करीब साढ़े 11 बजे थाने के अंदर ही ली। सीकर के डीएसपी जाकिर अख्तर ने बताया कि करीब दो सप्ताह पहले मलसीसर निवासी दो पक्षों ने आपस में मारपीट के क्रॉस मामले दर्ज करवाए थे। जिसमें एक पक्ष को मदद करने के नाम पर हैड कांस्टेबल ने परिवादी गजेन्द्र सिंह चौहान से 30 हजार रुपए रिश्वत की मांगी। जिस पर 15 हजार रुपए में सहमति बनी। इस सम्बन्ध में परिवादी की शिकायत पर जांच की गई। जांच के दौरान शिकायत सही पाई गई। एसीबी टीम सीकर ने जाल बिछाया।

25 हजार रुपए रिश्वत लेते मारवाड़ जंक्शन थानाधिकारी गिरफ्तार

मारपीट के मामले में जारी गिरफ्तारी वारंट में गिरफ्तार न करने व समझौता कराने की एवज में ली रिश्वत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पाली जिले में मारवाड़ जंक्शन थानाधिकारी गिरधरसिंह को रविवार रात 25 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उसने आवासीय क्वार्टर में यह रिश्वत ली। ब्यूरो के उप महानिरीक्षक डॉ विष्णुकांत ने बताया कि मूलतः ओसिंया में भैरूसागर हरिपुरा हाल मारवाड़ जंक्शन निवासी रिंकूसिंह पुत्र बुधसिंह की शिकायत पर मारवाड़ जंक्शन थानाधिकारी व उप निरीक्षक गिरधरसिंह को पच्चीस हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। एसीबी पाली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतचन्द देर रात तक कार्रवाई में जुटे हुए थे।

वारंट में गिरफ्तारी न करने व समझौता कराने को ली घूस

एएसपी नरपतचन्द का कहना है कि गत नवम्बर मारवाड़ जंक्शन थाने में मारपीट के परस्पर विरोधी मामले दर्ज किए गए थे। ठेकेदारी करने वाले रिंकुसिंह की तरफ से दर्ज मामले में एफआर लगा दी गई थी। उसके खिलाफ दर्ज मामले में पुलिस ने रिंकुसिंह को गिरफ्तार किया था। जो जमानत पर है। दूसरे पक्ष की याचिका पर कोर्ट ने जमानत खारिज कर गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस वारंट में गिरफ्तार न करने और पूरे मामले में दूसरे पक्ष के मूलाराम से समझौता कराने के बदले रिंकु सिंह से थानाधिकारी ने रिश्वत मांगी। जिसकी शिकायत एसीबी से की गई। गोपनीय सत्यापन करने के दौरान थानाधिकारी गिरधरसिंह ने 7500 रुपए लिए। फिर रविवार को शेष 25 हजार रुपए के लिए पीड़ित को सरकारी आवास बुलाया, जहां पहुंचते ही रिंकुसिंह ने 25 हजार रुपए दिए। जो थानाधिकारी ने खुली अलमारी में रख दिए। इतने में इशारा मिलते ही एसीबी ने दबिश देकर जैसलमेर में भणियाणा तहसील के झलारिया निवासी थानाधिकरी गिरधरसिंह को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

गायों को ह
चारा डाला

जोधपुर @
परिवार ने नी
सूर्यकुंड गौशाल
का वितरण
जितेंद्र पाटोदिया
अध्यक्ष प्रवीन
चालीस मन च
कबूतरों के लि
दूध व ब्रेड खि

तीये व

अत्यन्त दु:ख के
हमारे प्रिय कंवर
पारीक पुत्र
(टहटडा वाले)
26.06.2021
पक्ष की तीये
28.06.2021
कॉलेज, जयपु
श्याम किशोर-
सरस्वती, नव
सास), बनवा
कल्पना (माम
अनिल-
नन्दकिशोर-
साक्षी- गौरव

गोपालगढ़ थाने में अलवर एसीबी टीम की कार्रवाई

थानाधिकारी और महिला कांस्टेबल डेढ़ लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गोपालगढ़ थाने के पास कार्रवाई के दौरान एसीबी टीम और पुलिस कर्मी।

भरतपुर . भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अलवर की टीम ने सोमवार शाम जिले के गोपालगढ़ थाना में थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह जाट व महिला रीडर सोनिया जाट को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

रिश्वत राशि रीडर सोनिया ने क्वार्टर पर ली, उस समय थाना प्रभारी सुरेन्द्र भी वहां मौजूद था। एक प्रकरण में आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और परिवारी की मदद करने की एवज में घूस ली थी। एसीबी की कार्रवाई से थाने में हड़कंप मच गया। एसीबी ने परिवादी को गोपनीय रखा है। सूत्रों के अनुसार मामला इलाके के बिजासना क्रशर पर हाल में दो पक्षों में हुई मारपीट से जुड़ा होना बताया जा रहा है।

थानाधिकारी

महिला कांस्टेबल

साइबर ठगी: अफसर को ठगने वाला 4 दिन में गिरफ्तार, आम महिला को 9 माह से इंतजार

आइपीएस के 99 हजार उड़े तो पुलिस ने ताड़ा और जा पहुंची जामताड़ा, 4 दिन में ही खुलासा

जामताड़ा साइबर ठगी के जंजाल पर पुलिस का जाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . अपराध की सूचना पर पुलिस की सक्रियता के दो चेहरे। हरियाणा में तैनात आइपीएस हिमांशु गर्ग के साथ साइबर ठगी हुई तो एक ही घटना की रिपोर्ट पहले एसओजी और फिर बजाज नगर थाना पुलिस ने दर्ज कर ली। एसओजी ने चौथे दिन ही जामताड़ा में छापा डालकर गिरोह का खुलासा कर दिया। वहीं, ठीक इसी तरह शहर में ठगी की शिकार हुई एक महिला ने पहले एफआइआर दर्ज करने के लिए चक्कर लगाए और अब कार्रवाई के लिए 9 माह से भटक रही है। यहां तक कि ठगी की रकम जमा होने संबंधी खाते तथा उनसे भरे गए बिजली बिलों की जानकारी तक पुलिस को दी लेकिन कार्रवाई नहीं की।

यह माल बरामद: आरोपी के घर से 14 लाख रुपए, 8 मोबाइल, 16 सिमकार्ड, 4 एटीएम बरामद हुए हैं। वहां जालसाजों से पहली बार इतनी बड़ी रकम बरामद हुई है।

पिंडारी गांव में पुलिस...

आरोपी कलीम अंसारी के घर शुक्रवार को दबिश दी। कलीम घर से भाग गया। उसके साथी विकास मंडल को गिरफ्तार कर लिया।

खोज निकाली कुण्डली

आइपीएस के पिता से ठगी की रिपोर्ट पहले एसओजी ने ईमेल के आधार पर 28 जून की रात को दर्ज की। आइपीएस के भतीजे की रिपोर्ट पर इसी मामले की दूसरी एफआइआर बजाज नगर थाना पुलिस ने 29 जून की दोपहर में दर्ज की। चौथे दिन ही एसओजी ने जालसाज की कुंडली खोज निकाली।

मुख्य आरोपी के घर घेराबंदी के दौरान राजस्थान एसओजी टीम

एसओजी को देख जालसाजों ने इस पानी में फेंके मोबाइल

आइपीएस ने पिता के लिए भेजा था पार्सल

आइपीएस हिमांशु गर्ग ने पिता के लिए जयपुर के मुक्तानंद नगर निवास पर पार्सल भेजा था। नहीं पहुंचा तो गर्ग के चचेरे भाई निमिष ने गूगल पर कूरियर कंपनी का नंबर सर्च किया। नेट पर हूबहू साइट जालसाजों ने बना रखी थी। जालसाजों ने 10 रुपए ऑनलाइन मांगे, फिर लिंक भेजकर अकाउंट से 99 हजार रुपए निकाल लिए।

इधर पहले मामला दर्ज कराने, फिर कार्रवाई के लिए गुहार

ऐसा ही दूसरा मामला देखिए...रेलवे स्टेशन स्थित अरविंद नगर निवासी सीमा शर्मा को रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कई अफसरों के समक्ष गुहार लगानी पड़ी। उन्होंने साड़ियों का पार्सल गुजरात भेजा था। जालसाजों ने तस्दीक के बहाने सितम्बर 2020 में 10 रुपए ऑनलाइन मांगे, फिर लिंक भेजा। लिंक खोलते ही खाते से 98 हजार रुपए निकल गए। महिला के बेटे ने यहां तक खोज निकाला कि रुपए किस खाते में पहुंचे। उनसे जमा हुए बिजली के बिलों की जानकारी तक दे दी लेकिन सदर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। करीब पांच माह बाद फाइल जिले की साइबर सेल को भेजी गई है, वहां से भी अब तक कोई नतीजा सामने नहीं आया।

यह भी गंभीर: पुलिस को तो पता तक नहीं

गिरफ्तारी से बजाज नगर थाना पुलिस अनभिज्ञ रही। पुलिस को यह भी नहीं पता था कि रिपोर्ट एसओजी में दर्ज है और आरोपी पकड़े भी गए हैं। तभी तो थानाधिकारी रमेश सैनी बोले, खोजबीन चल रही है। जिले की साइबर सेल को फाइल भेजी है।

दस लाख की ठगी का भी खुलासा

पकड़े गए आरोपी जामताड़ा के कुख्यात हैं। उन्होंने रामनगर निवासी महावीर सिंह पाण्डिया से रिफंड के नाम पर 10 लाख की ठगी भी की थी। महावीर ने अक्टूबर 2020 में मामला दर्ज कराया था।

छापे में आइपीएस से मिला विदेशी बैंक का खाता नंबर

रायपुर@पत्रिका. छत्तीसगढ़ आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और एंटीकरप्शन ब्यूरो को एडीजी जीपी सिंह के ठिकाने पर तलाशी के दौरान एक विदेशी बैंक खाते का नंबर मिला है। इसमें कई बार लाखों रुपए का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करने की जानकारी मिली है। यह ज्वाइंट खाता जीपी सिंह और उसके पत्नी के नाम पर है। ब्लैकमनी को इन खातों में जमा कराया गया है। इसके साथ ईओडब्ल्यू की टीम ने सभी 17 ठिकानों पर जांच पूरी करने के बाद शनिवार देर रात अपनी जांच पूरी कर ली।

10 करोड़ से ज्यादा की चल-अचल की सम्पत्ति

10 करोड़ रुपए से ज्यादा की चलअचल संपत्ति मिली है। इसमें 2 किलो सोना, 16.3 लाख रुपए नकद और बैंक, बीमा, म्युच्अल फंड, कंपनियमों में निवेश सहित विलासिता का सामान और वाहन शामिल है। सभी दस्तावेजों और बरामद सामानों को जब्त किया है। एडीजे ने एक बैंक अफसर के घर पर एक करोड़ रुपए के 2 किलो सोने के बिस्कुट छिपाकर रखे थे। ब्लैकमनी की रकम खपाने के लिए 79 बीमा पॉलिसी ली गई है।

मानसून ने ब्रेक ले लिया। करीब एक लिया। कारण सुबह से ही उमस भरा मौसम में भी ऐसा ही मौसम रहा। जोधपुर

पुष्कर थानाधिकारी व कांस्टेबल के साथ करवड़ थाने का एएसआइ जांच के घेरे में

04 07 21

एनडीपीएस मामले में बचाने के लिए पुलिस ने मांगे दस लाख रुपए

सत्यापन के आधार पर एसीबी मुख्यालय ने रिश्वत मांगने की एफआइआर दर्ज करने का निर्णय लिया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. अजमेर जिले के मांगलियावास थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में जोधपुर के एक युवक से आरोपी न बनाने की एवज में पुलिस ने दस लाख रुपए रिश्वत मांगी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गोपनीय सत्यापन कराया तो घूस मांगने की पुष्टि हो गई, लेकिन ट्रैप कार्रवाई से पहले तीनों पुलिसकर्मी सतर्कहो गए। सत्यापन के आधार पर एसीबी के जयपुर स्थित मुख्यालय ने जांच कर रहे पुष्कर थानाधिकारी व एक कांस्टेबल और पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर में करवड़ थाने के एक एएसआइ के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का निर्णय किया। एसीबी के अनुसार अजमेर जिले के मांगलियावास थाना पुलिस ने दो माह पहले एक गाड़ी में मादक पदार्थ जब्त कर एक व्यक्ति को मौके पर ही गिरफ्तार किया था। जांच पुष्कर थानाधिकारी राजेश मीना को सौंपी गई थी। जांच के दौरान जोधपुर में करवड़ के एक व्यक्ति की संदिग्ध भूमिका सामने आई थी। उसे आरोपी न बनाने की एवज में दस लाख रुपए मांगने की शिकायत एसीबी जोधपुर से की गई थी। ब्यूरो ने गोपनीय सत्यापन कराया तो रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई, लेकिन ब्यूरो की कार्रवाई की आशंका के चलते पुलिसकर्मी सचेत हो गए थे और ट्रैप कार्रवाई नहीं हो सकी थी। एसीबी ने मामले की जांच रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेजी, जहां अब पुष्कर थानाधिकारी राजेश मीना, कांस्टेबल सुनील व करवड़ थाने के एएसआइ अमराराम के खिलाफ रिश्वत मांगने की एफआइआर दर्ज करने का निर्णय किया। फिलहाल मामला दर्ज नहीं हुआ है।

खबर को विस्तार से पढ़ें
patrika.com

सीआई के लिए सिपाही ने मांगे रुपए

एनडीपीएस एक्ट के मामले की जांच के सिलसिले में दो माह पहले पुष्कर थाने का कांस्टेबल सुनील करवड़ आया था। वह स्थानीय पुलिस की मदद से संदिग्ध व्यक्ति के घर पहुंचे और खुद के मोबाइल नम्बर देकर करवड़ थाने आकर मिलने का बताकर लौट आए। इस बीच, कांस्टेबल पुष्कर लौट गया। करवड़ थाने के एएसआइ ने उस युवक से सम्पर्ककर एनडीपीएस एक्ट के मामले में बचाने के लिए दस लाख रुपए मांगे। युवक ने एसीबी से शिकायत की। एएसआइ उससे दस लाख रुपए की मांग करने लगा। फिर वह पांच लाख रुपए मांगने लगा। जो सत्यापन में सामने आ गई। फिर एसीबी ने उस युवक की कांस्टेबल से बात कराई तो उसने थानाधिकारी के लिए दस लाख रुपए मांगे। युवक पुष्कर गया और थाना प्रभारी से मिला। थानाधिकारी ने खुद को ईमानदार बताया। उनके सामने ही सिपाही ने कोड वर्ड में दस-बारह की मांग कर दी थी।

एफआइआर के लिए ब्यूरो ने सर्विस रिकॉर्ड मांगा

करवड़ थाने के एएसआइ को एसीबी कार्रवाई का अंदेशा हुआ। उसने सिपाही को भी सचेत कर दिया। ऐसे में तीनों को रंगे हाथों पकड़ा नहीं जा सका, लेकिन सत्यापन में पुष्टि होने पर एसीबी ने जांच रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेजी, जहां से तीनों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्णय किया। अब एसीबी एफआइआर के लिए रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेजेगी। इसके लिए तीनों पुलिसकर्मियों का संबंधित एसपी/डीसीपी से सर्विस रिकॉर्ड मांगा गया है। जो रिपोर्ट के साथ भेजा जाएगा। उसके बाद मामला दर्ज होकर जांच शुरू होगी।

करीब डेढ़ साल पहले शत-प्रतिशत लागू किया जाएगा। नियमित रिपोर्ट देगा। इससे नगर

साथी दुकानदार का पांव टकराया तो ज्वैलर के डूबने का पता लगा

कर्फ्यू ताक पर : रिसोर्ट के स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान ज्वैलर डूबा

वीकेण्ड कर्फ्यू व गृह विभाग की रोक के बावजूद धड़ल्ले से चल रहा था रिसोर्ट व स्विमिंग पूल

जोधपुर @ पत्रिका. वीकेण्ड कर्फ्यू व गृह विभाग की रोक के बावजूद बनाड़ थानान्तर्गत जयपुर हाइवे पर शगुन रिसोर्ट में धड़ल्ले से संचालित हो रहे स्विमिंग पूल में रविवार को नहाने के दौरान एक ज्वैलर डूब गया। साथ आए दवाई दुकानदार ने सीपीआर देकर जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मृत्यु हो गई। बनाड़ थाने में रिसोर्ट प्रबंधक के खिलाफ लापरवाही बरतने और महामारी अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार मदेरणा कॉलोनी निवासी सागर (25) पुत्र रामस्वरूप सोनी की जयपुर हाइवे पर डांगियावास से कुछ पहले शगुन रिसोर्ट के स्विमिंग पूल में डूबने से मृत्यु हुई है। शव महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि मृतक के फूफा भंवरलाल सोनी की तरफ से शगुन रिसोर्ट के प्रबंधक पर लापरवाही बरतने व रोक के बावजूद रिसोर्ट व पूल में प्रवेश देने और महामारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। संभवतः सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। यह रिसोर्ट पुलिस के अधिकारी का बताया जाता है।

सागर सोनी

रविवार की छुट्टी मनाने गए थे छह दोस्त

पुलिस का कहना है कि मृतक सागर सोनी की डिगाड़ी में ज्वैलरी दुकान है। पास ही चार अन्य दुकानदारों के साथ सागर ने रविवार की छुट्टी मनाने के लिए शगुन रिसोर्ट चलने की योजना बनाई। कमठे का एक कारीगर भी साथ हो गया। तीन मोटरसाइकिल पर पांच दुकानदार व कमठा कारीगर रिसोर्ट पहुंचे, जहां सभी नहाने के लिए स्विमिंग पूल में चले गए। सागर व एक अन्य दोस्त को तैरना नहीं आता था। दोस्त दीवार के पास पूल में किसी रस्सी या चेन पकड़कर नहा रहा था। इतने में मित्र का पांव पानी में एक युवक से टकराया। उसे किसी के डूबने का अंदेशा हुआ। उसने पूल में नहा रहे अन्य लोगों को बताया। सभी ने युवक को बाहर निकाला तो वह दोस्त सागर सोनी निकला।

लापरवाही : पूल में नहा रहे थे अनेक व्यक्ति

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू वीकेण्ड कर्फ्यू के बावजूद न सिर्फ रिसोर्ट चालू था, बल्कि स्विमिंग पूल में भी खुला था। वहां अनेक व्यक्ति नहाने के लिए उतरे हुए थे। इनकी सुरक्षा के लिए तैराक भी नहीं था। बताया जाता है कि एक पुलिस अधिकारी के इस रिसोर्ट में कर्मचारी भी पर्याप्त संख्या में नहीं थे। घटना के समय छह दोस्तों के साथ और भी कई लोग पूल में थे।

सीपीआर दी, पानी निकाला, फिर भी नहीं बचा

सागर को पूल से बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया था। वहां मौजूद दवाइयों के दुकानदार ने सीपीआर देने का प्रयास किया। वहीं उलटा लिटाकर पानी निकालकर जान बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए।

बदहाली

चित्तौड़गढ़: डोडा चूरा तस्करी में मिलीभगत

तस्करों को देता था नाकाबंदी की लोकेशन, सिपाही बर्खास्त

चित्तौड़गढ़. अफीम व डोडा चूरा तस्करों से मिलीभगत सामने आने पर जिले में बेगूं थाने के एक सिपाही को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल ने बताया कि बेगूं थाने में तैनात सिपाही राकेश जाट तस्करों की गाड़ियां इलाके से निकलवाने व पुलिस की नाकाबंदी की लोकेशन तस्करों को देने का काम कर रहा था। गत दिनों भीलवाड़ा जिले में अवैध मादक पदार्थों के तस्करों ने दो सिपाहियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस पर की गई फायरिंग में कुख्यात बदमाश जोधपुर जिले के सुनील डूडी की लिप्तता पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया था। आरोपी डूडी ने आठ क्विंटल डोडा चूरा तस्करी के मामले में राकेश जाट की संलिप्तता बताई थी। आरोपियों से मोबाइल पर वार्ता व बैंक खाते में अचानक आई बड़ी रकम से भी राकेश की तस्करों से संलिप्तता सामने आई है, जिस पर बेगू थाने के एनडीपीएस के प्रकरण में राकेश जाट को भी गिरफ्तार किया गया था, जो अभी भी जेल में बंद है। जांच रिपोर्ट के अनुसार सिपाही तस्करों से मिलीभगत सामने आई।

नाबालिग से छेड़छाड़ में पिता व दुष्कर्म के मामले में चाचा गिरफ्तार

नाबालिग बेटी से दरिंदगी: पुलिस तफ्तीश में निकले चार साल

13-8-21

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दौसा. नाबालिग बेटी से दरिंदगी के मामले में पुलिस ने तफ्तीश में चार साल निकाल दिए और पुलिस की लेटलतीफी से आरोपी पिता व चाचा खुले घूमते रहे। पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोपी पिता और चाचा को बुधवार को जयपुर से गिरफ्तार किया है। मामला अलवर जिले के एक थाना क्षेत्र का हैं। जहां नाबालिग पीड़िता ने दौसा जिला निवासी अपने पिता पर छेड़छाड़ का और चाचा के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया था। चार साल पहले मामला दर्ज होने के बावजूद सांगानेर व दौसा जिले की एक थाना पुलिस तफ्तीश में जुटी रही, आरोपी खुले में घूमते रहे। पुलिस ने बताया कि दिसम्बर 2017 में पीड़िता नाबालिग ने अपने ऊपर होने वाले अत्याचार की चाइल्ड हैल्प लाइन में दूरभाष के जरिए शिकायत की। इस पर केन्द्रीय समन्वय चाइल्ड लाइन ने सांगानेर थाने में मामला दर्ज करवाया। वर्ष 2020 में मामला जिले के एक थाने में आ गया। दोनों आरोपियों को जयपुर से बुधवार को गिरफ्तार कर दौसा पोक्सो न्यायालय में पेश किया।

मां ने साथ छोड़ा तो पिता ही बना हैवान

पुलिस ने बताया कि नाबालिग पीड़िता की मां उसके चाचा के साथ में जालौर जिले के एक गांव में रहने लगी थी। जिसके बाद पिता पीड़िता नाबालिग और उसके भाई को जालौर से अपने पास लेकर आया था, लेकिन नाबालिग को क्या पता था कि पिता ही हैवान बन जाएगा। कुछ दिनों के बाद में आरोपी पिता नाबालिग से छेड़छाड़ करने लगा तो पीड़िता ने रिश्तेदार को आपबीती बताई। इस पर छोटा चाचा उसे दिल्ली ले गया, लेकिन नाबालिग पीड़िता वहां भी अपनी आबरू नहीं बचा सकी और रक्षक चाचा ही भक्षक बन गया और उसने नाबालिग को अपने हवस का शिकार बना दिया।

आरोपी तक पहुंचने के बावजूद नहीं पकड़ने पर थानेदार निलम्बित

पुलिस स्टेशन सरदारपुरा का हाल

23-08-21

जोधपुर @ पत्रिका. पुलिस स्टेशन सरदारपुरा सुर्खियों में है। धोखाधड़ी के पुराने मामले में दिल्ली-नोएडा में आरोपी के घर तक पहुंचने के बाद भी गिरफ्तार करके न लाने पर एक उप निरीक्षक (थानेदार) को निलम्बित कर दिया गया। वहीं, मारपीट के एक मामले में आरोपी की शिकायत व गलत बर्ताव पर एक एएसआइ व कांस्टेबल को लाइन हाजिर करने के आदेश जारी किए गए। इतना होने के बाद भी थानाधिकारी हनुमानसिंह ने अनभिज्ञता जाहिर कर दी। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि उप निरीक्षक मुकेश मीणा को निलम्बित किया गया है। वहीं, एक अन्य मामले में गलत बर्ताव करने की शिकायत मिलने पर एएसआइ कांशीराम व कांस्टेबल दिनेश को लाइन हाजिर किया गया है। सरदारपुरा थाने में धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज है। एसआइ मुकेश मीणा के पास जांच थी। आरोपी के दिल्ली व नोएडा में होने की सूचना पर उन्हें वहां भेजा गया। पुलिस का कहना है कि एसआइ मीणा आरोपी तक उसके घर पहुंच गए थे, लेकिन उसे पकड़कर जोधपुर नहीं लाए। इस संबंध में दूसरे पक्ष ने पुलिस को शिकायत दी। इस पर डीसीपी ने एसआइ मीणा को निलम्बित कर दिया।

दूसरे पक्ष को मिलने का कहना पड़ा भारी

मारपीट की शिकायत के मामले में दूसरे पक्ष को थाने आकर मिलने के लिए बोलना दो पुलिसकर्मियों के लिए भारी पड़ गया। एक दुकानदार की शिकायत पर कांस्टेबल दिनेश ने रूबरू कराने के लिए दूसरे पक्ष को थाने बुलाया था, लेकिन वह थाने नहीं पहुंचा। तब एएसआइ कांशीराम ने उसे फोन कर थाने आकर कांस्टेबल से मिलने को कहा। इस मिलने के बारे में उस व्यक्ति ने डीसीपी को शिकायत कर दी। ऐसे में एएसआइ कांशीराम व कांस्टेबल दिनेश को लाइन हाजिर कर दिया गया।

थानाधिकारी ने पल्ला झाड़ा, 'मुझे पता ही नहीं'

थाने के एक उप निरीक्षक को निलम्बित करने के मामले में सरदारपुरा थानाधिकारी हनुमानसिंह से बात की गई, लेकिन उन्होंने पूरे मामले से ही अनभिज्ञता जता दी। उन्होंने कहा कि एसआइ को निलम्बित करने के बारे में उन्हें पता तक नहीं है।

101 में 54 महिला प्रत्याशी, - 11 ऐसी महिला प्र

बूंदी जिले के डाबी में एसीबी की कार्रवाई

बंधी के 40 हजार लेता थानाधिकारी गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बूंदी. भीलवाड़ा की एसीबी टीम ने जिले के डाबी थानाधिकारी मानसिंह चौधरी को शनिवार रात 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। चौधरी ने लाइसेंस शुदा शराब की दुकान की ब्रांच चलाने की एवज में यह राशि बंधी के रूप में ली। एसीबी के महानिदेशक बीएल सोनी ने बताया कि परिवाद में पीड़ित ने उसकी लाइसेंस शुदा शराब की दुकान की ब्रांच चलाने की अनुमति देने की एवज में थानाधिकारी चौधरी द्वारा 40 हजार रुपए की मांग रखी। राशि नहीं देने पर धमकाते हुए परेशान कर रहा था। सत्यापन के दौरान पता चला था कि आरोपी थानाधिकारी पीड़ित से 40 हजार रुपए नकद और एक पेटी शराब की डिमांड कर रहा था।

ठिकानों पर छापे

एसीबी ने थानाधिकारी चौधरी के कोटा, बोरखेड़ा थाना क्षेत्र के जयहिंद नगर स्थित मकान नम्बर 627-सी पर भी छापे मारे। एसीबी ने डाबी स्थित क्वार्टर भी पड़ताल की। टीम रात तक दस्तावेज खंगालने में जुटी थी।

दो माह पहले लगाया था डाबी थानाधिकारी के रूप में चौधरी ने 1 जुलाई को कार्यभार ग्रहण किया था।

दो कार्रवाई : अलवर में अवैध खनन में मिलीभगत तो नागौर में ऑडियो वायरल

एक ही दिन में एक सीआइ, दो एसएचओ, दो कांस्टेबल निलंबित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com 01.09.21

अलवर/ नागौर . अवैध खनन में पुलिस की मिलीभगत को लेकर पुलिस मुख्यालय ने मंगलवार को अलवर में एक एसएचओ व दो पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया। वहीं नागौर में ऑडियो वायरल के बाद एक सीआइ व झालावाड़ जिले के एक एसएचओ को निलंबित किया गया हे। अवैध खनन का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने एमआइए एसएचओ वीरेन्द्र कुमार यादव, कांस्टेबल निजामुद्दीन खां व मूलाराम को निलम्बित कर दिया। थाना क्षेत्र के घेघोली गांव में रविवार को आइपीएस विकास सांगवान के नेतृत्व में अवैध खनन पकड़ा था। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में एमआइए थाना पुलिस की मिलीभगत उजागर हुई। उधर, एडीजी विजिलेंस बीजू जॉर्ज जॉसफ ने नागौर सदर सीआई अंजु कुमारी और सदर के पूर्व सीआइ, वर्तमान में झालावाड़ के अकलेरा एसएचओ नंदकिशोर वर्मा को निलंबित कर दिया। सदर थाने का कांस्टेबल भंवरलाल पहले से ही सस्पेंड चल रहा है। दोनों का निलम्बन सोमवार को वायरल ऑडियो के आधार पर मिली शिकायत पर किया गया है। एक तस्कर को गिरफ्तार नहीं उड़ाने की बात एसपी साहब की ओर से कहने की बात ऑडियो में सामने आई थी।

यह है मामला

कुछ दिन पूर्व पुलिस पर फायरिंग कर भागे तस्कर गणेश बेनीवाल को पकड़कर लाने का जिम्मा कांस्टेबल भंवरलाल ने उठाया। वो गणेश को लाया तो नाटकीय ढंग से अंजु कुमारी ने बीच रास्ते में उसे गिरफ्तार कर लिया। गणेश की गिरफ्तारी से पहले भंवरलाल और अंजु के ऑडियो में एसपी के गोली मारने के ऑर्डर के बारे में अंजु कुमारी बोलती है।

पुलिस शर्मसार श्रीगंगानगर जिले से लेकर आ रहा था प्रेमी युगल को

रातभर छेड़छाड़ करता रहा चौकी प्रभारी, पुलिस चौकी में किया रेप

- एसपी के आदेश पर देर रात मामला दर्ज
- घटना को दबाने के लिए थाने में कवायद
- विरोध करने पर पीड़िता को पीटा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सीकर . सीकर में पुलिस का शर्मनाक चेहरा सामने आया है। प्रेमी संग घर से भागी दलित युवती को वापस लाते समय रास्ते में पुलिस चौकी प्रभारी छेड़छाड़ करता रहा।

आरोप है कि तड़के चार बजे चौकी पहुंचने के बाद बयान लेने के बहाने चौकी में ही बलात्कार किया। यह वाकिया 29 अगस्त को तड़के साढ़े चार बजे धोद थाना इलाके की सिंगरावट चौकी में हुआ। पीड़िता अपने प्रेमी के साथ दूसरे दिन धोद थाने पहुंची तो थाने में 'ले-देकर' मामले पर पर्दा डालने का प्रयास किया गया। आखिरकार पीड़िता ने अपने प्रेमी के साथ एसपी के समक्ष उपस्थित होकर परिवाद पेश किया तो अधिकारी सकते में आ गए। हैडकांस्टेबल को चौकी से हटाने के साथ मामले की जांच पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण राजेश आर्य को सौंपी है। एसपी को दिए परिवाद में पीड़िता ने प्रेमी को पति बताया है।

आरोपी चौकी प्रभारी सुभाष युवती को लाने के लिए महिला कांस्टेबल को साथ लेकर नहीं गया था। आरोपी के अनुसार श्रीगंगानगर जिले के एक थाने की एक महिला कांस्टेबल उनके साथ आई थी।

राजीनामे के लिए थाने में चली पंचायती

युवती ने यह बात अपने प्रेमी और परिजन को बताई। दूसरे दिन दोनों शिकायत करने धोद थाने पहुंचे तो वहां हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मियों ने मामले को 'ले-देकर' निपटाने के लिए पंचायत बैठाई। युवती के भाई और भाभी भी वहां आ गए। सूत्रों का कहना है थाने के पुलिस अधिकारियों ने युवती को मामला दर्ज नहीं करवाने के लिए राजी कर लिया, लेकिन यह प्रेमी को नागवार लगा। वह तीन सितम्बर को युवती के साथ एसपी के समक्ष पेश हुआ। यहां पर दिए गए परिवाद में चौकी प्रभारी हैडकांस्टेबल सुभाष कुमार पर छेड़छाड़ और चौकी में बलात्कार का आरोप लगाया। एसपी ने जांच के लिए परिवाद पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण राजेश आर्य को सौंप दिया। पुलिस ने रविवार देर रात चौकी प्रभारी के खिलाफ मामला दर्ज किया। पीड़िता का मेडिकल और बयान अभी नहीं लिया गया हैं।

गाड़ी में युवक को आगे बैठाकर, पीड़िता के पास बैठ गया आरोपी

सीकर जिले की युवती 12 अगस्त को घर से लापता हो गई थी। परिजन ने थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस को पता चला कि युवती अपने प्रेमी के साथ श्रीगंगानगर जिले में है। सिंगरावट चौकी प्रभारी हैडकांस्टेबल सुभाष कुमार उनको लाने के लिए गया। आरोप है कि सुभाष ने प्रेमी को गाड़ी में आगे की सीट पर बैठा दिया और स्वयं पीछे युवती के पास बैठ गया। रास्ते में वह छेड़छाड़ करने लगा। युवती ने विरोध किया तो उसकी पिटाई कर दी। 29 अगस्त को तड़के करीब साढ़े चार बजे सभी लोग चौकी पहुंचे। सुभाष ने प्रेमी को बाहर भेज दिया और बयान लेने के बहाने युवती को अंदर रखा। चौकी पर ही युवती से बलात्कार किया और डरा धमकाकर युवक के साथ भेज दिया।

आरोपी हैड कांस्टेबल सुभाष।

युवती ने वापसी के चार दिन बाद पेश होकर परिवाद दिया है। जिसमें सिंगरावट चौकी प्रभारी पर छेड़छाड़ व चौकी में बलात्कार का आरोप लगाया गया है। पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण को इसकी जांच दी गई है। जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। चौकी प्रभारी को वहां से हटाकर लाइन में भेजा गया है। **कुंवर राष्ट्रदीप,** पुलिस अधीक्षक, सीकर

पीड़िता के बयान लिए जाएंगे

एसपी के निर्देश पर रविवार देर रात हैडकांस्टेबल सुभाष के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया। डीवाइएसपी राजेश आर्य ने बताया कि कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अब पीड़िता के बयान लिए जाएंगे।

खुलासा: पुलिस मुख्यालय एक्शन मोड में, सरकार को भेजा प्रस्ताव 02-09-2021

आइपीएस टांक की जालोर में भी ड्रग माफिया से मिलीभगत उजागर, अब होगी कार्रवाई

ओमप्रकाश शर्मा
patrika.com

जयपुर. शराब तस्करों से मिलीभगत के आरोप में सिरोही एसपी पद से हटाए गए हिम्मत अभिलाष टांक की जालोर में तैनाती के दौरान की गई कारगुजारी भी सामने आई है।

पुलिस मुख्यालय की जांच में सामने आया है कि हिम्मत अभिलाष की मादक पदार्थ तस्करों से 'मिलीभगत' थी। जांच में पाए गए निष्कर्ष के बाद मुख्यालय ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा है। उधर,

हिम्मत अभिलाष टांक

सिरोही में शराब तस्करों से मिलीभगत मामले में अभी कार्रवाई होना बाकी है। हिम्मत अभिलाष टांक सिरोही से पहले 6 जुलाई 2019 से 6 जुलाई 2020 तक जालोर एसपी रहे। पढ़ें **आइपीएस@** पेज 07

जांच परत-दर-परत

__टांक__ का तस्करों से गठजोड़ सिरोही में उजागर हुआ था। डीआइजी सत्येंद्र सिंह व अमनदीप सिंह कपूर की संयुक्त जांच में ये तथ्य सामने आए हैं...

- जिसमें शराब, उसे एसपी चैक करने से करते थे मना।
- आबूरोड सदर थाने में अवैध शराब का कंटेनर पकड़ने पर एसपी ने स्पेशल टीम को मादक पदार्थ व शराब नहीं पकड़ने के लिए कहा।
- दूध की गाड़ी में शराब होने की सूचना मिली। पुलिस ने नाके पर वाहन को रोका तो एसपी ने चैकिंग करने से रोक दिया।
- शराब तस्करों पर कार्रवाई करने पर आबूरोड टीम का तबादला किया।
- कार्रवाई करने पर स्वरूपगंज एसएचओ को असंतुष्टि पत्र दिया।
- शराब तस्कर आनंदपाल सिंह उर्फ डिस्का व गोवर्धन सिंह देवड़ा व अन्य से मिलीभगत सामने आई हैं।
- इस खेल में एक निरीक्षक, दो सहायक उपनिरीक्षक व एक हैड कांस्टेबल भी शामिल पाए गए हैं।

शीर्ष कोर्ट: कार्यशैली पर जताई नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट जांचेगा सीबीआइ के मामलों की सफलता दर

05.05.21

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर कर उसके यहां दर्ज मामलों की सक्सेस रेट (सफलता) बताने को कहा है। जस्टिस संजय किशन कौल और एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने कहा कि सिर्फ केस दर्ज कर लेना ही काफी नहीं है। यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अभियोजन पूरा हो। अदालत सीबीआइ की परफॉर्मेंस और जांच तथा मामलों को तार्किक अंत तक ले जाने में उसकी सक्सेस रेट को भी देखेगी। सीबीआइ द्वारा जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 542 दिन की देरी के बाद अपील दायर किए जाने से जुड़े एक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए यह बात कही।

सीबीआइ निदेशक को दिए निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ निदेशक को निर्देश दिया है कि वह उन मामलों की संख्या को कोर्ट के सामने रखें, जिनमें जांच एजेंसी ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट में अभियुक्तों को दोषी ठहराने में सफल रही।

वायरल हो रहा है।

एंटीलिया केसः चार्जशीट में एनआइए का खुलासा

05-09-2021

अंबानी को डरा कर करोड़ों रुपए ऐंठना चाहता था पुलिस अफसर वाझे

मुंबई @ पत्रिका. उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास विस्फोटकों भरी एसयूवी खड़ी करने के पीछे बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाझे की गहरी साजिश थी। उसकी मंशा देश के सबसे बड़े उद्योग समूह के मुखिया को डरा कर करोड़ों रुपए की वसूली का था। विस्फोटकों की गुत्थी अपने हिसाब से सुलझा कर वह पुलिस महकमे में दबदबा कायम करना चाहता था। एनआइए की ओर से अदालत में 10 आरोपियों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट में ये बातें कही गई हैं। आरोपियों में प्रदीप शर्मा का भी नाम है। एनआइए का कहना है कि साजिश का भांडा फूटने के डर से कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या वाझे के इशारे पर की गई।

राजधानी में दिनदहाड़े वारदात से दहशत : एक बाइक और स्कूटर पर आए बदमाश, पत्थर से सिर कुचला

युवक को सड़क पर दौड़ाया, घसीट कर सिर में तीन गोली मारी

22-03-2021

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . बनीपार्क में पांच-छह बदमाशों ने मंगलवार रंजिशवश दिनदहाड़े सरेआम लग्जरी कार में सवार एक युवक की ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी।

बदमाशों ने आते ही वाहन में साथी के साथ बैठे युवक के हाथ में गोली मारी। लहूलुहान युवक कार से उतरकर करीब 30 मीटर दूर तक बचने के लिए भागा। दो पिस्टल से फायरिंग करते हुए बेखौफ बदमाशों ने युवक को घेरकर पकड़ लिया और उसे जमीन पर घसीटते हुए नजदीक एक चाय की थड़ी के पास ले आए। यहां पर युवक के सिर में तीन गोली मारी। तीनों गोलियां भेजा उड़ाते हुए आर-पार हो गईं। बदमाशों ने युवक की मौत सुनिश्चित करने के लिए भारी पत्थर से उसका सिर भी कुचल दिया। बाद में बदमाश भाग गए। बदमाशों की एक पिस्टल की मैग्जीन मौके पर गिर गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को आधा दर्जन गोलियों के खोल भी मिले।

एडिशनल डीसीपी रामसिंह ने बताया कि वारदात राम मंदिर के नजदीक सूत मिल फाटक के पास दोपहर करीब एक बजे अंजाम दी गई। पढ़ें **युवक** @ पेज 07

घटनास्थल पर बिखरा खून और वारदात में इस्तेमाल किया गया पत्थर।

अजय सदर थाने का था हिस्ट्रीशीटर

सदर थाना पुलिस ने बताया कि अजय यादव के खिलाफ वर्ष 2018 के बाद कोई मुकदमा नहीं है। इससे पहले करीब दस बाहर प्रकरण मारपीट के दर्ज थे। इससे उसकी हिस्ट्रीशीट भी खोली गई थी। पुलिस ने वारदात का तरीका देखते हुए अजय की हत्या गहरी रंजिश के चलते होने की आशंका जताई है। हत्यारे पेशेवर बताए जाते हैं जिनकी तलाश में क्षेत्र के चारों तरफ जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ में पुलिस की तकनीकी टीम भी जुटी है। एफएसएल टीम ने भी घटना स्थल से हत्यारों के खिलाफ सबूत जुटाए।

गोली लगने से टूटे कार के शीशे : बदमाशों ने चालक के बगल वाली सीट पर बैठे सौरभ की तरफ से फायर किए। कार के दोनों गेट के शीशे गोली लगने से टूट गए। एक गोली अजय के बाजू को भेदती हुई निकल गई। लहूलुहान अजय बचने के लिए कार से उतरकर भागा, लेकिन हमलावरों ने उसको घेर लिया।

अधिशाषी अधिकारी

निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

श्रीगंगानगर : दस हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

वकील के भेष में जाकर महिला एएसआइ को दबोचा

छेड़छाड़ के मामले में एफआर लगाने के लिए ली रिश्वत

01.10.2021

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पीलीबंगा (हनुमानगढ़) @ पत्रिका. एसीबी ने गुरुवार को पीलीबंगा थाने में तैनात एएसआइ इंदिरा पोटलिया को छेड़छाड़ के मुकदमे में एफआर लगाने की एवज में दस हजार रुपए की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी ने परिवादियों का नाम गुप्त रखते हुए बताया कि परिवादी व सह परिवादी के खिलाफ पीलीबंगा थाने में छेड़छाड़ का मामला दर्ज है। इसकी जांच कर रही एएसआइ इंद्रा पोटलिया प्रकरण में एफआर लगाने की एवज में दस हजार रुपए घूस मांगी। परिवादी ने एसीबी को शिकायत की। एसीबी ने सत्यापन कराया तो शिकायत सही पाई गई। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने बुधवार को ट्रैप की तैयारी की। मगर एएसआइ के बाहर चले जाने के कारण योजना बदलनी पड़ी।

नोट रखे फाइल में: डीएसपी भूपेन्द्र सोनी ने बताया कि गुरुवार दोपहर को परिवादी ने एएसआइ से संपर्क किया तो उसे थाने बुला लिया। उससे दस हजार रुपए लेकर नोट फाइल में रखवा लिए। परिवादी का इशारा पाते ही वकील के भेष में थाने में खड़ी एसीबी की टीम ने एएसआइ को पकड़ कर रिश्वत राशि बरामद कर ली।

आइओसी पाइप लाइन में चोरी का मामला

पुलिस निरीक्षक राणा सस्पेंड, जांच में बरती कोताही

03.10.21

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

निलंबित पुलिस निरीक्षक

पाली. पुलिस इंस्पेक्टर मनोज राणा को शुक्रवार शाम को एसपी कालूराम रावत ने निलंबित कर दिया। राणा के खिलाफ नवम्बर 2020 में बर कस्बे में आइओसी की पाइप लाइन में तेल चोरी के प्रयास के मामले की जांच में कोताही बरतने जैसे गंभीर आरोप हैं, जिसकी जांच सीआइडी क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी। सीआइडी सीबी के डीआइजी गौरव श्रीवास्तव व एएसपी आशाराम चौधरी की टीम गत दिनों इस प्रकरण की जांच के सिलसिले में पाली जिले में आकर लौटी।

एसपी ने बताया कि सीआइडी सीबी की ओर से आइओसी पाइप लाइन से तेल चोरी के मामले की जांच में इंस्पेक्टर राणा पर लगे गंभीर आरोप की भी जांच की जा रही है। जांच के कारण टीपी नगर थाना प्रभारी राणा को निलंबित किया गया है।

दरअसल रायपुर थाना क्षेत्र के बर कस्बे से निकल रही आइओसी की पाइप लाइन में तेल चोरी के प्रयास का नवम्बर 2020 में प्रकरण राणा के रायपुर थाना प्रभारी रहते सामने आया था।

भीलवाड़ा : विधायक पर पुलिसकर्मियों को संरक्षण देने का आरोप 12.10.21

थानेदार के लात मारने से गर्भस्थ शिशु की मौत का आरोप, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

दोषियों को नहीं हटाने तक धरना जारी रखने का ऐलान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. पुर थाना क्षेत्र में डेढ़ माह पूर्व पूर्व सरपंच पर हमले के मामले में एक आरोपी के परिजनों के साथ मारपीट करने और उनको थाने में बंद रखने के आरोप लगाते हुए लोगों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। अगुवाई कर रहे कांग्रेस नेता प्रद्युम्न सिंह ने पुर थानाप्रभारी गजराज चौधरी और मंगरोप थाना प्रभारी मोतीलाल रायका पर महिला के पेट पर लात मारने से गर्भस्थ शिशु की मौत होने और उसके पति को बेवजह आठ दिन थाने में बंद रखने का आरोप लगाया। गत 27 अगस्त की रात को पूर्व सरपंच पप्पू रेबारी और साथी गजेन्द्रसिंह से मारपीट हुई थी। कांग्रेस नेता का आरोप है कि इसमें आरोपी अम्बालाल की तलाश में पुर थानाप्रभारी और मंगरोप थानाप्रभारी अम्बालाल के घर गए। वहां दिनेश की पत्नी नीरू के पेट पर लाती मारी। इससे उसका गर्भ गिर गया। सभा में माण्डल विधायक रामलाल जाट पर भी दोषियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

तोड़ दिए सपने, नए मेहमान का था इंतजार

दिनेश की पत्नी नीरू ने सभा में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया कि उसकी एक बेटी है। नए मेहमान का इंतजार था। पुलिस कर्मियों ने सबकुछ बिखेर दिया। सभा में दोषियों को नहीं हटाने पर दो दिन तक धरने पर बैठने का ऐलान किया गया।

साास-बहू व पौत्र घायल

13-10-2021

शास्त्री नगर थाने के सामने बेखौफ लुटेरे, झपट्टा मार चेन व पर्स लूटे

खरीदारी करने जा रही थी सास-बहू, चेन खींचने से मोपेड से नीचे गिरे

मोटरसाइकिल सवार लुटेरा फरार

जोधपुर @ पत्रिका. बेखौफ लुटेरे ने पुलिस स्टेशन शास्त्रीनगर के सामने ट्रैफिक पॉइंट के पास मंगलवार अपराह्न मोटरसाइकिल सवार लुटेरे ने मोपेड सवार सास-बहू से सोने की चेन व पर्स लूट लिया। झपट्टा मारने से सास, बहू व मासूम पौत्र नीचे गिरने से घायल हो गए। देवनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लुटेरे की तलाश कर रही है। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि चौहाबो में सेक्टर 2छ निवासी उषा (65) पत्नी गोरधन पटवा अपनी पुत्रवधू दीपिका (35) पत्नी कपिल पटवा और पौत्र पार्थ (11) के साथ अपराह्न चार बजे खरीदारी करने के लिए मोपेड पर घर से निकली। दीपिका मोपेड चला रही थी। शास्त्रीनगर थाने के सामने ट्रैफिक सिग्नल लाइट से कुछ पहले पहुंची तो मोटरसाइकिल सवार एक युवक पास आया। उसने मोपेड के पीछे बैठी उषा के गले में सोने की चेन पर झपट्टा मारा। इससे पुत्रवधू ने मोपेड से नियंत्रण खो दिया। तीनों मोपेड से सड़क पर गिर गए। लुटेरे ने उषा के गले से सोने की चेन व हाथ में पकड़ा पर्स लूट लिया और मौके से फरार हो गया। पर्स में बीस हजार रुपए, कुछ अन्य दस्तावेज थे। पुलिस वारदातस्थल पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरे की तलाश में जुट गई। फिलहाल लुटेरे का सुराग नहीं लग पाया।

पाल रोड पर शास्त्रीनगर थाने के सामने चेन व पर्स लूट के दौरान मोपेड से गिरने से घायल महिला व मासूम

सास के सिर में चोट, हाथ में 12 टांके

लुटेरे ने जैसे ही चेन पर झपट्टा मारा तो मोपेड अनियंत्रित होने से सास, बहू व पौत्र नीचे गिर गए। सड़क पर रगड़ने से तीनों घायल हो गईं। चेहरे, हाथ व पांव पर चोट से खून बहने लगा। आस-पास के लोगों ने इन्हें संभाला और पुलिस को सूचना दी। बाद में तीनों को मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया। उषा पटवा के सिर, ललाट व पांव में चोट आई। हाथ में 12 टांके लगाए गए। वहीं, पुत्रवधू के मुंह व हाथ में चोट लगी।

मासूम की आंख के पास लगी चोट

मोपेड सवार पार्थ के आंख के ठीक पास गंभीर चोट आई। गनीमत रही कि आंख को नुकसान नहीं पहुंचा। वहीं, होंठ व गाल के पास चोटें आईं। हाथ व पांव पर चोटें लगी।

सहमति नहीं बनी और कचरा नहीं गई। त्योहारी सीजन में बाजार में डम्पिंग यार्ड पहुंचता है, लेकिन दो से जो वाहन गली-नुक्कड के

तेज रफ्तार लग्जरी कार से मोपेड सवार युवक की मृत्यु, तीन घायल

पुलिस का दावा : सीआई का पुत्र नहीं, दोस्त चला रहा था कार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क 6.10.2021
patrika.com

जोधपुर. चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानान्तर्गत सूंथला में निजी अस्पताल के पास मोपेड सवार युवक की जान लेने वाली तेज रफ्तार लग्जरी कार पुलिस निरीक्षक जुल्फिकार अली का पुत्र नहीं, बल्कि उसका दोस्त चला रहा था। पुलिस ने कार में मौजूद दो युवकों से पूछताछ के बाद यह दावा किया। हादसे के बाद मौजूद लोगों ने पुलिस निरीक्षक के पुत्र पर लापरवाही से कार चलाने का संदेह जताते हुए विरोध जताया था। थानाधिकारी लिखमाराम बटेसर के अनुसार सूंथला में डीआइजी फिरोज खां कॉलोनी निवासी सद्दाकत अली (30) पुत्र सरदार अली गुरुवार रात 11.30 बजे सूंथला में इब्राहिम मार्केट के पास मोपेड लेकर खड़ा था। चौपासनी की तरफ से तेज रफ्तार व लापरवाही से आई एक लग्जरी कार ने उसे टक्कर मार दी। कार ने एक अन्य मोटरसाइकिल व ठेलों को भी चपेट में ले लिया। मोपेड सवार सद्दाकत अली व तीन अन्य युवक गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सद्दाकत अली को मृत घोषित कर दिया। पाल रोड राजीव गांधी कॉलोनी निवासी मोहम्मद फारूख पुत्र मोहम्मद सलीम, चौहाबो सेक्टर 16 निवासी विनोद कुमार पुत्र ईश्वरदास सिंधी व सेक्टर 9 निवासी जीतू पुत्र राजकुमार सिंधी एमडीएम अस्पताल में भर्ती हैं।

पूछताछ में दोस्त निकला चालक

कार में पुलिस निरीक्षक जुल्फिकार अली का 17 वर्ष 10 माह का पुत्र, उसके दोस्त अफरोज व अर्जित सवार थे। पुलिस ने रात में तीनों की ब्रेथ एन्हलाइजर से मेडिकल जांच व अस्पताल में मेडिकल कराया। इसमें नशे की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने तीनों से अलग-अलग पूछताछ की तो अफरोज के कार चलाने की बात सामने आई। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज से भी पुष्टि के प्रयास कर रही है।

मांगकर लाए थे कार

पुलिस का कहना है कि जिस कार से दुर्घटना हुई, वह सीआई जुल्फीकार के साले के दोस्त की है। तीनों कार मांगकर लाए थे। रात 11.30 बजे वे चीरघर से चौपासनी की तरफ गए और वहां से यू-टर्न लेकर चीरघर की तरफ लौट रहे थे।

अज्ञात चालक के खिलाफ एफआइआर

मृतक सद्दाकत के भाई नाज मोहम्मद ने चौहाबो थाने में अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। इससे पहले मृतक के परिजनों ने एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी के बाहर विरोध जताया। पुलिस के आश्वासन के बाद वे शव लेने को तैयार हुए।

डिवाइडर से टकराने पर एयरबैग खुले

पुलिस का कहना है कि चालक लग्जरी कार काफी तेज रफ्तार में दौड़ा रहा था। सूंथला के पास कार जम्प पर कूदी और फिर डिवाइडर से टकराई। इससे एयरबैग खुल जाने से चालक को आगे सड़क नहीं दिखी। बेकाबू कार मोपेड व मोटरसाइकिल के साथ ठेलों को टक्कर मारती गई।

इनका कहना है...

सड़क हादसे के समय मेरा पुत्र कार नहीं चला रहा था। पुलिस अनुसंधान में जो भी अपराधी निकले उसके खिलाफ स्वतंत्र कार्रवाई की जाए।

जुल्फिकार अली, पुलिस निरीक्षक जोधपुर

यूपी पुलिस के उत्पीड़न के शिकार अरुण के ससुर बोले...

हम जान की भीख मांगते रहे... पुलिस बेरहमी से पीटती रही

22.10.2021

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भरतपुर . आगरा जिले के थाना जगदीशपुरा में सफाई कर्मचारी अरुण वाल्मीकि की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। गौरतलब है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार देर रात आगरा में अरुण के परिजन से मुलाकात की थी।

थाने से छूटे अरुण के ससुर भरतपुर शहर के अनाह गेट वाल्मीकि बस्ती निवासी अनिल का कहना है कि हमें तो पता ही नहीं था कि यूपी पुलिस व अटलबंध थाना पुलिस हमें लेने क्यों आई हैं। पुलिस वाले बेटी, बेटा, दो भतीजे व मुझे गाड़ी से आगरा ले गए। जहां एक थाने में सभी को रखा। पुलिस की पिटाई से इतना दर्द होता रहा था कि मैं बार-बार जान की भीख मांगता रहा। अगर दामाद पर कोई आरोप था तो इसमें मेरे परिवार का क्या कसूर था।

पढ़ें **हम** @ पेज 16

आगरा का अरुण वाल्मीकि केस

चोट दिखाता अनिल।

भरतपुर से अनिल को ले गई थी यूपी पुलिस

अरुण की पत्नी सोनम छह अक्टूबर को दादी गुलकंदी का निधन होने के बाद पीहर भरतपुर में थी। उत्तरप्रदेश पुलिस ने अटलबंध थाना पुलिस के सहयोग से 17 अक्टूबर की रात 11 बजकर 19 मिनट पर अरुण की पत्नी सोनम, ससुर अनिल, साले आकाश, बड़े भाई के साले ललित पठानिया, ललित पुत्र नित्यानंद को भरतपुर से हिरासत में लिया। जिस वक्त उन्हें हिरासत में लिया गया था, उस समय अरुण के ससुराल में दादी सास के 11वें पर कीर्तन चल रहा था। जबकि अरुण वाल्मीकि को 19 अक्टूबर की दोपहर को पकड़ा गया था, जहां रात करीब दो बजे उसकी मौत हो गई। इसके बाद 20 अक्टूबर की सुबह सभी को छोड़ दिया गया। तब जाकर मृतक अरुण के ससुराल वाले भरतपुर पहुंचे।

सुविधाएं गुल...चार्ज फुल : धुलाई के 70 करोड़ रुपए भी बचाए, अब

ट्रेनों में बेडरोल बंद, रेलवे वसल

प्राथमिक जांच में सही माना एनकाउंटर, निरीक्षक व तीनों सिपाही बहाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com
27-10-2021

जोधपुर. पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर ने हिस्ट्रीशीटर की मौत वाली मुठभेड़ यानि एनकाउंटर को सही माना है।

पुलिस की प्राथमिकी जांच रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय भेजी गई है और इसी के आधार पर निलम्बित थानाधिकारी लीलाराम व तीनों कांस्टेबल को मंगलवार को बहाल कर दिया गया। उधर, मुठभेड़ की अपराधिक जांच सीआइडी सीबी जांच कर ही है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) भुवन भूषण यादव ने बताया कि गत 13 अक्टूबर को मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर लवली कण्डारा की मौत होने पर सहायक पुलिस आयुक्त (मण्डोर) को प्राथमिक जांच करने के आदेश दिए गए थे।

जो पूरी हो गई है। इस जांच में मुठभेड़ को सही पाया गया है। जांच रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को फॉरवर्ड की गई है। इस आधार पर मुख्यालय ने निलम्बित निरीक्षक लीलाराम और स्थानीय स्तर पर निलम्बित कांस्टेबल किशनसिंह, जितेन्द्र व विश्वास को बहाल करने के आदेश जारी किए। फिलहाल जांच होने तक चारों की पोस्टिंग पुलिस लाइन में ही रहेगी।

निलम्बन पर 5वें दिन उठाया था शव

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर की मृत्यु को लेकर वाल्मिकी समाज ने विरोध जताया था। मथुरादास माथुर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर चार दिन धरना दिया गया था। 5वें दिन चारों पुलिसकर्मियों को निलम्बित किया गया था। तब 5वें दिन 17 अक्टूबर को पोस्टमार्टम कराकर शव उठाया गया था।

एएसआइ की भूमिका संदिग्ध, एसीबी कर रही पूछताछ

जांच में नाम निकालने की एवज में 50 हजार की ली रिश्वत, दो मध्यस्थ गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर ने बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना में एक बुजुर्ग से पचास हजार रुपए रिश्वत लेते ई-मित्र के संचालक व एक अन्य को बतौर मध्यस्थ गिरफ्तार किया। संदिग्ध भूमिका के चलते पुलिस स्टेशन धोरीमन्ना के एएसआइ से एसीबी पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) भोपालसिंह लखावत ने बताया कि धोरीमन्ना के एक बुजुर्ग से 50 हजार रुपए रिश्वत लेने पर धोरीमन्ना में गजानंद ई-मित्र संचालक जसनाथपुरा निवासी ताराराम (35) पुत्र टीकमाराम सैन व कोलीयान निवासी बीरबल (20) पुत्र जगराम सैन को 50 हजार रुपए रिश्वत लेने पर गिरफ्तार किया गया है।

ई-मित्र संचालक ताराराम ने बुजुर्ग परिवादी से 50 हजार रुपए लिए थे और फिर पास बैठे बीरबल को दे दिए थे। तभी ब्यूरो के निरीक्षक अमराराम खोखर के नेतृत्व में एसीबी ने दबिश देकर दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। बीरबल की पेंट की दाहिनीं जेब से रिश्वत राशि बरामद की गई।

पुत्र का नाम निकालने के लिए मांगी थी रिश्वत

बुजुर्ग परिवादी के पुत्र व भतीजे सहित तीन जनों के खिलाफ नाबालिग बच्ची को लेकर उपजे विवाद में मारपीट किए जाने के संबंध में धोरीमन्ना थाने में मामला दर्ज है। जांच एएसआइ मगन खान जांच कर रहे हैं। जांच में पुत्र का नाम निकालने व कार्रवाई न करने के लिए बुजुर्ग पिता ने एएसआइ मगन खान से सम्पर्क किया। तब पास में ताराराम भी बैठा था। परिवादी को ताराराम से मिलाया तो उसने 50 हजार रुपए रिश्वत मांगी। जिसकी शिकायत बुजुर्ग ने ब्यूरो से की थी। गत 20-21 अक्टूबर को गोपनीय सत्यापन कराए जाने पर ताराराम के रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इस बीच, गुरुवार को बुजुर्ग उसके पास पहुंचे और 50 हजार रुपए ताराराम को दिए। उसने अपने पास बैठे बीरबल को दे दिए।

एएसआइ को हिरासत में लेकर पूछताछ

ब्यूरो का कहना है कि मध्यस्थ ताराराम ने एएसआइ के लिए रिश्वत ली थी, लेकिन गोपनीय सत्यापन में एएसआइ मगन खान की स्पष्ट भूमिका सामने नहीं आई है। एफआइआर में एएसआइ का नाम भी है। दोनों मध्यस्थों के पकड़े जाने के बाद एएसआइ को भी हिरासत में लिया गया, लेकिन फिलहाल भूमिका स्पष्ट न होने से उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

डॉ. सुब्बाराव को श्रद्धांजलि

शुरू किया। शाम ...

रूपनगढ़ में एसीबी की कार्रवाई : परिवादी से ले रहे थे 1.45 लाख 30-10-2021

थानाधिकारी-दलाल थाने में घूस लेते गिरफ्तार

रूपनगढ़ (अजमेर) @ पत्रिका. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने जमीन के मामले में राहत देने की एवज में एक लाख पैंतालीस हजार की रिश्वत लेते रूपनगढ़ थानाधिकारी कुंवरपाल सिंह व दलाल रोहित को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार जूणदा निवासी भागचंद चौधरी पुत्र सुआराम जाट ने 25 अक्टूबर को ब्यूरो कार्यालय अजमेर में शिकायत दी। इसमें बताया कि उसने त्योद गांव में वर्ष 2014 में जमीन की खरीद की तथा सितंबर माह में इसका पंजीयन कराया। इसके बाद अपने साझेदारों से मिलकर उक्त कृषि भूमि का 70 लाख रुपए में बेचान कर दिया, लेकिन त्योद निवासी कैलाशचन्द्र शर्मा ने मुकदमा दर्ज करा दिया। प्रकरण में परिवादी व अन्य सभी साझेदारों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करने व राहत देने की एवज में पांच लाख की रिश्वत की मांग की।

पहले मांगे ढाई लाख...

रिश्वत राशि की मांग का सत्यापन बुधवार को किया गया। इसमें थानाधिकारी कुंवरपाल सिंह ने 2.50 लाख रुपए की मांग की तथा असमर्थता जताने पर 1.50 लाख रुपए लेने पर सहमत हुआ। दलाल किशनगढ़ निवासी रोहित शर्मा ने शुक्रवार को परिवादी भागचंद चौधरी व सभी साझेदारों से रिश्वत की राशि 1 लाख 45 हजार रुपए एकत्रित कर थानाधिकारी को देते हुए रूपनगढ़ थाने में रंगे हाथों पकड़ा। ब्यूरो की टीम ने परिवादी के हिस्से की राशि 34 हजार सहित कुल एक लाख 45 हजार रुपए बरामद किए।

थानाधिकारी

दलाल

दलाल के जरिए ₹11 लाख वसूलने वाला तत्कालीन सीओ दूदू गिरफ्तार

ट्रक मालिक महेंद्र के मोबाइल फोन से एफएसएल ने रिकवर की वसूली की चैट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . अवैध बजरी परिवहन के लिए चौथ वसूली करने वाले तत्कालीन दूदू सीओ विजय सेहरा को एसओजी ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। विजय सेहरा ने दलाल के माध्यम से बजरी ट्रक ऑपरेटर्स से दो माह में ग्यारह लाख रुपए की वसूली की थी। दूदू में ट्रेलर मालिक के गिरफ्तार होने पर सीओ के वसूली नेटवर्क का खुलासा हुआ था। अब एसओजी सीओ के मुख्य दलाल को तलाश रही है। नेटवर्क में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

गिरफ्तार विजय सेहरा को इसी मामले के चलते पुलिस महानिदेशक एम.एल.लाठर ने एपीओ किया था। एसओजी एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि चौथवसूली के नेटवर्क का खुलासा 6 जून को हुआ था,जब पुलिस ने दूदू में डम्पर मालिक गीगल निवासी महेन्द्र मीणा को गिरफ्तार किया था। पहले मामला दूदू थाने में दर्ज हुआ। फिर फाइल सीआइडी भेजी गई। इसके बाद सरकार के निर्देश पर एसओजी को जांच दी गई।

दलाल पकड़ा गया तो डिलीट करवाई वसूली की चैट: विजय सेहरा के लिए वसूली नेटवर्क दूदू क्षेत्र में रेस्टोरेंट चलाने वाला राजेन्द्र चौधरी चलाता था।

पढ़ें **दलाल** @ पेज 13

सेहरा के करीबी भी आएंगे जद में

एसओजी विजय सेहरा के चौथवसूली नेटवर्क में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका खंगाल रही है। दलाल राजेन्द्र से भी साठगांठ भांकरोटा थाने के ही एक कांस्टेबल ने कराई थी। इसके अलावा कई पुलिसकर्मियों ने ट्रक चालकों से ऑनलाइन घूस स्वीकार की थी।

पत्रिका में प्रकाशित

एक फेरे के 3 हजार, 2 माह में लिए 11 लाख रुपए

उप अधीक्षक के खिलाफ अब एसओजी करेगी तफ्तीश

पहले थाने से सीआइडी भेजी थी फाइलें

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. अवैध बजरी परिवहन के बदले वसूली के आरोपों से

परिवाद के निपटारे के लिए मांगी रिश्वत

सिपाही और दलाल 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com 27.11.2021

बिजौलियां. (भीलवाड़ा) भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की विशेष शाखा ने बिजौलियां थाने के सिपाही और दलाल को शुक्रवार दोपहर 15 हजार की रिश्वत लेतें गिरफ्तार किया। यह राशि एक परिवाद के निपटारे के लिए मांगी गई थी। दलाल मार्फत सिपाही ने रिश्वत ग्रहण की। दोनों को गिरफ्तार कर भीलवाड़ा लाया गया। इनको शनिवार को एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। ब्यूरो को बिजौलियां निवासी मोनू उर्फ बाबू लखारा ने शिकायत दी। परिवादी ने बताया कि गिरवी रखी मोटरसाइकिल के सम्बंध में परिवादी कें खिलाफ दिए परिवाद को निपटारे के लिए बिजौलियां थाने के सिपाही मेघसिंह ने बीस हजार रुपए रिश्वत मांगी। एसीबी ने 22 नवम्बर को सत्यापन कराया। इसमें 15 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। सिपाही ने राशि बिजौलियां निवासी जयंत कोली को देने के लिए कहा। इस पर एसीबी ने जाल बिछा जयंत के पास परिवादी को भेजा। परिवादी मोनू से रिश्वत के 15 हजार रुपए जयंत ने ले लिए।

सिपाही मेघसिंह

दलाल जयंत

से आएगी। दस्तानों का वजन मोबाइल के

एक और महिला निरीक्षक भ्रष्टाचार में घिरी

निरीक्षक के पति ने बजरी माफिया से की वसूली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 01.12.21

जयपुर . सिरोही में पुलिस निरीक्षक सीमा जाखड़ के बाद एक और निरीक्षक की भ्रष्टाचार के मामले में लिप्तता सामने आई है। एसीबी की महिला निरीक्षक के नाम पर उसके पति ने बजरी माफिया से रिश्वत ली है। एसओजी की जांच में यह खुलासा हुआ है।

महिला निरीक्षक सहित कई पुलिसकर्मियों की भूमिका सामने आने के बाद अब एफआइआर दर्ज करने के लिए मामला एसीबी में भेजा जाएगा। बजरी माफिया से वसूली का यह खेल पहले दूदू में हुआ था। इस मामले में एसओजी ने 3 नवबर को आरपीएस विजय सेहरा को गिरफ्तार किया।

वसूली करने वाले कई पुलिसकर्मियों का खुलासा : विजय सेहरा की तरह बजरी माफिया से वसूली करने वाले कई पुलिसकर्मियों के नाम सामने आए हैं। इनमें अजमेर, जयपुर ग्रामीण व जयपुर कमिश्नरेट के थाने व चौकी के पुलिसकर्मी शामिल हैं। इनके नाम पहले जयपुर ग्रामीण पुलिस और फिर एसओजी की तफ्तीश में सामने आए हैं। जब इन सूची की गहनता से पड़ताल की गई तो एक महिला निरीक्षक का भी नाम सामने आया। निरीक्षक के नाम पर करीब 38 हजार रुपए उसके पति ने लिए थे।

पढ़ें **निरीक्षक** @ पेज 08

सेहरा के साथ पार्थ पर भी होगी कार्रवाई

पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा विजय सेहरा के साथ अजमेर में तैनात उप अधीक्षक पार्थ शर्मा पर भी विभागीय कार्रवाई कर रही है। सतर्कता शाखा की ओर से दोनों उप अधीक्षक को चार्जशीट देने की तैयारी की जा रही है।

बाड़मेर पुलिस की कार्रवाई, जोधपुर में पकड़ा

नौकरी का झांसा देकर रुपए हड़पे, कांस्टेबल गिरफ्तार

सीआइडी सीबी में पदस्थापित है कांस्टेबल

6.5 लाख रुपए बरामद

जोधपुर/बाड़मेर @ पत्रिका. बाड़मेर की कोतवाली थाना पुलिस ने नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपए ऐंठने के मामले में सीआइडी सीबी जोधपुर में पदस्थापित एक कांस्टेबल को रविवार को गिरफ्तार किया। उससे 6.50 लाख रुपए बरामद किए गए हैं। थानाधिकारी उगमराज सोनी ने बताया कि आमजन को नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए ऐंठने के संबंध में वर्ष 2020 में मामला दर्ज कराया गया था जिसमें सीआइडी सीबी में पदस्थापित कांस्टेबल मोतीलाल की काफी समय से तलाश थी। सूचना के आधार पर जोधपुर पुलिस ने चौहाबो क्षेत्र से मोतीलाल को हिरासत में लिया। बाड़मेर की कोतवाली थाना पुलिस जोधपुर पहुंची और आरोपी कांस्टेबल मोतीलाल को बाड़मेर ले गई, जहां पूछताछ के बाद चौहाबो निवासी मोतीलाल पुत्र हरिकिशन को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 6.50 लाख रुपए भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में उसने नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपए ऐंठना स्वीकार किया।

गिरफ्तारी के भय से छुपा था, दबोचा

आरोपी मोतीलाल सीआइडी सीबी में कांस्टेबल है। जो लम्बे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहा है। उसके खिलाफ पिछले वर्ष धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया था। गिरफ्तारी के भय से वह छुपता घूम रहा था। पुलिस में तकनीकी व मुखबिर के चलते आरोपी को जोधपुर से दबोच लिया।

मिलीभगत

पुलिस को अंदेशा : दोनों कांस्टेबल को पता था महिला तस्कर ड्रग्स बेचती है

महिला तस्कर और पुलिस में थी सांठ-गांठ, दो कांस्टेबल निलम्बित

20.12.2021

मकान में एमडी ड्रग्स बेचने की आरोपी महिला के व्हॉट्सऐप में मिले मिलीभगत के साक्ष्य

जोधपुर @ पत्रिका. कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड के सेक्टर-6 सी स्थित मकान में एमडी ड्रग्स बेचने की आरोपी महिला के बारे में पुलिस को पूरी जानकारी थी। पुलिस की सांठ-गांठ की मदद से ही महिला धड़ल्ले से युवाओं को ड्रग्स की पुड़ियां बेच रही थी। महिला के गिरफ्त में आने के बाद व्हॉट्सऐप की जांच में मिलीभगत उजागर होने पर दो कांस्टेबल को निलम्बित किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पुलिस स्टेशन कुड़ी भगतासनी के कांस्टेबल दिनेश बेनीवाल व लूनी थाने के कांस्टेबल श्रवण भादू को निलम्बित करने के आदेश जारी किए गए हैं। श्रवण को कुछ समय पहले ही कुड़ी भगतासनी से लूनी थाने भेजा गया था। वह तीन साल तक कुड़ी भगतासनी थाने में पदस्थापित रहा था। दोनों को निलम्बित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

महिला तस्कर के व्हॉट्सऐप में मिले सुराग

डीएसटी की सूचना पर कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस ने गत 16 दिसम्बर को केबीएचबी सेक्टर 6 सी में मकान में दबिश देकर मूलत: गुड़ा बिश्नोइयान हाल केबीएचबी निवासी शारदा पत्नी रमेश बिश्नोई को गिरफ्तार किया था। उससे 92 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई थी। वह मोबाइल में व्हॉट्सऐप पर एमडी ड्रग्स बेचने का नेटवर्क चला रही थी। मोबाइल जब्त करने के साथ ही जांच की गई। उसके व्हॉट्सऐप में निलम्बित कांस्टेबल दिनेश व श्रवण से मिलीभगत उजागर हो गई। दोनों कांस्टेबल लम्बे समय से उससे सम्पर्क में थे। पुलिस का मानना है कि दोनों सिपाहियों को पता था कि महिला एमडी ड्रग्स की खरीद-फरोख्त में लिप्त है। इसके बावजूद दोनों ने चुप्पी साधे रखी। जो महिला से सांठ-गांठ उजागर करता है।

एमडी बेचने की आरोपी महिला का रिमाण्ड बढ़ाया

एनडीपीएस एक्ट मामले में लूनी थानाधिकारी देवीचंद ढाका आरोपी शारदा बिश्नोई से जांच कर रहे हैं। दो दिन रिमाण्ड अवधि समाप्त होने पर शारदा को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन और रिमाण्ड पर भेजने के आदेश दिए गए। उससे ड्रग्स की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य तस्करों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस को कुछ लोगों के नाम मिले हैं। जिनके आधार पर जांच जारी है।

आपसी रंजिश में यात्रियों को नीचे उतारकर पेट्रोल डाल बस जलाने का मामला

जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर ने लगवाई थी बस में आग, दो गिरफ्तार

हिस्ट्रीशीटर ने जेल से फोन कर बोलेरो भी उपलब्ध करवाई थी

जोधपुर@पत्रिका. *जिले की शेरगढ़ थाना पुलिस ने भोमसागर चौराहे के पास गत दिनों पेट्रोल डालकर स्लीपर बस जलाने के मामले में दो युवकों को सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि जैसलमेर जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर ने आपसी रंजिश के चलते अपने चचेरे भाई व मित्र को फोन कर बस में आग लगवाई थी।*

जेल से फोन कर रची साजिश

पुलिस का कहना है कि गिरफ्त में आने वाला नरपतदान चारण जैसलमेर जेल बंद रह चुका है, जहां उसकी मित्रता पहले से बंद फलसूण्ड थाने के हिस्ट्रीशीटर भुर्जगढ़ निवासी जसवंतसिंह पुत्र जुगतसिंह से हुई। जसवंतसिंह ने जैसलमेर जेल से अपने चचेरे भाई गुलाबसिंह जोधा व मित्र नरपतदान को फोन कर बस जलाने की साजिश रची थी। इस कार्य के लिए जेल से ही फोन पर बोलेरो कैम्पर भी उपलब्ध करवाई थी। इसी के चलते आरोपियों ने 18 दिसम्बर की सुबह भोमसागर चौराहे के पास बस रोकी थी और फिर चालक से मारपीट व रुपए लूटने के बाद पेट्रोल डाल आग लगा दी थी।

पेट्रोल डाल बस में लगाई आग

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अनिल कयाल ने बताया कि गत 18 दिसम्बर की सुबह बोलेरो कैम्पर में आए कुछ युवकों ने यात्रियों से भरी निजी बस रुकवाई थी। फिर चालक से मारपीट करने के बाद यात्रियों को नीचे उतार दिया गया था और पेट्रोल डाल बस में आग लगा दी गई थी। खिरजा खास में नया बेरा निवासी जितेन्द्रसिंह ने एफआइआर दर्ज कराई थी। प्रकरण में शेरगढ़ थानान्तर्गत साबरसर गांव निवासी विक्रमसिंह (22) पुत्र भंवरसिंह व जैसलमेर में सांगड़ थानान्तर्गत मेहरेरी निवासी नरपतदान (21) पुत्र मोबुदान चारण को बापर्दा गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में शेरगढ़ थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह, देचू थानाधिकारी राजेश बिश्नोई व टीम शामिल थी। मुख्य आरोपी गुलाबसिंह जोधा व अन्य की तलाश की जा रही है।

नागौर : नौ हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

राजीनामा कराने के बदले कांस्टेबल ने मांगी घूस

सीआइ लाइन हाजिर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com
22.12.21

नागौर. केस में दर्ज नाम हटाने के साथ राजीनामा कराने की ऐवज में नौ हजार की रिश्वत लेते महिला थाने का एक कांस्टेबल मंगलवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की नागौर टीम ने अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे यह कार्रवाई की। उधर, एसपी अभिजीत सिंह ने मामले में संदिग्ध भूमिका के चलते महिला थाने के सीआई हरिराम जाखड़ को लाइन हाजिर कर दिया। जबकि कांस्टेबल विकास चौधरी को निलंबित कर दिया है। थाना प्रभारी जाखड़ इस थाने पर पिछले कुछ महीनों से बतौर कार्यवाहक काम संभाल रहे थे।

विकास चौधरी

एसीबी के एएसपी रमेश मौर्य ने बताया कि बीस दिसंबर को इस संबंध में शिकायत मिली थी। इसमें परिवादी ने बताया कि महिला थाना प्रभारी का रीडर कांस्टेबल विकास चौधरी कुछ समय पूर्व दर्ज दहेज प्रताड़ना के मामले में मां व भाइयों का नाम हटाने के साथ राजीनामा कराने का दबाव बनाकार रिश्वत के बीस हजार रुपए मांग रहा है।

रक्षक के भेष में भक्षक: पीड़िता पर बार-बार अकेले मिलने का बनाया दबाव

महिला थाने में इंस्पेक्टर ने की पीड़िता से अश्लील हरकत, मुकदमा दर्ज

30.12.2021

10 दिन रहा महिला थाने का थानाधिकारी, आइजी ने किया था निलंबित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बूंदी. यहां महिला थाने के निलंबित थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक शौकत खान के खिलाफ बुधवार को कोतवाली थाना पुलिस ने महिला के साथ अश्लील हरकत करने, सोशल मीडिया पर अश्लील बातें कर प्रताड़ित करने का मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच बूंदी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सौंपी गई है। यह मामला कोटा रेंज के आइजी तक पहुंचा था, जिन्होंने 27 दिसम्बर को शौकत को निलंबित कर दिया था।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार आरोपी पुलिस निरीक्षक खान ने पीड़िता को अकेले अपने घर आने का दबाव बनाया। महिला थाने में बुलाकर अश्लील हरकतें की। यही नहीं, बार-बार वाट्सऐप कॉल और वीडियो कॉल भी किए। पीड़िता ने महिला थाने में एक प्रकरण दर्ज कराया था। उस प्रकरण के सिलसिले में थानाधिकारी ने वाट्सऐप कॉल करना शुरू किया।

सामान्य कॉल से परहेज

पीड़िता थाने में जाकर थानाधिकारी खान से मिली थी। इसी दिन से उसका व्यवहार ठीक नहीं था। थानाधिकारी ने पहले ही दिन कह दिया था कि वह वाट्सऐप पर बात करेगा। इस पर पीड़िता ने सामान्य कॉल भी किया, लेकिन थानाधिकारी बार-बार वाट्सएप कॉल करने के लिए ही दबाव बनाता रहा।

पुलिस निरीक्षक शौकत खान के खिलाफ आपराधिक धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। खान के खिलाफ मिले परिवाद पर विभागीय जांच शुरू कर दी। - **किशोरीलाल,** अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जांच अधिकारी), बूंदी

माता-पिता को सुनवाई बातें

थानाधिकारी शौकत खान ने अधिक तंग करना शुरू किया तो पीड़िता ने अपने माता-पिता को स्पीकर पर उसकी बातें सुनाई। कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी शौकत खान के खिलाफ धारा 354, 354क व 354घ में प्रकरण दर्ज किया है।

मोबाइल की लोकेशन कनाडा में मिली, धमकाने वाला लॉरेंस का ही गुर्गा

कनाडा में मौजूद लॉरेंस के गुर्गे के आगे बेबस पुलिस

02.01.2022

रंगदारी वसूलने के लिए ट्रैवल्स मालिक को इंटरनेट कॉल से दी थी धमकी

जोधपुर @ पत्रिका. रंगदारी वसूलने के लिए बस ट्रैवल्स मालिक को व्हॉट्सऐप कॉल से धमकाने वाला लॉरेंस का गुर्गा एक महीने बाद भी गिरफ्त से दूर है। शास्त्रीनगर थाना पुलिस की जांच से स्पष्ट हुआ है कि लॉरेंस के गुर्गे ने कनाडा से कॉल किया था। ऐसे में पुलिस के लिए उसे कनाडा से पकड़कर लाना मुश्किल भरा हो पा रहा है। ऐसे में मामले की जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है।

धमकाने वाले बदमाश की भी पहचान

पुलिस ने धमकी भरा कॉल करने वाले की तकनीकी पहलूओं से जांच की। तब सामने आया कि कॉल कनाडा में मौजूद व्यक्ति ने की थी। कुछ वर्ष पहले भी लॉरेंस के कनाडा में बैठे गुर्गे ने मदद की थी। जोधपुर पुलिस ने उसे दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा था। जो अब संभवतः जमानत पर है। अब एक बार फिर उसी पर अंदेशा है।

लॉरेंस का मददगार है कनाडा में बैठा युवक

पुलिस का मानना है कि धमकी भरा कॉल कनाडा से किया गया था। जो लॉरेंस का गुर्गा है। उसी ने लॉरेंस को वर्चुअल मोबाइल नम्बर से इंटरनेट कॉल करने की जानकारी दी थी। वह विदेश से बैठे-बैठे लॉरेंस के लिए वर्चुअल नम्बर की व्यवस्था कर चुका है।

यह है मामला

गत 31 नवम्बर की रात ट्रैवल्स मालिक मनीष जैन के मोबाइल में विदेशी नम्बर से व्हॉट्सऐप कॉल आए थे। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई का आदमी बताकर उसके लिए बकाया 15 लाख रुपए मांगे थे। एक-दो दिन में रुपए न देने पर धमकी देकर फोन काट दिया गया था।

भाटी की अनुमति दे दी। यह भी स्पष्ट ओर से अधिवक्ता खेतसिंह माध्यमिक शिक्षा विभाग में वरिष्ठ

जोधपुर सेन्ट्रल जेल, प्रहरी रिमाण्ड पर, बंदी के रिश्तेदार ने प्रहरी को दिया था मादक पदार्थ

जेल में प्रहरी से अफीम का 95 ग्राम दूध जब्त, बलात्कार के आरोपी बंदी को देनी थी अफीम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. जोधपुर सेन्ट्रल जेल एक बार फिर सुर्खियों में है। जेल में बंदियों की सुरक्षा के लिए तैनात एक प्रहरी के पास अफीम का 95 ग्राम दूध मिला है। वह बलात्कार के आरोपी एक बंदी के लिए यह मादक पदार्थ जेल लाया था। थानाधिकारी मूलसिंह ने बताया कि ड्यूटी पर जेल पहुंचने पर जेल प्रहरी प्रहलाद पुत्र ऊर्जाराम देवासी की आरएसी के जवानों ने तलाशी ली। उसके कब्जे से अफीम का 95 ग्राम दूध जब्त किया गया है। आरएसी जवानों ने अपने अधिकारी को सूचना दी। फिर जेल अधीक्षक को अवगत कराया गया। साथ ही पुलिस को सूचना दी गई। 13वीं बटालियन आरएसी के प्रभारी व प्लाटून कमांडर कल्याण सिंह की तरफ से पुलिस स्टेशन रातानाडा में जेल प्रहरी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने जोधपुर जिले में दाड़मी गांव निवासी जेल प्रहरी प्रहलाद देवासी (21) को गिरफ्तार किया। उप निरीक्षक भंवरसिंह ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से दो दिन रिमाण्ड पर भेजने के आदेश दिए गए।

जोधपुर जेल में अफीम के दूध के साथ गिरफ्तार होने वाला जेल प्रहरी।

मोटे मुनाफे का लालच, बंदी के लिए लाया अफीम

पुलिस का कहना है कि बंदी प्रहलाद देवासी की ड्यूटी जेल में सैल के बाहर है। इस दौरान वह किसी बंदी के सम्पर्क में आया होगा। प्रारम्भिक पूछताछ में उसने बलात्कार के आरोप में जेल में बंद एक बंदी के लिए अफीम लाने की जानकारी दी है। जो बंदी के रिश्तेदार ने उसे दी थी। मोटे मुनाफे के लालच में वह फंस गया। अब अफीम मंगाने वाला व पहुंचाने वाले के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

मूक बधिर बालिका प्रकरण

पुलिस ने घटनास्थल को नहीं रखा सुरक्षित

२२-०१-२२

ओवरब्रिज पर सबूतों की 'सफाई', अब भले ही आए सीबीआइ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. मूक बधिर बालिका प्रकरण में सीबीआइ के आने से पहले ही घटनास्थल की सफाई की गई है। अब तिजारा फाटक ओवरब्रिज पर सीबीआइ को न तो घटनास्थल मिलेगा और न ही खून के निशान।

यहां 11 जनवरी की रात करीब 8 बजे 15 वर्षीय मूक बधिर बालिका लहूलुहान हालत में पड़ी मिली थी। शुरुआत में पुलिस ने गैंगरेप की आशंका जताई थी, लेकिन फिर बलात्कार की बात से इनकार कर दिया। मामले में सीबीआई के आने से पहले तिजारा फाटक ओवरब्रिज के ऊपर नगर परिषद ठेकेदार की ओर से सफाई करा दी गई। सफाई भी ऐसी कराई गई कि पूरे घटनास्थल को साफ कर मौके से सबूत ही मिटा दिए गए हैं। ओवरब्रिज की पूरी सड़क एकदम साफ नजर आ रही है।

एक्सीडेंट मान रही पुलिस, खुलासे से बच रही: मूक बधिर बालिका से हुई घटना को अब अलवर पुलिस एक्सीडेंट मान रही है। पुलिस ने मामले में एक फूड सप्लाई कम्पनी के डिलीवरी बॉय को हिरासत में भी लिया हुआ है।

ओवरब्रिज पर घटनास्थल पर होती सफाई।

घटनास्थल इसलिए है महत्वपूर्ण

प्रकरण में घटना के तुरंत बाद पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वॉयड ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके अगले दिन जयपुर रेंज आईजी और जयपुर एफएसएल टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया।

सर्वसमाज में आक्रोश

काले झंडे लेकर निकाला जुलूस

प्रकरण में घटना और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सर्वसमाज में आक्रोश है। सर्व समाज संघर्ष समिति के बैनर तले शुक्रवार को काफी संख्या में लोगों ने हाथों में काले झंडे लेकर जुलूस निकाला।

अपने कैमरे से इसको फोन पर स्कैन करें

03 राजस्थान पत्रिका patrika.com
जोधपुर, मंगलवार, 25 जनवरी, 2022

संभाला कार्यभार: आइपीएस अधिकारी नवज्योति गोगोई ने संभाली जोधपुर पुलिस कमिश्नर की कमान

पुलिस जांच में पारदर्शिता रहेगी प्राथमिकता : गोगोई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पुलिस कमिश्नर नवज्योति गोगोई।

जोधपुर. भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के अधिकारी नवज्योति गोगोई ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर जोधपुर का कार्यभार संभाल लिया। पुलिस महानिरीक्षक जोस मोहन ने उन्हें कार्यभार सुपुर्द किया। नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर नवज्योति गोगोई वर्ष 2000 बैच के आइपीएस अधिकारी हैं। उन्हें आइजी रेंज जोधपुर से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदभार संभालने के बाद संक्षिप्त बातचीत में पुलिस कमिश्नर गोगोई ने कहा कि कमिश्नरेट में अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था बनाए रखना सबसे पहली प्राथमिकता रहेगी। जो प्रत्येक अधिकारी की अपने जिले में होती है। वहीं, कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार की गाइड लाइन की समुचित पालना करवाना भी प्रमुख उद्देश्य होगा। इसके अलावा संगठित अपराध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। अब तक जो प्रयास चल रहे हैं उन्हें जारी रखा जाएगा। समाज के कमजोर वर्ग जैसे महिलाएं, वृद्ध, बच्चे व अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों के खिलाफ अपराध की रोकथाम के प्रयास किए जाएंगे। यदि इनके खिलाफ कोई अपराध होता है तो दोषी को गिरफ्तार कर निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। ताकि ट्रायल में सजा मिल सके। वहीं, यातायात व्यवस्था को और अधिक समुचित बनाने की कोशिश भी की जाएगी। इससे पहले आइजी नवज्योति गोगोई के पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचने पर पुलिस कमिश्नर जोस मोहन, पुलिस उपायुक्त भुवन भूषण यादव, विनीत कुमार बंसल, राजकुमार चौधरी व अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। आइजी जोस मोहन ने उन्हें पुलिस कमिश्नर का कार्य सौंपा। आइपीएस अधिकारी गोगोई पुलिस अधीक्षक जोधपुर (ग्रामीण), एसपी जैसलमेर भी रह चुके हैं। वर्तमान में आइजी रेंज से स्थानान्तरित होकर आए हैं।

सीआइएसएफ में आइजी होंगे जोस मोहन

आइपीएस अधिकारी जोस मोहन को केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर भेज गया है। केन्द्र सरकार ने उन्हें सीआइएसएफ में पुलिस महानिरीक्षक पद पर नियुक्त किय है। वर्ष 2002 बैच के राजस्थान कैडर के आइपीएस अधिकारी जो मोहन को पांच साल या अग्रिम आदेश तक यह नियुक्ति दी गई

व सौ ग्राम सोना लूट का खुलासा

त्वरित राहत: चार पेशी में निर्णय

डिस्कॉम की ओर से

नियुक्ति के लिए दोबारा विज्ञप्ति पर रोक : राजस्थान हाईकोर्ट ने पाली जिले के देवली क
द्वितीय में सहायिका के पद पर नियुक्ति के लिए प्रकाशित विज्ञप्ति पर अग्रिम आदेश तक रोक

पढ़ाई के लिए ऋण लिया, चेक पर फर्जी साइन कर 1.20 लाख निकाले, वाहन चालक की पत्नी से ठगी, एक महीने तक दो थानों के बीच घूमने के बाद एफआइआर दर्ज

एक तो ठगी, दूसरी तरफ पुलिस का टालमटोल रवैया

25-01-2022

फीस के लिए रुपए निकालने बैंक पहुंचे तो धोखाधड़ी का पता लगा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. एक वाहन चालक ने अपनी पुत्री की पढ़ाई के लिए लोन लिया। फीस जमा कराने के लिए रुपए निकालने शिकारगढ़ क्षेत्र में बैंक पहुंचे तो चेक पर फर्जी हस्ताक्षर कर 1.20 लाख रुपए निकालने का पता लगा। एक महीने तक पुलिस स्टेशन बनाड़ व एयरपोर्ट के बीच चक्कर लगाने के बाद अब एयरपोर्ट थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया जा सका।

पुलिस के अनुसार शिकारगढ़ में कन्हैया नगर निवासी कंचन पुत्री ओमाराम चौधरी की तरफ से धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है। आरोप है कि कंचन का सरकारी बैंक में खाता है। गत 12 नवम्बर को किसी ने चेक पर उसकी मां के फर्जी हस्ताक्षर कर खाते से 1.20 लाख रुपए निकाल लिए। कॉलेज फीस भरने के लिए रुपए की जरूरत होने पर मां-पुत्री बैंक पहुंचे तो खाते से रुपए निकालने का पता लगा। चेक देखा तो उस पर हस्ताक्षर मिलान नहीं हुए। इस संबंध में बनाड़ थाने में लिखित शिकायत दी। युवती पुलिस कार्रवाई से आश्वस्त हो गई, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। दस-बारह दिन बाद पीड़िता थाने पहुंची तो उसे मामला दर्ज नहीं करने व एयरपोर्ट थाने का क्षेत्र बताकर एयरपोर्ट थाने भिजवा दिया। एयरपोर्ट थाने में भी मामला दर्ज नहीं कर 5 जनवरी को फिर से बनाड़ थाने भेजा।

इस बार पुलिस ने शिकायत ली और बयान दर्ज किए। इसके बावजूद उसे एयरपोर्ट थाने भिजवा दिया। तब पीड़िता ने उच्चाधिकारी के पास जाने की बात कही तो एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया। पीड़िता का कहना है कि उसके पिता वाहन चालक हैं। उसकी पढ़ाई के लिए लोन लेकर बैंक में रुपए जमा कराए थे।

न साइन मिलाया, न एसएमएस आया

पीड़िता का कहना है कि बैंक में 1.20 लाख रुपए निकालने के लिए चेक लगाया गया तो बैंक प्रबंधन ने साइन मिलान नहीं किया। न ही खाता धारक से पूछा गया। इतना नहीं, राशि निकालने के संबंध में अधिकृत मोबाइल नम्बर में कोई एसएमएस भी नहीं आया।

07 राजस्थान पत्रिका patrika.com
जोधपुर, शुक्रवार, 04 फरवरी 2022

ट्रेन की चपेट से अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु

जोधपुर @ पत्रिका. माता का थान थानान्तर्गत बनाड़ रोड पर निजी अस्पताल के पीछे रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। शिनाख्त के अभाव में शव महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है।

पुलिस के अनुसार राजस्थान अस्पताल के पीछे रेलवे ट्रैक के पास बुधवार रात एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। किसी ट्रेन की चपेट से उसकी व्यक्ति की मृत्यु हुई थी। मृतक की जेब में कागज की पर्ची पर एक मोबाइल नम्बर मिला है, लेकिन उससे सम्पर्क नहीं हो सका। पुलिस ने शिनाख्त के प्रयास किए। फिर शव मोर्चरी में भिजवा दिया गया। मृतक की उम्र 50 वर्ष, रंग काला है। उसने आसमानी बनियान व कमीज, काली पेंट पहन रखी है।

यातायात पुलिसकर्मी लगाएं

जोधपुर @ पत्रिका. औद्योगिक क्षेत्र बासनी (नहर रोड) से गुलाब नगर होते हुए खेमे का कुंआ चौराहे पर गुरुवार शाम को जाम लगने से यहां से गुजरने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। खेमे का कुंआ से लेकर एम्स तक यातायात बाधित रहा। यह नजारा यहां अक्सर रहता है। लोगों ने ऐसे में यहां यातायात पुलिसकर्मी की तैनातगी की मांग की है।

वारदात के कई दिन बाद दर्ज हो रहे हैं मामले

नकबजनियों से पुलिस में भी खौफ, एफआइआर दर्ज करने में कोताही

शिकायत मिलने पर तुरंत दर्ज करना होता है मामला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जोधपुर. पुलिस की ढिलाई से जोधपुर कमिश्नरेट में चोर व नकबजन गिरोह के हौंसले बढ़े हुए हैं। रात्रिकालीन गश्त नाकाम सी साबित होने लगी है। दिनदहाड़े मकान सूना छोड़ना खतरे से भरा होने लगा है। पिछले दस दिन में 22 से अधिक सूने मकान व दुकानों में चोर हाथ साफ कर चुके हैं। इस संबंध में कार्रवाई करने की बजाय पुलिस भी रिकॉर्ड खराब न हो इसलिए फौरी तौर पर कार्रवाई कर परिवादी को टरकाने में लगी है।

तीन दिन बाद एफआइआर दर्ज

- चौहाबो थानान्तर्गत शंकर नगर निवासी चंचल शर्मा के मकान में गत 29 जनवरी को दिनदहाड़े लाखों के आभूषण व रुपए चुरा लिए गए थे। रात को पुलिस ने मौका मुआयना किया था। परिवादी ने लिखित शिकायत भी दी थी, लेकिन एफआइआर 1 जनवरी को दर्ज की गई।
- चौहाबो थानान्तर्गत शांति नगर निवासी अनिल कुमार शर्मा के मकान में 28 जनवरी की रात चोरी हुई थी। घरवाले 30 जनवरी को जोधपुर आए व शिकायत दी। एफआइआर 1 जनवरी को दर्ज की गई।
- चौहाबो में नहर रोड पर शराब की दुकान में सेंध लगाकर चोरों ने 29 जनवरी की रात गल्ले से 1.50 लाख रुपए चुरा लिए थे। पुलिस में लिखित शिकायत दी गई। चोरों की हिमाकत सीसीटीवी फुटेज में कैद्र हो गई थी। पुलिस ने मौका मुआयना भी किया, लेकिन 1 जनवरी को एफआइआर दर्ज की गई।
- लूनी थानान्तर्गत सिणली गांव में जोगाराम पटेल के मकान से 29 जनवरी की रात 28 तोला सोने के आभूषण व 70 हजार रुपए चोरी हो गए थे। 1 जनवरी को मामला दर्ज किया गया।

शिकायत पर तुरंत एफआइआर दर्ज हो

पुलिस स्टेशन में कोई भी लिखित शिकायत मिलने पर तुरन्त एफआइआर दर्ज की जानी चाहिए ताकि अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। यदि शिकायत झूठी है तो उसमें एफआर लगाई जा सकती है, लेकिन पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर में चोरी व नकबजनी के मामलों में इसकी पालना नहीं हो रही है।

एक महीने तक टरकाने के बाद एफआइआर दर्ज

शिकारगढ़ की एक महिला के चेक पर फर्जी हस्ताक्षर कर 12 नवम्बर को बैंक से 1.20 लाख रुपए निकाल लिए गए थे। पुत्री की फीस जमा कराने के लिए रुपए की जरूरत होने पर महिला बैंक पहुंची तो खाते में पर्याप्त राशि न होने का पता लगा था। महिला की पुत्री ने बनाड़ थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। कुछ दिन बाद युवती थाने पहुंची तो उसे पता लगा कि अभी तक तो एफआरआइ दर्ज नहीं की गई है। उलटा परिवादी को एयरपोर्ट थाने भेज दिया गया। वहां भी टालमटोल का रवैया रहा। युवती ने उच्चाधिकारियों को शिकायत करने की बात कही तब एयरपोर्ट थाने में 23 जनवरी को एफआइआर दर्ज की गई थी।

दस दिन में 22 नकबजनी

24 जनवरी : डांगियावास थानान्तर्गत सालवा कला, प्रतापनगर थानान्तर्गत कमला नेहरू नगर और सूरसागर थानान्तर्गत छोटी भील बस्ती में मकानों में चोरी।

27 जनवरी : मथानिया थानान्तर्गत बड़ा बास और ओल्ड पावर हाउस में लूनी के सहायक अभियंता कार्यालय में चोरी।

31 जनवरी : महामंदिर थानान्तर्गत वीर तेजा कॉलोनी, राजीव गांधी नगर थानान्तर्गत चोखां के महादेव नगर, बोरानाडा, कुड़ी भगतासनी थानान्तर्गत सेक्टर-2 व सेक्टर-7 में एसबीआइ एटीएम, झालामण्ड के मोती मार्केट में एचडीएफसी का एटीएम में चोरी का प्रयास व तोड़-फोड़।

1 फरवरी : करवड़ थानान्तर्गत देसूरिया बिश्नोइयान की गौड़ कॉलोनी, खाण्डा फलसा थानान्तर्गत बकरा मण्डी, चौहाबो थानान्तर्गत शंकर नगर, शांति नगर व नहर रोड और लूनी थानान्तर्गत सिणली में चोरी।

2 फरवरी : मण्डोर थानान्तर्गत चतुरावता का बेरा, सूरसागर थानान्तर्गत चांदपोल में छोटी भील बस्ती और देवनगर थानान्तर्गत शांति प्रिय कॉलोनी में चोरी।

अवैध बजरी से भरे पांच डम्पर जब्त

मंत्री को फांसने की साजिश का मामला

बजरी से फिर पुलिस पर दाग: पत्रिका की सूचना पर डीजीपी ने लिया ...

बजरी भरा ट्रैक्टर छोड़ा, चौकी प्रभारी निलंबित, तीन सिपाही लाइन हाजिर

एसपी की कार्रवाई के बाद दोबारा ट्रैक्टर को डाक बंगले के पास खड़ा करवाया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

शक्करगढ़ (भीलवाड़ा). पिछले दिनों जब्त अमरगढ़ पुलिस चौकी में खड़ा ट्रैक्टर पुलिसकर्मियों ने बिना खनिज विभाग की कार्रवाई कराए रवाना कर दिया। यह ट्रैक्टर फिर से अवैध बजरी खनन में लग गया। पत्रिका ने इस खेल से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया तो पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंधू ने प्रथमदृष्ट्या मामला सही पाते हुए अमरगढ़ चौकी प्रभारी को निलंबित व तीन सिपाहियों को लाइन हाजिर किया। इस मामले की जांच जहाजपुर डीएसपी महावीर प्रसाद को सौंपी है।

शक्करगढ़ के तत्कालीन थानाप्रभारी छोटूलाल के नेतृत्व में 27 अक्टूबर को सुबह रजवास के निकट बजरी भरा बिन नम्बरी ट्रैक्टर जब्त कर चौकी में खड़ा करवाया था। इसमें करीब चार टन बजरी थी। मौके से चालक भाग गया था। चौकी पर खड़े ट्रैक्टर की रपट रोजनामचे में भी डाली गई। पिछले दिनों ट्रैक्टर बिना खनिज विभाग की कार्रवाई के पुलिसकर्मियों ने रवाना कर दिया। पत्रिका संवाददाता ने पड़ताल की तो चौकी से ट्रैक्टर गायब मिला। इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी।
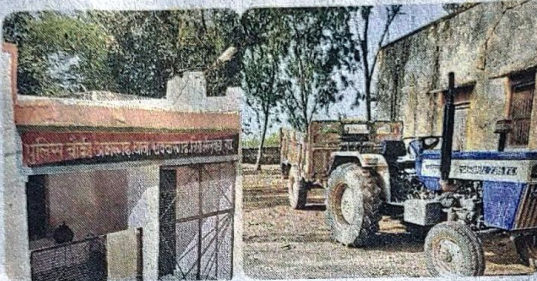
अमरगढ़ पुलिस चौकी और दुबारा जब्त ट्रैक्टर।

मामला उजागर हुआ तो खड़ा करवाया

ट्रैक्टर गायब कराने का मामला उजागर होने के बाद चौकी के पुलिसकर्मी आनन-फानन में ट्रैक्टर को वापस उसके मालिक से लेकर आए और उसे डाक बंगले में खड़ा करवा दिया।

गौरतलब है कि तत्कालीन थानाप्रभारी छोटूलाल को भी शिकायत पर कुछ दिन पहले ही लाइनहाजिर किया गया। इसके बाद भी इलाके में अवैध बजरी दोहन का खेल चल रहा है।

खनिज विभाग भी कम दोषी नहीं

इस प्रकरण में पुलिस की मिलीभगत सामने आई है। खनिज विभाग भी कम दोषी नहीं है। तीन महीने से अमरगढ़ चौकी में खड़े ट्रैक्टर की विभाग ने सुध नहीं ली गई। आरोप है, पुलिस के बजरी भरे वाहन जब्त करने की सूचना देने पर भी अभियंता कार्रवाई के लिए नहीं पहुंचते।

बिना कार्रवाई बजरी का ट्रैक्टर को छोड़ने के मामले की शिकायत पर अमरगढ़ चौकी प्रभारी को निलंबित किया है। तीन सिपाहियों को लाइन हाजिर किया गया। जहाजपुर डीएसपी को जांच सौंपी है।
- आदर्श सिंधू, पुलिस अधीक्षक, भीलवाड़ा

अजमेर ड्यूटी पर हूं। मैंने कभी इस मामले में चौकी वालों को ट्रैक्टर छोड़ने को नहीं कहा था। मैं पता करवाता हूं।
- छोटूलाल, तत्कालीन थानाप्रभारी, शक्करगढ़

कार्यालय अभिलेख में इस ट्रैक्टर के बारे में कोई सूचना नहीं है। खनन विभाग द्वारा हिरासत में नहीं लिया गया और न ही किसी प्रकार से पुलिस को छोड़ने के आदेश दिए।
- नवीन अजमेरा, खनिज अभियंता, भीलवाड़ा

एसपी के निर्देश पर जांच की। थाने में खनिज विभाग की कार्रवाई का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। अमरगढ़ चौकी में ट्रैक्टर खड़ा नहीं मिला। मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी।
-राजूराम काला, थानाप्रभारी, शक्करगढ़

एसपी ने भेजी विशेष टीम
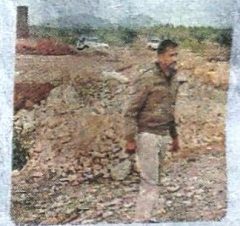
पत्रिका ने गड़बड़झाले के बारे में पुलिस महानिदेशक लाठर को अवगत कराया। डीजीपी ने भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक सिधू को इसकी जांच के आदेश दिए। एसपी ने विशेष टीम जांच के लिए तत्काल अमरगढ़ भेजी। टीम को चौकी में ट्रैक्टर चौकी में नहीं मिला। रोजनामचे में खनिज विभाग की कार्रवाई का इन्द्राज भी नहीं था। टीम ने इस बारे में कुछ लोगों से जानकारी भी हासिल की। एसपी ने प्रारंभिक जांच के बाद अमरगढ़ चौकी प्रभारी सुरेश कुमार साहू को निलंबित कर दिया। चौकी पर तैनात कांस्टेबल थानसिंह, तेजपालसिंह व इन्द्र कुमार को लाइन हाजिर किया।

हनी ट्रैप मामले में डीसीपी ने आइओ सौंपी थी बिन्दुवार जांच की सूची

नोटिस दिया, आरोपी ने साइन भी किए, लेकिन फाइल में नहीं लगाया : डीसीपी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 11-02-2022

जोधपुर. राजस्व मंत्री को हनी ट्रैप में फंसाने की साजिश के हाई प्रोफाइल मामले में मास्टर माइण्ड अक्षत शर्मा व उसकी सहयोगी दीपाली को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस उपायुक्त (पूर्व) भुवन भूषण यादव ने जांच में कोई तथ्य या दस्तावेज छूट न जाए इसके लिए बिन्दुवार जांच सूची बनाकर जांच अधिकारी (आइओ) दिलीप खदाव को सौंपी थी। जिसमें प्रत्येक पहलू पर जांच करने के साथ-साथ मोबाइल व अन्य साक्ष्य बरामद करने और गिरफ्तारी से पूर्व सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत नोटिस देने का जिक्र भी किया गया था। जांच अधिकारी को सूची में उल्लेखित सभी बिन्दुओं की पालना करने के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त व सहायक पुलिस आयुक्त भी कर रहे थे। इन सबके बावजूद सीआरपीसी की धारा 41ए का नोटिस मामले की पत्रावली में न होने पर आरोपियों को जमानत का लाभ मिल गया था।

पत्रावली से गायब होना संदेहास्पद

दोनों आरोपियों को जमानत मिलने के बाद आइओ दिलीप खदाव ने डीसीपी यादव को अवगत कराया कि उन्होंने आरोपियों को सीआरपीसी की धारा 41ए में नोटिस दिया था। जिस पर अक्षत ने अपने हस्ताक्षर भी किए थे, लेकिन पत्रावली से यह नोटिस गायब हो गया था। जो संदेहास्पद है। बकायदा नोटिस दिखाया भी गया था।

पुलिस का दावा : सिर्फ प्रयास होने से मिली जमानत

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पत्रावली में सीआरपीसी की धारा 41ए का नोटिस नहीं था, लेकिन यह जमानत का आधार नहीं था। कोर्ट ने मामले को हनी ट्रैप का प्रयास मानकर जमानत दी।

अलवर : सोशल मीडिया पर वायरल

थानाधिकारी की टीम गई, जब्त किए बीड़ी के 10 बंडल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. अलवर पुलिस फिर कार्रवाई से चर्चा में है। दरअसल, खेरली कस्बे में पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए सरकारी स्कूल पास के पास बीड़ी के 10 बंडल दो पैकेट माचिस तथा 20 पैकेट गुटका बेचते एक हुए व्यक्ति को गिरफ्तार किया। हालांकि पुलिस ने नियमानुसार राजस्थान धूम्रपान अधिनियम के तहत कार्रवाई की। लेकिन अलवर पुलिस की ओर से 10 बीड़ी के बण्डल, 2 पैकेट माचिस और 20 पैकेट गुटका जब्त करने की कार्रवाई का प्रेस नोट जारी कर दिया, जो कि सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। पुलिस ने प्रेस नोट में दिखाया कि इस

Alwar Police

Date- 17-02-2022

राजस्थान धुम्रपान प्रतिषेध अधिनियम के तहत 10 बीडी के बण्डल, 02 पैकेट माचिस एवं 20 मामा गुटका सहित आरोपी गिरफ्तार

गठित टीम –

1– श्री रामकिशन उनि थानाधिकारी पुलिस थाना खेरली।
2– श्री ... एएसआई न 1765 पुलिस थाना खेरली।
3– श्री ... कानि न 370 पुलिस थाना खेरली।
4– श्री सतीश कुमार कानि न 1208 पुलिस थाना खेरली।
5– श्री संजय चालक न 1626 पुलिस थाना खेरली।

पीआरओ–जिला पुलिस अलवर।

कार्रवाई में थानाधिकारी सहित पांच पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद प्रेस नोट जारी करने पर खूब चुटकियां ली जा रही हैं। लोग व्यंग्य में इसे बहुत बड़ी कार्रवाई बता रहे हैं। एक व्यक्ति ने लिखा कि इतनी बड़ी कार्रवाई करने पर पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया जाना चाहिए।

छात्र ने देर रात फंदा लगा लिया।

पढ़ें पबजी @ पेज 06

वादा किया। इस बीच उसने खौफनाक कदम उठा लिया।

पाली

आर्टिफिशियल ज्वैलरी हड़पने का मामला, 5 पुलिसकर्मी निलंबित

व्यापारी का अपहरण कर दो लाख वसूले, एसएचओ और दो कांस्टेबल गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पाली . सदर थाना क्षेत्र के हाइवे पर जाडन टोल प्लाजा के पास शिवपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार व चार अन्य पुलिसकर्मियों ने गोल्ड कोटिंग आर्टिफिशियल ज्वैलरी का काम करने वाले पंजाब के व्यापारी सुरेंद्र सिंह व उसके साथी का 15 फरवरी की रात अपहरण कर लिया।

सुनसान इलाके में ले जाकर उनसे मारपीट की और मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए दो लाख रुपए पेटीएम के माध्यम से अपने परिचित के बैंक खातों में ट्रांसफर करवाए।

आरोप हैं कि उनसे चार लाख की आर्टिफिशियल ज्वैलरी भी हड़प ली। इसके बाद व्यापारी को छोड़ दिया। व्यापारी ने 16 फरवरी को शिकायत पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने मामले की प्राथमिक जांच सीओ सोजत हेमंत जाखड़ से करवाई तो शिकायत सही पाई गई। इस पर थानाधिकारी सहित पांचों पुलिसकर्मियों के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज किया गया। पढ़ें व्यापारी @ पेज 06

पाली. गिरफ्तार थाना अधिकारी व दो पुलिसकर्मी।

पेटीएम से दिए दो लाख

परिवाद में सुरेंद्र ने बताया कि दो लाख रुपए में छोड़ने पर सहमत हुए। पुलिसकर्मियों ने तीन जनों के खाते में पेटीएम से दो लाख रुपए ट्रांसफर करवाए। इसके बाद उनसे चार लाख रुपए की आर्टिफिशियल ज्वैलरी भी हड़प ली और उन्हें छोड़ दिया। पूरे रास्ते में एजेंट पुलिस के साथ रहा।

बांसवाड़ा जिला कारागृह

डिप्टी जेलर व दलाल वकील 20 हजार घूस लेते गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बांसवाड़ा. एसीबी ने गुरुवार को जिला कारागृह, बांसवाड़ा के सैयद डिप्टी जेलर सैयद आमीर अली एवं उसके दलाल अधिवक्ता अजहर अहमद सिंधी को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अली ने जेल में बंद परिवादिया के रिश्तेदार से मारपीट नहीं करने तथा मुलाकात कराने की एवज में वकील के जरिए मांगी और ली थी। परिवादिया इंदिरा कॉलोनी निवासी अंजुम पत्नी समीर खान ने बुधवार को ही शिकायत की थी। उसने बताया कि एक आपराधिक प्रकरण में उसके पति समीर और अन्य रिश्तेदार बांसवाड़ा जेल में बन्द हैं। उससे जेल में मारपीट नहीं करने और मुलाकात करवाने के लिए डिप्टी जेलर सैयद आमीर अली अपने दलाल व पेशे से वकील अजहर अहमद सिंधी के माध्यम से 50 हजार रुपए रिश्वत राशि मांग कर परेशान कर रहा है।

एडवोकेट
अजहर अहमद

डिप्टी जेलर
आमिर अली

पहले भी पकड़ा जा चुका है

आरोपी डिप्टी जेलर अली के खिलाफ इससे पहले सलूम्बर जेल में पदस्थापन के दौरान भी बन्दी से मारपीट और भीतर तंग नहीं करने की एवज में दस हजार रुपए रिश्वत की मांग की शिकायत हुई थी। एएसपी सिंह ने बताया कि उस केस में आरोपी अवैध शराब परिवहन के मामले में बंद आरोपी से मारपीट कर जबरन शौचालय की सफाई करने को बाध्य कर रहा था।